शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 127 | गुवाहाटी | रविवार, 3 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर : लोगों के समर्थन से यूएनएलएफ से शांति समझौता संभव : मुख्यमंत्री... पेज 3
विकसित भारत का संकल्प मात्र शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों गरीबों का जीवन... पेज 4
15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा अयोध्या का इंटरनेशल एयरपोर्ट पेज 5
राजस्थान में बनेगी भाजपा की सरकार : अनुराग ठाकुर पेज 8

अहोमों की विरासत को संरक्षित प्रचारित करने को प्रतिबद्ध हैं : सीएम

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि हमारी सरकार अहोमों की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने के लिए प्रतिबद्ध है। और, हमने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा आज डिब्रूगढ़ के टिंगखोंग में असम दिवस के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वे चराइदेउ मैदान को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के लिए नामांकित करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद है कि चराइदेउ को विश्व धरोहर स्थल की मान्यता मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे प्राचीन अहोम नेताओं की दूरदर्शी सोच ने हमारी विविधता के बावजूद एक एकल असमिया पहचान बनाने में मदद की। अहोमों ने एक मजबूत प्रशासनिक ढांचे की नींव भी रखी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि किस प्रकार चाउलोंग चुकाफा ने दिहिंग पाटकाई के रास्ते से असम में पहुंचे और चराइदेउ में अपनी राजधानी बसाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार चुकाफा ने छोटे-छोटे राज्यों को मिलाकर एक वृहत्तर असम का निर्माण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुकाफा का असम की संस्कृति, भाषा, साहित्य आदि को आकार देने में बहुत बड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

चाउलुंग सुकाफा का सुशासन सबका साथ सबका विकास को दर्शाता है : सोनोवाल

मोरान। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल आज पहले अहोम स्वर्गदेव चाउलुंग सु-का-फा के ऐतिहासिक आगमन और अतुलनीय कार्यों को श्रद्धांजलि देने के लिए मोरान में आयोजित *असम दिवस* समारोह में शामिल हुए। सोनोवाल ने दिवंगत राजा को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें साहस, अतुलनीय देशभक्ति और भाईचारे का शाश्वत प्रतीक बताया। उन्होंने महामहिम को न केवल असम, बल्कि पूरे दक्षिण भारत का एक विशाल और शक्तिशाली व्यक्तित्व बताया। मालूम हो कि ताई अहोम युवा परिषद, असम की केंद्रीय समिति के निमंत्रण पर मोरान उप-मंडल समिति और मोरान क्षेत्रीय समिति द्वारा *सु-का-फा दिवस* का आयोजन किया गया था। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। वहीं असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सात पीढ़ी के सद्भाव को मजबूत करने के लिए अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सौना मेई को चाउलुंग सु-का-फा बार असम समन्वय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में भाषण देते हुए केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि स्वर्गदेव चाउलुंग सु-का-फाई ने शांति, सद्भाव, सद्भावना और आपसी सम्मान के माध्यम -शेष पृष्ठ दो पर

किताबें समाज में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि किताबें समाज में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम गोलाघाट शाखा साहित्य सभा की पहल और ऑल असम बुक पब्लिशर्स एंड सेलर्स एसोसिएशन के सहयोग से गोलाघाट शहर के समन्वय मैदान में पहली बार आयोजित गोलाघाट पुस्तक मेला और साहित्यिक सम्मेलन में आज उपस्थित होकर उन्हें प्रसन्नता हो रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा पारित निर्णयों की समीक्षा करें : गौहाटी एचसी

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार से राज्य में विदेशी न्यायाधिकरणों द्वारा पारित निर्णयों की समीक्षा करने को कहा है। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार के हलफनामे पर गौर करते हुए कहा कि लगभग 85 फीसदी मामलों में, जिन्हें संदिग्ध अवैध अप्रवासी घोषित किया गया था बाद में वे भारतीय नागरिक पाए गए। यह आदेश न्यायमूर्ति अचिंत्य मल्ल बुजोरबरुआ और न्यायमूर्ति मिताली ठाकुरिया की पीठ ने फरहाद अली की याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किया था। मालूम हो कि असम के बंगाईगांव जिले के रहने वाले फरहाद अली को अक्तूबर 2019 में एक न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किया गया था। ट्रिब्यूनल ने एनआरसी प्रक्रिया के दौरान जमा किए गए दस्तावेजों में अपने पिता के नाम में मामूली विसंगतियों के आधार पर फरहाद अली को विदेशी घोषित -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

भगवान राम किसी एक जाति और धर्म के नहीं : कोविंद

हमीरपुर (हि.स.)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि देश की आजादी में श्रीराम नाम का बड़ा योगदान रहा है। महात्मा गांधी ने रघुपति राघव राजा राम भजन गाकर देश को आजाद कराया था और जब उन्हें गोली लगी तो अंतिम समय में भी वह हे राम कहते हुए धरती पर गिरे थे। उन्होंने कहा कि भगवान राम किसी एक जाति और धर्म के नहीं है बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए हैं। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के ग्राम निवादा में दिव्य प्रेम -शेष पृष्ठ दो पर

एग्जिट पोल के बाद कांग्रेस-भाजपा में बेचैनी बढ़ी

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले जिन छोटे दलों को कांग्रेस और भाजपा ने हल्के में लिया था, एग्जिट पोल के बाद अब उनकी संभावित ताकत को लेकर दोनों ही दल सशंकित हैं। खासतौर से मध्य प्रदेश व राजस्थान में यदि चौंकाने वाले नतीजे आते हैं तो उसकी देन यही छोटे दल ही होंगे। मतदान पूर्व मध्य प्रदेश में कांग्रेस की लहर बताई जा रही थी। एग्जिट पोल के बाद भाजपा को प्रचंड बहुमत दिया जा रहा है। जबकि एग्जिट पोल के मुताबिक मध्य प्रदेश में भाजपा को 42 से 43 प्रतिशत तक मत मिले हैं, जबकि कांग्रेस एवं छोटे दलों को 53 प्रतिशत मत मिले हैं। छोटे दलों में बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं समाजवादी पार्टी प्रमुख हैं। इन दलों को एग्जिट पोल ने मध्य प्रदेश में अधिकतम 11 सीटें दी है। मध्य प्रदेश में बहुमत के लिए 116 सीटें चाहिए। एग्जिट पोल ने कांग्रेस को 100 एवं भाजपा को 125 सीटें दी है। इस प्रकार यदि भाजपा मध्य प्रदेश में बहुमत के पार जाती है तो उसका श्रेय उक्त छोटे दलों को जाएगा जिन्होंने गैर भाजपा मतों को कांग्रेस के खिलाफ विभाजित कर दिया। यही स्थिति राजस्थान में भी है। वहां पर भाजपा को 102 और कांग्रेस को 86 सीटें तक मिलने का अनुमान है जबकि छोटे दलों को 8 सीटें दी जा रही है। यदि राजस्थान में कांग्रेस को बहुमत नहीं मिलता है तो उसका भी श्रेय छोटे दलों को ही जाएगा। गौरतलब है कि देश के पांच राज्यों के विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में कांग्रेस बनाएगी सरकार : गौरव गोगोई

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि उनकी पार्टी राजस्थान में पूर्ण बहुत से सरकार बनाने जा रही है। गोगोई ने शनिवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत में दावा किया कि उन्होंने चुनाव के दौरान काफी समय राजस्थान में बिताया है। वह जमीनी हकीकत जानते हैं। वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बुरी तरह से हार रही है। भाजपा के जो नेता राजस्थान में जीत की बात कर रहे हैं, कल उन्हें अपना बयान वापस लेना पड़ेगा। राजस्थान की जनता कांग्रेस के साथ खड़ी है।

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में सत्र के एजेंडे पर चर्चा हुई। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह बैठक बुलाई। इस बैठक में बैठक में 23 पार्टियों के 30 नेता शामिल हुए, जिन्होंने कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सुझावों को सकारात्मक रूप से लिया गया है। सर्वदलीय बैठक संपन्न होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री का बयान सामने आया। खबरों के मुताबिक, संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि चार दिसंबर से शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है और यह 22 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन तक चलने वाले सत्र में 15 बैठकें होंगी। हमने -शेष पृष्ठ दो पर

मध्यस्थता प्रणाली को कड़ी मुट्ठी में रखते हैं सेवानिवृत्त न्यायाधीश : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी कि देश में मध्यस्थता का स्थान *ओल्ड बॉयज क्लब* जैसा है, को दोहराते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि दुनिया में कहीं भी मध्यस्थता इतने कड़े नियंत्रण में नहीं है, जितनी भारत में है। मध्यस्थता प्रणाली को इस पकड़ से मुक्त कर इसे विश्वसनीय और और भरोसेमंद बनाने की आवश्यकता है। वह नई दिल्ली में छठे अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय दिवस -शेष पृष्ठ दो पर

शीतकालीन सत्र : अंग्रेजों के जमाने के कानून होंगे रिप्लेस

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक की है। बैठक संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी की अगुवाई में हुई। उन्होंने तमाम दलों के प्रतिनिधियों के साथ सत्र को सुचारू रूप से चलाने और सत्र के तमाम एजेंडे पर चर्चा की। शीतकालीन सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी और 4-22 दिसंबर तक सत्र चलेगा। संसद में कुल 37 विधेयक पेंडिंग हैं, जिनमें 19 विधेयकों को इस सत्र में पेश किया जाना है। संसद में पेंडिंग 37 विधेयकों में 12 विधेयकों पर विचार किया जाना है और पास किया जाना है। इनके अलावा तीन विधेयक इंडियन पीनल कोड, कोड ऑफ क्रिमिनल -शेष पृष्ठ दो पर

अयोध्या : रजिस्टर्ड डाक से पहुंचने लगे निमंत्रण पत्र

अयोध्या (हि.स.)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथियों को रजिस्टर्ड डाक से निमंत्रण पत्र प्रेषित करना शुरू कर दिया है। ट्रस्ट की तरफ से भेजे गए कुछ कार्ड के फोटो सोशल मीडिया में वायरल भी हो रहे हैं। निमंत्रण पत्र के लिफाफे पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह लिखा हुआ है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय की तरफ से भेजे गए निमंत्रण पत्र में लिखा गया है कि आपको विदित ही है कि -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

काम, क्रोध और लोभ ये तीनों नरक के व्दार हैं।

\- कबीर

न्यूज गैलरी

लोस चुनाव 2024 में उतरेंगे अक्षय, कंगना और माधुरी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव अभी 6 लो महीने दूर हैं लेकिन भाजपा नेतृत्व 5 राज्यों के चुनाव के साथ-साथ जिताऊ उम्मीदवारों के चयन में अभी से व्यस्त हो गया है। भाजपा मुख्यालय से आ रही रिपोटों से पता चलता है कि वह फिल्म उद्योग से लोकसभा चुनाव में उतारे जाने वाले नए चेहरों की तलाश कर रही है। हेमा मालिनी पहले ही 75 साल की उम्र सीमा पार कर चुकी हैं इसलिए हो सकता है कि उन्हें मैदान में न उतारा जाए वहीं सनी देओल ने भी चुनाव लड़ने बारे अनिच्छा जाहिर कर दी है और भाजपा को गुरदासपुर -शेष पृष्ठ दो पर

महिला पर दुष्कर्म का आरोप, एससी करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। आईपीसी की धारा 375 के तहत सिर्फ एक पुरुष पर ही बलात्कार का आरोप लग सकता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में एक ऐसा मामला आ गया है जहां पर महिला पर भी रेप का आरोप लगा है। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या किसी महिला पर भी रेप का आरोप लग सकता है? इस पहलू पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने वाली है और इसी मुद्दे पर फैसला होगा। जानकारी के लिए बता दें कि ये पूरा मामला एक 62 साल की बुजुर्ग महिला से जुड़ा हुआ है। असल में उस महिला और उसी के बड़े बेटे पर गंभीर आरोप लगे हैं। ये आरोप मारपीट से लेकर रेप तक के हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक बुजुर्ग महिला ने उस पर दबाव बनाया कि वो उसके छोटे बेटे से शादी कर ले। उसे एक कमरे में बंद भी कर दिया गया और उसकी कुछ तस्वीरें क्लिक कर ब्लैकमेल किया गया। अब ये सभी दावे शिकायतकर्ता के हैं, लेकिन जो बुजुर्ग महिला है, उन्होंने इन्हें सिरे से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि लड़की के घरवाले ही शादी खत्म करने का दबाव बना रहे थे। 11 लाख रुपए देने की बात भी हुई थी, लेकिन उस सब के बावजूद भी लड़की ने उन्हीं पर और उनके बेटे पर आरोप लगा दिए। इस समय ये मामला अदालत में चल रहा है, निचली -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार में योग्य व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार देने की शुरुआत हुई : अमित शाह

जूनागढ़ (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के योग्य व्यक्ति को पद्म पुरस्कार मिले, इसकी पूरी व्यवस्था खड़ी करने का काम किया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने भीखुदान के योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। गुजरात के जूनागढ़ में शनिवार को दिव्यकांत नाणावटी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित *स्मृति पर्व* कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भीखुदान गढ़वी ने गुजरात और सौराष्ट्र की कला को पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम किया है। शाह ने भीखुदान गढवी को काग बापू की पीढ़ी और आज के साहित्यकारों की पीढ़ी के बीच का सेतु बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यकांत नाणावटी उन लोगों में से हैं जो समाज के लिए जीते हैं और दूसरों के लिए कुछ करते हैं। उन्होंने कहा कि रूपायतन संस्था ने आज एक ऐसी पुस्तक का प्रकाशन किया है जो नई पीढ़ी के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

देहरादून राजभवन में असम के स्थापना दिवस पर हुआ कार्यक्रम

देहरादून (हि.स.)। राजभवन में असम प्रदेश के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड में निवास कर रहे असम राज्य के लोगों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर राज्यपाल ने आज राजभवन में उत्तराखंड में निवासरत असम राज्य के प्रवासियों से मिलकर अपने पुराने समय की विभिन्न घटनाओं का स्मरण किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उपस्थित लोगों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कहा कि दूसरे राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से सामाजिक एकीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बड़ावा मिल रहा है। राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उन्होंने सैन्य अधिकारी के रूप में असम रेजिमेंट में अपनी सेवाएं दी हैं। अपने सैन्य सेवाकाल के दौरान वे असम के विभिन्न स्थानों पर तैनात रहे जिस कारण उन्हें वहां के स्थानीय लोगों के साथ काफी समय व्यतीत करने का अवसर मिला। राज्यपाल ने कहा कि देश के सभी राज्यों में सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव हो, यही एक भारत श्रेष्ठ भारत का उद्देश्य है। इस प्रकार के आयोजनों से जहां देश की एकता को बल मिलता है, तो वहीं दूसरी ओर भारत की विविधताओं को समझने का हम सभी को मौका भी मिलता है। विभिन्न राज्यों के लोगों का आपसी एवं सांस्कृतिक मेल-मिलाप बहुत जरूरी है। जहां इससे आपसी रिश्ते मजबूत होंगे इसके साथ ही आपसी समझ और विश्वास भी बढ़ेगा यही भारत के ताकत की नींव भी है। राज्यपाल ने कहा कि असम की चाय दुनिया भर में प्रसिद्ध है, चाय से असम की अलग पहचान भी है। दुनिया भर में अपने रेशम के लिए भी असम जाना जाता है, यहां का असम सिल्क के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहू नृत्य असम का प्रसिद्ध नृत्य है, जो यहां के विभिन्न जातियों की परंपरा का अभिन्न अंग है। यहां काजीरंगा और मानस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं, जो भारत के एक सींग वाले गैंडों का निवास स्थान है। राज्यपाल ने कहा कि *गामोसा वस्त्र* असमिया लोगों की आसानी से पहचान कराने वाला सांस्कृतिक प्रतीक है जिसे लोग विभिन्न सामाजिक धार्मिक कार्यों में पहनते हैं। उन्होंने कहा कि असम और उत्तराखण्ड में बहुत समानताएं हैं और आज राजभवन में असम के निवासियों के साथ असम दिवस मनाने पर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस कार्यक्रम में प्रथम महिला गुरमीत कौर,सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन,अपर सचिव राज्यपाल स्वाति एस.भदौरिया, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव एवं राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी और उत्तराखण्ड में निवास कर रहे असम राज्य के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

युक्रेन संघर्ष के बीच पुतिन का आदेश

रूसी सेना में 1.70 लाख सैनिक और शामिल करो

मॉस्को। यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष के मध्य रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश की सेना को कम से कम 170,000 और सैनिकों को शामिल करने के शुक्रवार को आदेश दिए। यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष 22 माह से जारी है। पुतिन का यह आदेश शुक्रवार को जारी हुआ और इसे तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दिया दिया गया जिससे रूसी सैन्यकर्मियों की बढ़कर संख्या 2,200,000 हो गई। इसमें 1,320,000 सैनिक भी शामिल हैं। अगस्त 2022 में पुतिन ने 137,000 सैनिकों को शामिल करने के आदेश दिए थे जिसके बाद सैन्यकर्मियों की संख्या लगभग 20 लाख और सैनिकों की संख्या लगभग 1,150,000 हो गई थी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सेना में शामिल होने की इच्छा रखने वालों की भर्ती की जाएगी। मंत्रालय ने यूक्रेन में जारी संघर्ष को *विशेष सैन्य अभियान* करार दिया और सेना में विस्तार के पीछे उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के बढ़ने को जिम्मेदार ठहराया। बयान में कहा गया कि रूस की सीमा के निकट नाटो के संयुक्त सशस्त्र बल तैनात किए जा रहे हैं और अतिरिक्त हवाई रक्षा प्रणालियों के साथ ही हथियार तैनात किए जा रहे हैं। नाटो की सामरिक परमाणु बलों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि नाटो की आक्रामक गतिविधियों को देखते हुए रूसी सेना की क्षमता को बढ़ाना उचित कदम है।

फर्जी खबरों के कारण दब जाती है सही जानकारी : सीजेआई

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि फर्जी खबरों के प्रसार से सच्ची जानकारी दब जाती है। उन्होंने कहा कि गलत सूचना में लोकतांत्रिक चर्चा को कमजोर करने की ताकत होती है। बता दें कि *डिजिटल युग में नागरिक स्वतंत्रता को कायम रखना: गोपनीयता, निगरानी और मुक्त भाषण* विषय पर 14वें न्यायमूर्ति वीएम तारकुंडे स्मृति व्याख्यान में सीजेआई ने कहा कि फर्जी खबरों का लक्ष्य समाज के मूलभूत तत्वों अर्थात सत्य की स्थिरता को नष्ट करना है। सीजेआई ने कहा कि प्रसार के पैमाने के आधार पर, फर्जी खबरें सच्ची जानकारी को खत्म कर देती हैं, जिससे विमर्श का चरित्र सच्चाई की जगह तेज आवाज से दब जाता है। सीजेआई ने कहा कि हर दिन अखबार पर एक सरसरी नजर डालने से फर्जी अफवाहों और लक्षित दुष्प्रचार अभियानों से भड़की सांप्रदायिक और नैतिकता के पैरोकार बनकर की जाने वाली हिंसा की घटनाएं देखने को मिलती हैं। सीजेआई ने कहा कि दुनिया भर में चाहे वह लीबिया हो, फिलीपीन हो, जर्मनी हो या अमेरिका फर्जी खबरों के प्रसार से चुनाव और नागरिक समाज कलंकित हुआ है। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि जब देश कोरोना महामारी का सामना कर रहा था, तब इंटरनेट फर्जी खबरों और अफवाहों से भरा हुआ था।

कांच के बक्से की टक्कर से ट्रक चालक की मौत

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा के मुस्लिमपट्टी में ट्रक के अंदर कांच के बक्से की टक्कर से एक ट्रक चालक की मौत हो गई। यह घटना आज चौधरी ग्लास कॉर्नर नामक एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में हुई। ट्रक से कांच के बक्से को निकालते समय कांच चालक के सिर में घुस गया। मृतक चालक की पहचान ट्रक के मालिक मोहम्मद चौधरी के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तलाशी अभियान में मिला आईईडी

राजौरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का पता लगाने और उसे नष्ट करने के बाद शनिवार को एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने कहा कि राजौरी जिले के पुलिस स्टेशन दरहाल के टोपा हिल टाक इलाकों में कुछ संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान आईईडी देखा गया, जिसे बाद में बम निरोधक दस्ते की मदद से मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का क्षेत्र में अभियान फिलहाल जारी है।

तेलंगाना के लोग एग्जिट पोल से हैं खुश : शर्मिला

नई दिल्ली (हि.स.)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष और जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला ने एक्जिट पोल पर खुशी जाहिर करते हुए इसे लोगों की नब्ज बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अच्छे दिन लौटेने वाले हैं। तेलंगाना के करोड़ों लोग वास्तव में एग्जिट पोल से खुश हैं और प्रार्थना करते हैं कि यही नतीजे वास्तविकता में बदल जाएं। ऐसा सोचने वालों में वे भी एक हैं। शर्मिला ने कहा कि हमने केसीआर को एक सूटकेस भेजा और उन्हें सामान पैक करने के लिए कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर किसी भी तरह विधायकों को खरीदने और सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। केसीआर पिछले दरवाजे की राजनीति करते हैं। उन्होंने सलाह दी कि हॉर्स ट्रेडिंग से उन्हें बचना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में कांग्रेस की सरकार आ रही है।

पार्टी छोड़ कर गए लोग झूठा आरोप लगा रहे हैं : शरद पवार

मुंबई (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ कर गए, वो अब झूठा और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि इन लोगों के जाने के बाद पार्टी में नए नेतृत्व के लिए अवसर मिला है। सभी लोग सिर्फ जनहित के काम की ओर ध्यान दें, झूठे आरोप लगाने वालों को जनता जवाब देगी। शरद पवार की अध्यक्षता में शनिवार को राकांपा सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक समाप्त होने के बाद शरद पवार ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने जिन लोगों को बड़ा किया, सभी उन्हें छोड़कर चले गए। जाने के बाद अब वे लोग उन पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। जबकि इन लोगों ने पार्टी के साथ और जनता के साथ भी बेईमानी की है। चुनाव के समय हमने जिनके विरुद्ध वोट मांगा था, यह लोग उन्हीं के साथ मिलकर सरकार में शामिल हुए हैं। यह सब बात जनता समझ रही है। इसलिए इन लोगों के आरोपों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। शरद पवार ने कहा कि 1978 में उनके साथ 60 विधायक चुनकर आए थे। इनमें से 54 विधायक उन्हें छोड़कर चले गए सिर्फ छह विधायक उनके साथ थे। इन 54 लोगों में 52 विधायक अगला चुनाव नहीं जीत सके थे। शरद पवार ने कहा कि जो लोग गए, उनकी वजह से पार्टी साफ हो गई है और अब नए लोगों को अवसर मिला है, सभी लोग अपने आपको जनता के बीच जाकर लोगों की सेवा में झोंक दें। उल्लेखनीय है कि राकांपा से अलग हुए उपमुख्यमंत्री बने अजीत पवार ने शुक्रवार को शरद पवार पर ही अपनी भूमिका बदलने और समय पर सही भूमिका न लेने का आरोप लगाया था। शरद पवार ने अजित पवार का नाम लिए बगैर उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

प्रचंड बहुमत से सत्ता में आ रही है भाजपा : पंचारिया

जयपुर (हिंस)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए मतगणना का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। रविवार सुबह आठ बजे से शुरू होने वाली मतगणना को लेकर भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल है। चुनाव परिणाम देखने के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में कई जगहों पर बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई है। वहीं रविवार सुबह मतगणना से पूर्व मोती डूंगरी गणेश मंदिर, खोले के हनुमान जी और आराध्य देव गोविन्द देव जी के मंदिर में प्रसाद भोग लगाकर पूजा अर्चना की जाएगी। चुनाव परिणाम के दौरान भाजपा के सभी प्रमुख नेता कल भाजपा प्रदेश कार्यालय में मौजूद रहेंगे। भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि परिणाम आने के साथ ही भाजपा प्रदेश कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर आतिशबाजी और मिठाइयों का दौर शुरू होगा।

दुलहन की दोस्त को पसंद नहीं था दूल्हा, तो तोड़ दी शादी, फिर कर ली आत्महत्या

चेन्नई। देश भर में इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। इसी बीच तमिलनाडु में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने पहले दूल्हे से शादी करने से इंकार कर दिया। अब शादी से इंकार करने के बाद लड़की ने खुद ही अपनी जान भी दे दी है। जानकारी के मुताबिक तमिलनाडु में एक 20 वर्षीय लड़की ने शादी करने से इसलिए इनकार कर दिया क्योंकि उसके दोस्तों को दूल्हा पसंद नहीं आया था। घटना तमिलनाडु के रानीपेट के गांव की है। इस घटना के चार दिन बाद युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस मामले पर पुलिस ने कहा है कि युवती के माता-पिता ने उसकी शादी 30 वर्षीय चचेरे भाई से करने का फैसला किया था। माता पिता की खुशी के लिए युवती इस शादी के लिए राजी हो गई थी। दोनों की रजामंदी के बाद 29 नवंबर को गांव में ही शादी की तारीख तय की गई थी। इसी बीच शादी से पहले 27 नवंबर को महिला ने अराकोणम ऑल-वुमेन पीएस से संपर्क किया और कहा कि वो शादी नहीं करेगी। महिला ने बताया कि उसके दोस्तों को दूल्हा पसंद नहीं आया है इसलिए वो शादी तोड़ने का फैसला कर रही है। इस कारण वो अपने 10 वर्ष बड़े चचेरे भाई से शादी करने की इच्छुक नहीं है। वहीं पुलिस को जांच में अंदेशा था कि महिला को किसी से प्यार था। इसके बाद भी वो माता-पिता द्वारा चुने गए व्यक्ति से शादी करने को तैयार थी। इसी बीच युवती ने उस व्यक्ति से शादी करने को इंकार कर दिया। और अपने माता-पिता के साथ भी नहीं गई। पुलिस ने सुरक्षा के लिए महिला को सरकारी आवास में रखा। सरकारी आवास में रहने के बाद महिला ने अपने घर लौटने का फैसला किया। घर लौटने के बाद उसने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। युवती के आत्महत्या करने के पीछे का कारण पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पृष्ठ एक का शेष

अहोमों की विरासत ...

योगदान है। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय विधायक बिमल बोरा समेत कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी तथा अहोम समाज के गणमान्य व्यक्ति एवं आम लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वर्गदेवों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने आज असम दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित भी किया। उन्होंने इस दौरान एक स्मारिका का भी लोकार्पण किया।

चाउलुंग सुकाफा का...

से ग्रेटर असम की नींव रखी और सात राजाओं को मिलाकर एक एकल राज्य बनाकर विभिन्न जातीय समूहों को एकजुट किया। स्वर्गदेव चाउलुंग वृहद असमिया राष्ट्र के संस्थापक हैं इसलिए, इस तथ्य को ध्यान में रखना जरूरी है कि देश की वर्तमान स्थिति पिछली स्थिति जैसी नहीं है। अपनी भाषा, संस्कृति, धर्म और रीति-रिवाजों को दूसरों पर थोपने के बजाय विभिन्न जातीय समूहों की भाषा, संस्कृति, धर्म और रीति-रिवाजों को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने सबके विकास के साथ-साथ सुशासन की अनूठी मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास* की नीति से सभी स्तरों पर लोगों का कल्याण किया है। प्रधान मंत्री के मजबूत नेतृत्व में, असम और पूर्वोत्तर में तेरहवीं शताब्दी में चाउलुंग सुकाफा के आदर्शों और कार्यों के अनुरूप विकास और स्थायी शांति का पुनर्जागरण शुरू हो गया है। हमारी सरकार ने ग्रेटर असम की नींव रखकर स्वर्गदेव द्वारा प्रशस्त किए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए सद्भाव और प्रगति के माध्यम से जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को गले लगाया है। उन्होने आगे कहा कि मैंने अपना राजनीतिक जीवन इसी मोरान निर्वाचन क्षेत्र से शुरू किया। मोरान के लोगों के असीम प्यार और आशीर्वाद ने मुझे देश की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आगे कहा कि मोरान के लोगों से मिले सच्चे प्यार, प्रतिक्रिया और सहयोग को वे कभी नहीं भूलेंगे। इसीलिए वे जब भी यहां आते हैं उन्हें राष्ट्र निर्माण की यात्रा में नए जोश के साथ आगे बढ़ने के लिए नया मनोबल और प्रोत्साहन मिलता है। आज के इस कार्यक्रम में राज्य कैबिनेट के मंत्री जोगेन मोहन, मोरान निर्वाचन क्षेत्र के विधायक चक्रधर गोगोई, ताई आहोम युवा परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गणमान्य उपस्थित थे।

किताबें समाज में ...

उन्होंने कहा कि पुस्तकों ने रचनात्मक मन को उजागर कर मानवीय मूल्यों के साथ-साथ ज्ञान-समृद्ध समाज के निर्माण में विशेष भूमिका निभाई है। इसलिए वे सभी से आग्रह करते हैं कि वे रोजमर्रा की जिंदगी में किताबें पढ़ने के आनंद को आदत बनाएं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि पाठकों की पहुंच इस पुस्तक मेले को सफल बनाएगी।

सरकार विदेशी न्यायाधिकरण ...

कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि नामों में मामूली विसंगतियां हो सकती हैं, लेकिन यह फरहाद को विदेशी घोषित करने का एकमात्र आधार नहीं है। उच्च न्यायालय की पीठ ने चिंता व्यक्त की कि कई मामलों में लोगों को कारण बताए बिना या रिकॉर्ड पर दस्तावेजों का उचित विश्लेषण किए बिना विदेशी घोषित कर दिया गया होगा। अदालत ने कहा कि इसी तरह, ट्रिब्यूनल द्वारा विदेशियों को गलत तरीके से भारतीय घोषित किया जा सकता है। एचसी के आदेश में आगे कहा गया है कि गृह विभाग में असम सरकार के सचिव को ऐसे सभी संदर्भों की विभागीय समीक्षा करने के लिए कहा गया है, जिनका उत्तर न्यायाधिकरणों द्वारा कार्यवाही करने वालों को नागरिक घोषित करने के लिए दिया गया था।

भगवान राम किसी ...

सेवा निशन के तत्वाधान में आयोजित रामकथा के शुभारंभ के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके जीवन का सबसे स्वर्णिम क्षण था जब सुप्रीम कोर्ट से राम मंदिर के पक्ष में फैसला आया था। उन्होंने कहा कि जिसके ऊपर भगवान राम की कृपा होती है वह अपने आप ही मंदिर जाने लगता है। भक्ति में डूब जाता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में भी प्रभु राम का बड़ा योगदान रहा है। रामकथा पंडाल में हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार में 27 सालों से चल रही है। इसकी शुरुआत एक झोपड़ी से हुई थी, लेकिन अब यह देश की बड़ी संस्थाओं में से एक है, जो मानव कल्याण के बड़े-बड़े कार्य करती है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद हेलीकाप्टर से शनिवार दोपहर एक बजे निवादा पहुंचे, जहां राज्य के श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. आशीष गौतम, सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल समेत तमाम नेताओं ने उनका स्वागत किया।

एग्जिट पोल के ...

चुनावों के लिए मतदान के बाद आए ज्यादातर एग्जिट पोल में राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा को बढ़त मिलने का अनुमान लगाया गया है। वहीं तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के आगे रहने की संभावना जताई गई है। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में 7 नवंबर और 17 नवंबर को मतदान हुआ था। मध्य प्रदेश में 17 नवंबर, राजस्थान में 25 नवंबर और तेलंगाना को 30 नवंबर को वोट डाले गए थे। मिजोरम में 7 नवंबर को मतदान हुआ था। इन सभी राज्यों में मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

सरकार सभी मुद्दों ...

आज सर्वदलीय बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बुलाई थी। उन्होंने कहा कि बैठक में 23 पार्टियों के 30 नेता शामिल हुए। बैठक में कई सुझाव आए हैं... सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है, लेकिन नियमों को ध्यान में रखते हुए चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले सत्र में भी मणिपुर के विषय पर चर्चा के लिए विपक्ष ने नोटिस दिया था तब हम तैयार थे। हमने राज्यसभा में हमने एडमिट भी किया था। लोकसभा में हमने बार-बार कहा था कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, तृणमूल नेता सुदीप बंद्योपाध्याय, एनसीपी नेता फौजिया खान सहित 30 नेता शामिल हुए। शीतकालीन सत्र में भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 पर विचार किए जाने की संभावना है। सर्वदलीय बैठक के बाद प्रमोद तिवारी ने तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा का बचाव किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि जनता द्वारा चुने गए लोगों की सदस्यता किसी भी समिति द्वारा नहीं छीनी जानी चाहिए। इस पर चर्चा होनी चाहिए। दरअसल, कैश फॉर क्वेरी मामले में लोकसभा की आचार समिति ने महुआ मोइत्रा को निचले सदन से निष्कासित करने की सिफारिश की है।

मध्यस्थता प्रणाली को...

के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। यह देखते हुए कि भारत में मध्यस्थता के क्षेत्र में सेवानिवृत्त न्यायाधीश हावी हैं, उपराष्ट्रपति ने मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ की भावनाओं को दोहराया, जिन्होंने मध्यस्थों की नियुक्ति में विविधता की कमी पर विचार किया था जबकि अन्य योग्य उम्मीदवारों जैसे वकील और शिक्षाविद को नजरअंदाज कर दिया जाता है। सीजेआई ने इस साल की शुरुआत में टिप्पणी की थी कि भारत में मध्यस्थता का स्थान ओल्ड बॉयज क्लब जैसा है। धनखड़ ने आगे जोर देकर कहा कि हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था और विकास की तेज गति के लिए हमारे आत्मनिर्भरता के संकेत के रूप में देश में मजबूत, संरचित मध्यस्थता संस्थानों की आवश्यकता है। धनखड़ ने कहा कि दुनिया में कहीं भी, किसी अन्य देश में, किसी अन्य प्रणाली में, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा मध्यस्थता प्रणाली पर इतना कड़ा नियंत्रण नहीं है, जितना हमारे देश में है। उन्होंने कहा कि सिस्टम को इस पकड़ से मुक्त कर इसे विश्वसनीय और भरोसेमंद बनाने की जरूरत है। धनखड़ ने भारत में मध्यस्थता प्रणाली पर सीजेआई की *साहसिक* टिप्पणियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि आत्मनिरीक्षण किया जाए और आवश्यक बदलाव लाकर आगे बढ़ा जाए, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर कानून भी शामिल हो। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय के सदस्य के रूप में अपने तीन साल के कार्यकाल के बारे में भी बात करते हुए कहा कि भारत अपने समृद्ध मानव संसाधनों के लिए जाना जाता है लेकिन उन्हें मध्यस्थ प्रक्रियाओं पर निर्णय लेने के लिए नहीं चुना जाता है। उन्होंने कहा कि संस्थागत मध्यस्थता तदर्थ तंत्र से बेहतर है, क्योंकि यह निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए एक मजबूत प्रणाली प्रदान करती है। धनखड़ ने यह भी कहा कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है, जहां मध्यस्थता प्रक्रिया को न्यायिक हस्तक्षेप का सामना न करना पड़े। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब विवाद लंबे समय तक चलते हैं तो कानूनी बिरादरी को लाभ होता है। उन्होंने कहा कि यदि विवाद समाधान तंत्र न्यायसंगत और निर्णायक होगा तो विश्व की आर्थिक व्यवस्था अधिक ऊंचाइयों पर जाएगी।

शीतकालीन सत्र : अंग्रेजों ...

प्रोसीजर और एविडेंस एक्ट को पेश किया जाना है, जो औपनिवेशक युग के क्रिमिनल कानूनों को रिप्लेस करेगा। ये तीनों विधेयक प्रस्तावित हैं। आज की मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्षी दलों से कहा कि वे सत्र को सुचारू रुप से चलाने पर विचार करें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार भी अपनी सफलता पर संसद में चर्चा करेगी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि 19 विधेयकों को इस सत्र में पेश किए जाने का प्लान है। उन्होंने बताया कि यह 17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र होगा, जहां पिछले पांच साल के मोदी सरकार के कामों पर चर्चा होगी। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बुलेटिन में कहा गया है कि सरकार एक विधेयक पेश कर सकती है जिससे जम्मू कश्मीर और पुदुचेरी में महिला कोटा को बढ़ाने का प्रावधान किया जाएगा।

अयोध्या : रजिस्टर्ड डाक ...

लंबे संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण कार्य प्रगति पर है। पौष, शुक्ल द्वादशी, विक्रम संवत 2080, सोमवार, 22 जनवरी 2024, गर्भगृह में रामलला के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। हमारी प्रबल इच्छा है कि आप इस पुनीत अवसर पर अयोध्या में उपस्थित रहकर प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने और महान ऐतिहासिक दिन की गरिमा बढ़ाएं। सद्गुरु सदन गोलाघाट के महंत सियाकिशोरी शरण महाराज के एक शिष्य ने रजिस्टर्ड डाक से निमंत्रण पत्र मिलने की पुष्टि की है। निवेदन है कि 21 जनवरी के पूर्व अयोध्या पधारने की योजना बनाएं। जितना शीघ्र अयोध्या आएंगे, उतनी ही आपको सुविधा होगा। विलंब से आने पर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। 23 जनवरी 2024 के बाद ही वापस जाने की योजना बनाएं। इस पत्र पर चम्पत राय के हस्ताक्षर, पत्रांक और 22 नवंबर को पत्र भेजने की तारीख भी अंकित है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों के मुताबिक 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त देशभर में 6000 लोगों को निमंत्रण भेजना है। ऐसे में यह बड़ा काम है। अयोध्या में संत-महंतों को निमंत्रण भेजना शुरू कर दिया गया है। सद्गुरु सदन गोलाघाट के महंत सियाकिशोरी शरण महाराज के एक शिष्य ने रजिस्टर्ड डाक से निमंत्रण पत्र मिलने की पुष्टि की है।

महिला पर दुष्कर्म ...

कोर्ट से तो बुजुर्ग महिला को राहत नहीं मिली, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले की सुनवाई होने जा रही है। सबाल वही है कि क्या महिला पर रेप का आरोप लग सकता है या नहीं ? वैसे इसी साल फरवरी में इलाहाबाद कोर्ट ने एक फैसले में कहा था कि महिला रेप नहीं कर सकती, लेकिन गैंगरेप जैसी वारदात में उसकी किसी भी तरह से मदद रहती है तो 728 के संशोधित प्रावधानों के तहत मुकदमा चल सकता है।

मोदी सरकार में ...

नेताओं को निश्चित रूप से मार्गदर्शन देने वाली सिद्ध होगी। रूपायतन संस्था लगभग 75 साल से सामाजिक जीवन के विभिन्न आयामों पर बहुत अच्छा काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अगर कोई 100 सालों के बाद भी याद करता है तो इसका अर्थ है कि उस व्यक्ति का जीवन सार्थक रहा है। दिव्यकांत लगातार दो बार विधायक बने और गुजरात के कानून और न्याय मंत्री भी रहे। उन्होंने ना सिर्फ जूनागढ़ बल्कि गुजरात के सार्वजनिक जीवन में भी अनेक प्रकार के योगदान दिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भक्ति साहित्य की श्रेष्ठतम विभूति नरसिंह मेहता ने अपना पूरा जीवन साहित्य को समर्पित कर दिया और उनके जैसा उत्कृष्ट साहित्यकार मिलना असंभव है। नरसिंह मेहता ने वेदों और उपनिषदों का सारा रहस्य, संक्षिप्त तरीके से और आसान भाषा में लोगों के सामने रखा। उस जमाने में अस्पृश्यता का विरोध करने की हिम्मत सिर्फ नरसिंह मेहता ही कर सकते थे। अगर सामाजिक न्याय के बारे में जानना है तो एक बार नरसिंह मेहता को समझना होगा। उन्होंने कहा कि नरसिंह मेहता की इस पावन भूमि पर रूपायतन संस्था ने इस भूमि के पुत्र दिव्यकांत की स्मृति में पुस्तक प्रकाशित की है, जो निश्चित रूप से जूनागढ़ और गुजरात के सार्वजनिक जीवन में काम करने वाले लोगो के लिए एक प्रेरणा बनेगी।

लोस चुनाव 2024 ...

में नया चेहरा ढूंढना होगा। भाजपा पहले से ही पंजाब में बिना किसी सहयोगी के कड़ी चुनौती का सामना कर रही है और नए चेहरे की तलाश कर रही है। इसी तरह किरण खेर की भी तबीयत पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही है और भाजपा को चंडीगढ़ में भी नए चेहरे की जरूरत होगी। इस सिलसिले में हिंदी सिने जगत ऑफ इस बार मथुरा से रिकॉर्ड के लोकप्रिय सितारे अक्षय कंगना रनौत और माधुरी दीक्षित का नाम सामने आ रहा है। अक्षय कुमार प्रधानमंत्री मोदी के करीबी रहे हैं और 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले पी.एम. का इंटरव्यू लेने के लिए एंकर भी बने थे। कहा जा रहा है कि उन्हें दिल्ली की चांदनी चौक सीट से मैदान में उतारा जा सकता है। कंगना रनौत पहले ही राजनीति में आने की इच्छा जता चुकी हैं और उन्हें मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस की प्रतिभा सिह के खिलाफ खड़ा किया जा सकता है। माधुरी दीक्षित को भी मुंबई उत्तर या मथुरा से मैदान में उतारा जा सकता है। 3 भोजपुरी अभिनेता-लॉकेट चटर्जी (पश्चिम बंगाल) और कन्नड़ फिल्म स्टार सुमन लता (कर्नाटक) के अलावा मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव पहले से ही भाजपा सांसद हैं। भाजपा दक्षिण के कुछ फिल्मी सितारों को भी चाहती है। हरियाणा से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए क्रिकेट स्टार वीरेंद्र सहवाग का नाम भी चर्चा में है।

मणिपुर : लोगों के समर्थन से यूएनएलएफ से शांति समझौता संभव : मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह

इंफाल (हिंस)। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि यूएनएलएफ के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करना मणिपुर के लोगों के समर्थन, सहयोग और प्रोत्साहन से ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री आज इंफाल के कांगला में भारत सरकार और मणिपुर सरकार के साथ शांति समझौते पर हुए हस्ताक्षर के आलोक में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए, जिसमें यूएनएलएफ कैडरों के परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया, मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन बहुत कीमती है और हमने कई लोगों की जानें गंवाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और सलाह के तहत शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में लगभग तीन साल लग गए। एन बीरेन सिंह ने शांति के लिए केंद्र सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए यूएनएलएफ के नेताओं, केंद्रीय समिति, कैडरों और एमपीए के प्रति भी आभार व्यक्त

किया। क्षेत्र के सभी संगठनों से शांति प्रक्रिया में शामिल होने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे शांति प्रक्रिया में शामिल होने के इच्छुक किसी भी संगठन को गले लगाने के लिए तैयार हैं। एन बीरेन सिंह ने उचित सत्यापन के बिना सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना फैलाने के खिलाफ भी अपील की, जिससे समाज में शांति भंग हो सकती है। एन बीरेन सिंह ने राज्य के लोगों से एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम लंबे समय से विभाजित होकर रह रहे हैं और विभाजन के कारण कई कीमती जिंदगियां खोई हैं। आइए हम बलिदान देना सीखें। लोगों से माफ करने और भूल जाने के अपने पहले के आह्वान को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा।

उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोगों को अफ्स्पा हटाने और मणिपुर में आईएलपी लागू करने में पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र के कार्यों को सभी को स्वीकार करना चाहिए। शांति समझौते के बारे में बोलते हुए एन बीरेन सिंह ने लोगों से एक-दूसरे को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में एक साथ रहने वाले किसी भी समुदाय के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी समुदायों की रक्षा करने की कोशिश कर रही है। समारोह में यूएनएलएफ के कैडरों का भी स्वागत किया गया और शांति, आशा और विकास का संदेश लेकर कबूतर उड़ाए गए। समारोह में मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह, कैबिनेट मंत्री, विधायक, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, सेना, नागरिक और पुलिस अधिकारी, यूएनएलएफ के कार्यवाहक अध्यक्ष मोइरांगथेमनोंगई, महासचिव चाबुंगबाम थानिल, बुद्धिजीवी तथा अन्य प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

गोलाघाट (हिंस)। जिले में आज हुए एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना उस समय हुई, जब काजीरंगा के दिरिंग चरिआली पार कर रही एक बाइक को अज्ञात वाहन ने आकर जोरदार ठोकर मार दी। बाइक पर सवार दोनों लोग इस ठोकर से गिर गए। ठोकर मारने के बाद चालक गाड़ी को लेकर वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस ने दोनों घायलों को उठाया। एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। जबकि, दूसरे घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मृतक की पहचान किशोर नाथ के रूप में की गई है।

मेघालय की राजधानी शिलांग में लगी भयावह आग

शिलांग (हिंस)। मेघालय की राजधानी शिलांग के गाड़ीखाना में लगी भयावह आग में लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह आग शिलांग के गाड़ीखाना में मैजिक कुक फ्लोर मिल में कल देर रात आग लगी। पुलिस के अनुसार, आग देर रात को लगी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। आग की सूचना पाकर पहुंची अग्निशमन विभाग की गाड़ियों के साथ विभाग की टीम ने काफी मशक्कत करके आग पर काबू पा लिया।

न किसी को फंसाएंगे, ना किसी को बचाएंगे : डीजीपी

नलबाड़ी (हिंस)। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा है कि पुलिस न तो किसी को फंसाना चाहती है और न ही किसी को बचाना चाहती है। उन्होंने आज स्पष्ट किया कि यदि कोई गलत करता है तो पुलिस उसे छोड़ेगी नहीं। डीजीपी आज नलबाड़ी थाना का इंस्पेक्शन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि असम पुलिस का विजिलेंस और एंटी करप्शन विंग हर किसी भ्रष्ट एवं घुसखोर पदाधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि यदि कोई रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा जाता है तो उसके बाद उसे सीधे ही सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि इस वर्ष इस तरह के मामले में 50 से अधिक लोगों को सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि व्यापक पैमाने पर विजिलेंस विभाग का फोन नंबर प्रचारित किया गया है। लोगों से लगातार अपील की जा रही है कि वे रिश्वत मांगने वालों के खिलाफ सीधे कंप्लेंट करें। एक प्रश्न के उत्तर में डीजीपी ने कहा कि असम के सभी 334 पुलिस थानों के इंस्पेक्शन का काम चल रहा है। चरणबद्ध तरीके से राज्य की सभी पुलिस चौकियों को थाने में रूपांतरित किया जाएगा। इसके लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश से पुलिस सुधार की दिशा में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

पार्टी टिकट देगी तो नगांव से चुनाव लड़ेंगे : रकीबुल हुसैन

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के पूर्व मंत्री तथा असम विधानसभा में कांग्रेस के उप नेता रकीबुल हुसैन ने कहा है कि यदि पार्टी उन्हें टिकट देती है और जनता का समर्थन मिलता है तो वे नगांव लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आज मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि नगांव जिले के सामागुड़ी से वे पांच बार लगातार विधायक चुने जा चुके हैं। ऐसे में उनकी दावेदारी तो निश्चित रूप से ही नगांव लोकसभा सीट के लिए बनती है। उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी निर्णय लेगी, वह उन्हें स्वीकार होगा। उल्लेखनीय है कि नगांव सीट से कांग्रेस के वर्तमान सांसद प्रद्युत बरदलै के अलावा सांसद गौरव गोगोई भी चुनाव लड़ने के लिए कमर कस रहे हैं। अब इस सीट से रकीबुल हुसैन द्वारा की जा रही दावेदारी से कांग्रेस की अंदरूनी मुश्किलें बढ़ सकती है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में रकीबुल हुसैन ने कहा कि असम लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले की जांच न्यायालय के आदेश से फिर से शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि इस घोटाले को दबाने की भरपूर चेष्टा की गई है, लेकिन इसमें पकड़े गए लोगों ने न्यायालय से गुहार लगाई कि एक ही घोटाले में शामिल अन्य अभियुक्त कैसे कानून की गिरफ्त से बाहर रह सकते हैं। इसी पर न्यायालय ने फिर से इसकी जांच शुरू करवाई है।

भूपेन बोरा मुख्यमंत्री के पेड सर्वेंट : सांसद अजमल

गुवाहाटी (हिंस)। एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने आरोप लगाया है कि असम प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के पेड सर्वेंट हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेन बोरा को जो बोलने के लिए कहते हैं, भूपेन बोरा वही बोलते हैं। अजमल ने आरोप लगाया कि भूपेन बोरा राजनीतिक व्यक्ति ही नहीं हैं। उन्हें राजनीति की कोई जानकारी नहीं है। एक प्रश्न के उत्तर में अजमल ने आज मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जहां-जहां एआईयूडीएफ का अपना उम्मीदवार नहीं है, वहां-वहां कांग्रेस उम्मीदवारों का उनकी पार्टी समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यदि राज्य में कहीं एक सीट भी जीतेगी तो वह एआईयूडीएफ के वोट के बदौलत ही जीत पाएगी। उन्होंने कहा

कि कांग्रेस का कोई जमीनी आधार नहीं है। इसके नेता आपस में ही एक दूसरे से लड़ रहे हैं। उन्होंने एक सीधे सवाल के उत्तर में कहा कि काजीरंगा से यदि कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा चुनाव लड़ते हैं तो एआईयूडीएफ उनका समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने वोटरों से कह दिया है कि जहां एआईयूडीएफ का उम्मीदवार नहीं है, वहां कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट दें। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस लगातार एआईयूडीएफ के साथ किसी भी तरह का चुनावी तालमेल नहीं करने की बात कहती रही है। खासकर कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा यहां तक कहते हैं कि उनके कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए एआईयूडीएफ से कोई चुनावी गठबंधन नहीं हो सकता है। लेकिन, अजमल ने खुले तौर पर आज एकतरफा समर्थन कांग्रेस को देने की घोषणा करके राज्य की राजनीति को एक नया मोड़ दे दिया है।

अजमल समर्थन देंगे तो चुनाव नहीं लड़ेंगे : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा है कि मौलाना बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ यदि उन्हें काजीरंगा सीट पर समर्थन देगी तो वे चुनाव नहीं भी लड़ सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आज असम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस को किसी के भी समर्थन की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसे हर जाति, धर्म, संप्रदाय आदि के लोगों का समर्थन शुरू से ही प्राप्त है। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आने वाले हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एग्जिट पोल को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल में कांग्रेस को चार राज्यों में विजय होते हुए दिखाई गई है। उनका अपना रिपोर्ट भी यही कहता है कि कांग्रेस कम से कम पांच में से चार राज्यों में चुनाव जीतेगी।

बीवीएफसीएल के ड्रोन डेमो ने किसानों के बीच तकनीकी जागरूकता फैलाई

पूर्वोत्तर में विकसित भारत संकल्प यात्रा का सकारात्मक असर

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर राज्यों में एक अभूतपूर्व यात्रा में, विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) तकनीकी और नवीन परिवर्तन का अग्रदूत बन गई है। ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर्स कॉरपोरेशन लि. (बीवीएफसीएल) ने नैनो यूरिया छिड़काव के लिए ड्रोन डेमो के साथ कृषि के भविष्य को प्रदर्शित करते हुए इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। असम, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के समुदायों ने जीवंत पारंपरिक लोक नृत्यों के माध्यम से खुशी व्यक्त करते हुए वीबीएसवाई का खुले दिल से स्वागत किया है। प्रौद्योगिकी और संस्कृति के मिश्रण वाली इस यात्रा ने क्षेत्र के विविध समुदायों में उत्साह जगाया है। नैनो यूरिया के सटीक अनुप्रयोग की विशेषता वाला बीवीएफसीएल का ड्रोन डेमो कृषि में नवाचार के प्रतीक के रूप में उभरा है। हवाई प्रदर्शन ने न केवल ग्रामीणों का ध्यान खींचा, बल्कि टिकाऊ और कुशल कृषि पद्धतियों के प्रति प्रतिबद्धता को भी उजागर किया। जैसे-जैसे यात्रा आगे

बढ़ी, विभिन्न समुदायों ने पारंपरिक लोक नृत्यों के माध्यम से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करते हुए सक्रिय रूप से भाग लिया। उत्तर पूर्वी राज्यों में खुशी की लयबद्ध अभिव्यक्तियां गूंज उठीं, जो इस क्षेत्र की विशेषता वाली विविधता में एकता पर जोर देती हैं। प्रौद्योगिकी, कृषि और सांस्कृतिक उत्सव का एकीकरण वीबीएसवाई के समग्र दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। इसका उद्देश्य न केवल उन्नत कृषि तकनीकों को पेश करना है, बल्कि प्रत्येक समुदाय की विशिष्ट पहचान को अपनाना और उसका जश्न मनाना भी है। वीबीएसवाई की सफलता स्थानीय समुदायों की उत्साही भागीदारी से और बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र की प्रगति में सामूहिक गौरव की भावना पैदा हुई है। बीवीएफसीएल के ड्रोन डेमो के साथ यह यात्रा असम, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के कृषि परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ रही है। विकसित भारत की ओर इस यात्रा में, जहां तकनीकी प्रगति और पारंपरिक मूल्य एक साथ आते हैं, वीबीएसवाई उत्तर पूर्वी राज्यों में प्रगति, नवाचार और सांस्कृतिक सद्भाव के बीज बो रहा है।

कुछ ट्रेनों के ठहराव बंगाईगांव में स्थानांतरित किए गए

गुवाहाटी (हिंस)। रंगिया मंडल के अंतर्गत न्यू बंगाईगांव स्टेशन में बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए यात्री प्लेटफार्म संख्या एक में प्रस्तावित पुनर्निर्माण के कारण, कुछ ट्रेनों के मौजूदा ठहराव को अस्थायी आधार पर निकटवर्ती स्टेशन बंगाईगांव में डायवर्ट करना आवश्यक हो गया है। बंगाईगांव में उन ट्रेनों की सूची प्रस्तावित अस्थायी आगमन और प्रस्थान समय के साथ विभिन्न माध्यमों पर जारी की गई है।

मणिपुर पुलिस ने 335 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के इंफाल वेस्ट, थौबल तथा बिष्णुपुर जिलों में उल्लंघन के सिलसिले में 335 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ एनएच-37 पर 288 तथा एनएच -2 पर 293 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 141 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई है।

एसएसबी ने जब्त की अवैध भूटानी शराब

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीगुली के कमांडिंग अधिकारी के मार्गदर्शन में सीमा चौकी दादगिरी के एक टीम ने अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या 169 / 5 के नजदीक चेकिंग के दौरान भूटानी शराब जब्त की। शराब की जब्ती तब की गई, जब भूटान से भारत की ओर लाी जा रही थी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एसएस 26एफ 3844 नंबर की कार में लादकर अवैध शराक को लाई जा रही थी। इस बीच एसएसबी के जवानों ने कार की चेकिंग की और शराब को ज्बत कर अपने कब्जे में ले लिया। शराब जब्त के दौरान उक्त शराब की दस्तावेज की मांग की गई, जो कार चालक किसी भी प्रकार की दस्तावेज नहीं दिखा पाई। कार चालक की पहचान मंजीत अधिकाीर (34) के रूप में की गई है। जो ग्राम-हातीसार पोस्ट- देवश्री, पुलिस स्टेशन-रुनीखाता, जिला-चिराग के रहने वाला है। दूसरी ओर एस एस 19 एस 2700 नंबर की इरटीगा कार से भी भूटानी शराब बरामद की गई है। साथ ही एक व्यक्ति को कार से पकड़ लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति के पास कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाया गया। जिसकी पहचान, विशाल कर्मकार (32) के रूप में की गई है। ग्राम-हातीसार, पोस्ट देवश्री पुलिस स्टेशन रुनीखाता, जिला-चिराग का रहने वाला बताया जाता है। जब्त की गई अवैध शराब व गाड़ी सहित दोनो व्यक्तियों को भूमि कस्टम ऑफिस हातीसार को सौंप दी गई है।

आजू के संस्थापक अध्यक्ष सुबेश चंद्र बरठाकुर की याद में स्मरण समारोह आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। गोहपुर महकमा पत्रकार संस्था (आजू) ने अखिल असम पत्रकार संघ के संस्थापक अध्यक्ष सुबेश चंद्र बरठाकुर की उपलब्धियों को स्मरण में और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की गति -प्रगति के संदर्भ में संवाद करने के लिए एक कल समारोह का आयोजन किया। गोहपुर नगरपालिका के सभागार में कल वरिष्ठ पत्रकार सुबेश चंद्र बरठाकुर स्मृति व्याख्यान दिया गया। अखिल असम पत्रकार संस्था के अध्यक्ष पंकज कुमार नाथ के अध्यक्षता में आयोजित व्याख्यान का शीर्षक पत्रकारिता तब और अब: चुनौतियां, परिवर्तन और संभावनाएं में मुख्य वक्ता असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के पूर्व प्रेस सलाहकार, विशिष्ट लेखक तथा असम शिशु साहित्य न्यास के सचिव हृषिकेश गोस्वामी ने कहा पत्रकार किसी समाज की आंख, कान, विवेक और आवाज होते हैं। पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे अन्याय, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाएं। व्याख्यान का संचालन गोहपुर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष पल्लर बोरा ने किया। उन्होंने कहा कि अगर पत्रकार सच्चे मूल्यों को जी सकेंगे तभी स्वस्थ समाज के निर्माण पर

सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। व्याख्यान की शुरुआत ज्ञान भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र भाग्यश्री बोरा द्वारा प्रस्तुत बरगीत से हुई। उक्त व्याख्यान में हृषिकेश गोस्वामी ने कहा कि यदि पत्रकार जिम्मेदार और जागरूक नहीं हैं, तो ऐसे पत्रकारों को समाज द्वारा खारिज कर दिया जाएगा। आज के समाज में कुछ पोर्टल पत्रकारों ने बिना सोचे-समझे खबरें प्रकाशित कर मीडिया की विश्वसनीयता को कम कर दिया है। ज्योति प्रसाद अग्रवाल द्वारा 1932 में भोलगुरी चाय बागान के चित्रबन स्टूडियो में जयमती सिनेमा निर्माण करने और माफिया काले धन के लालसा में फिल्में बनाने के बीच एक बड़ा अंतर है, ठीक उसी प्रकार लंबे अनुभव और एक ही रात में पत्रकार होने के बीच भी एक ही अंतर है कहकर हृषिकेश गोस्वामी ने कहा। सर्वप्रथम स्वर्गीय सुरेश चंद्र बरठाकुर की पत्नी और सेवानिवृत्त शिक्षक लिली बारठाकुर ने सुरेशचन्द्र बरठाकुर के चित्र के समीप दीप प्रज्ज्वलित कर स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें कार्यक्रम का उद्बोधन भाषण बिश्वनाथ जिले के अतिरिक्त आयुक्त व गोहपुर महकमा के प्रभारी महकमाधिपति लुकुमानी बोरा ने किया। उद्बोधन भाषण में महकमाधिपति ने कहा कि एक सफल पत्रकार बनने के लिए, आपको सूचना एकत्र करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। लुकुमानी बोरा ने आग्रह किया पत्रकारों की नई पीढ़ी हर विषय के अध्ययन पर ध्यान दे। समाज को आकार देने में प्रशासन और मीडिया के बीच रहने की जरूरत है। इस कार्यक्रम में गोहपुर राजस्व चक्र के राजस्व चक्र अधिकारी मनीष भराली,छदुवार कॉलेज के प्राचार्य डॉ. किशोर सिंह राजपुत, पत्रकार नगेन कौर, नगेन शैकिया, नबेन बोरा, बातन भुइयां, दुर्गा पौडेल, बनजीत शैकिया, मिंटू हेम्बम, निरंजन हजारिका और बसंत बीरा न, जगतार सिंह। अतिथियों का स्वागत गोहपुर महकमा पत्रकार संघ के पदाधिकारी दीपन दिहिंगिया, रमेन बोरा और नितुल बोरा ने किया। इस मौके पर सांस्कृतिक कर्मी लीना शैकिया बोरा, यादव चालिहा, शिक्षक अमरेंद्र कलिता, परिक्षी राजखोरा, नामांजली बरुवा, सामाजिक कार्यकर्ता सिद्धेश्वर हजारिका, शंकरलाल अग्रवाल और अन्य विभिन्न दल - संगठन ने हृषिकेश गोस्वामी को को सम्मानित किया गया।

विकसित भारत का संकल्प मात्र शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों गरीबों का जीवन स्तर सुधारने का पुनीत विचार है: अमित शाह

-विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्र शाह

जूनागढ़, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के गिर सोमनाथ में विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि भारत को हर क्षेत्र में विकसित, सर्वप्रथम और आत्मनिर्भर सिर्फ 130 करोड़ भारतीय बना सकते हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह यात्रा देश के हर क्षेत्र में जाएगी। हम सबने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, वह शब्द मात्र नहीं, बल्कि देश के करोड़ों गरीबों को सबके बराबर लाने का पुनीत विचार है। इसमें हमें सबके संकल्प के बल को जोड़ना है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके तीन उद्देश्य देशवासियों के सामने रखे थे। पहला, आजादी की लड़ाई के दौरान जाने-अनजाने सभी बलिदानियों को याद करना और युवा पीढ़ी को आजादी के इतिहास के साथ जोड़ना। दूसरा उद्देश्य था, पिछले 75 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर गौरव करना और उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना। तीसरा उद्देश्य था, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखना और उस पर गौरवान्वित महसूस करना। शाह ने कहा कि आजादी के 75 सालों में एक विकसित भारत का संकल्प लेकर 75 से 100 साल तक के 25 सालों की यात्रा में सबके सामूहिक प्रयासों से भारत को विश्व में सर्वप्रथम बनाने का संकल्प लेना भी आजादी के अमृत महोत्सव का एक उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि इस संकल्प की सिद्धि के लिए प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की कल्पना की है, जो देश की हर पंचायत तक जाएगी और मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जागरूकता और उनका लाभ सभी तक पहुँचाने का काम करेगी।

करोड़ों लोगों को मूलभूत सुविधाएं दीं – शाह ने कहा कि वर्ष 2014 तक देश में करोड़ों लोग ऐसे थे जिनके पास घर,गैस कनेक्शन, शौचालय, पीने का पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं तक नहीं थीं और इन करोड़ों लोगों को हर सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ता था। 2014 में नरेन्द्र मोदी की सरकार ने संकल्प किया कि हर घर में बैंक खाता, गैस कनेक्शन, शौचालय, नल से जल होगा और हर व्यक्ति के स्वास्थ्य का 5 लाख रुपए तक का खर्च सरकार उठाएगी। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के करोड़ों लोगों को प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज मुफ्त दिया और इन करोड़ों लोगों को मूलभूत सुविधाएं देकर इनके जीवन को बदलने की शुरूआत की। सिर्फ बैंक खाता खुलने से कई तरह के फायदे हुए और अब देश के किसानों के खाते में सालाना 6 हजार रुपए केन्द्र सरकार द्वारा जमा कर दिए जाते हैं।

गुजरात सरकार जनता तक पहुंचाई योजनाएं – केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सभी जनकल्याणकारी योजनाओ को हर व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने 5 लाख रुपए तक का आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड दिया, जिसे गुजरात सरकार ने 10 लाख रुपए तक कर दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनके सपनों के भारत का निर्माण करना हमारी जिम्मेदारी है और इसे हमें अपने संकल्पबल से पूरा करना है।

राष्ट्रपति 11 दिसम्बर को डिवाईन हार्ट हास्पिटल के नए परिसर की रखेंगी आधारशिला

लखनऊ, (हि.स.)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 11 दिसम्बर को लखनऊ में डिवाइन हार्ट हास्पिटल के नए परिसर की आधारशिला रखेंगी और अस्पताल के अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगी। इस अवसर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु होंगे विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। डिवाइन समूह के मीडिया विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अशोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा स्थापित डिवाइन हर्ट फाउंडेशन इस वर्ष अपनी 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर 11 दिसम्बर को लखनऊ में कार्यक्रम रखा गया है। इस बारे में डिवाइन समूह के संस्थापक और विश्व के प्रख्यात हृदय शल्य चिकित्सक डॉक्टर अशोक श्रीवास्तव अब तक 20000 से अधिक ओपन हार्ट सर्जरी और हृदय के अन्य सर्जरी कर चुके हैं। प्रो

श्रीवास्तव बताते हैं कि सभी प्राणियों का जीवन हृदय स्पंदन पर निर्भर है। हृदय ही जीवन का वह केंद्र है जिसे विधाता ने अद्भुत ढंग से निर्मित किया है। यह न कभी थकता है और न रुकता है। इसमें आने वाली रुकावट ही चिकित्साजगत के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहती है। 71 वर्षीय प्रो अशोक श्रीवास्तव ने ओपन हार्ट सर्जरी में विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रो श्रीवास्तव उस विशेष टीम का भी हिस्सा रहे हैं जिसने पहली बार भारत में कृत्रिम हार्ट वाल्व का निर्माण किया। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान ,लखनऊ के हृदय रोग विभाग में लंबी सेवा के बाद उन्होंने समय से काफी पहले ही वहां से अवकाश लेकर बड़ी परिश्रम से लखनऊ के गोमतीनगर में हृदय चिकित्सा केंद्र का आरंभ किया। यह सोचने वाली बात है कि संसाधनों के अभाव में एक चिकित्सा शिक्षक होकर उन्होंने पहली अत्यंत सफल सर्जरी अपने आवास के बेसमेंट में एक अस्थाई ऑपरेशन थियेटर बना कर किया। उनके इस आवास या कहें कि हृदय रोग चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन तत्कालीन राज्यपाल आचार्य विष्णुकांत शास्त्री ने किया था। उसके बाद प्रो. श्रीवास्तव ने अथक परिश्रम से डिवाइन अस्पताल की नींव डाली और उसे पूरा किया जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जैसी विभूतियों के हाथों संपन्न हुआ। प्रो अशोक कुमार श्रीवास्तव मूलतः गाजीपुर जिले के अगस्ता गांव के रहने वाले हैं। हृदय चिकित्सा में उनका नाम दुनिया के चुनिंदा चिकित्सकों में शुमार है।

आदित्य-एल1 मिशन के सौर पवन कण प्रयोग पेलोड के दूसरे उपकरण ने काम करना किया शुरू

नई दिल्ली, (हि.स.)। सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित वेधशाला आदित्य-एल1 के सौर पवन कण प्रयोग पेलोड के दूसरे उपकरण ने काम करना शुरू कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर यह जानकारी साझा की। इसमें कहा गया है कि सौर पवन आयन स्पेक्ट्रोमीटर (एसडब्ल्यूआईएस), सौर पवन कण प्रयोग (एएसपीईएक्स) पेलोड में लगा दूसरा उपकरण अब चालू हो गया है। पिछले दो दिनों में हिस्टोग्राम एसडब्ल्यूआईएस द्वारा कैप्चर किए गए प्रोटॉन और अल्फा कण गणना में ऊर्जा भिन्नता को दशार्ता है। हाल ही में इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा था कि सूर्य का अध्ययन करने से जुड़े भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन

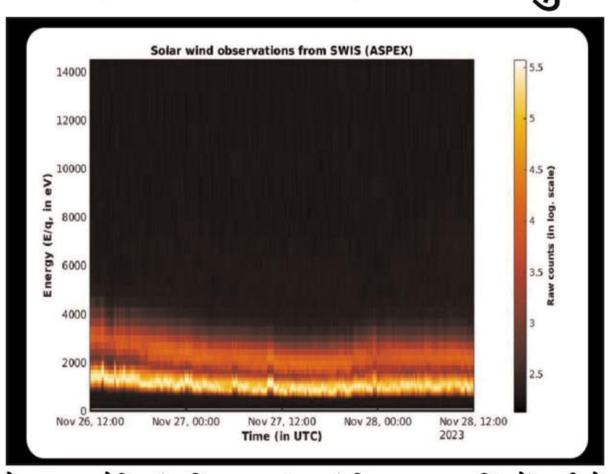

के तहत प्रक्षेपित 'आदित्य एल1' अंतरिक्ष यान अपने अंतिम चरण के करीब है और एल1 बिंदु में प्रवेश करने की प्रक्रिया सात जनवरी, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है। अंतरिक्ष यान 125 दिन में पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर की यात्रा करने के बाद लैग्रेंजियन बिंदु एल1 के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित होगा।

पाकिस्तान ने ड्रोन से भारतीय सीमा में गिराए हथियार, बीएसएफ ने किया बरामद

चंडीगढ़, (हि.स.)। पाकिस्तान द्वारा जहां ड्रोन के जरिए आए दिन नशीले पदार्थ भारतीय सीमा में गिराए जा रहे हैं वहीं बीती रात पाकिस्तान ने ड्रोन की मदद से भारतीय सीमा में हथियार भी गिराए हैं। बीएसएफ ने हथियार व ड्रोन को बरामद करके पाकिस्तानी मंसूबों को विफल बना दिया। आशंक जताई जा रही है कि इन हथियारों का इस्तेमाल पंजाब में टारगेट कीलिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देने के लिए किया जाना था। बीएसएफ के अनुसार यह बरामदगी तरनतारन के अंतर्गत आते गांव खालड़ा से की गई है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि रात के समय जवानों को ड्रोन गतिविधि देखने को मिली। जिसके बाद इलाके में सर्च अभियान चलाया। जवानों ने पहले इलाके में छोटा क्वार्डकॉप्टर डीजेआई माविक 3 ड्रोन बरामद किया। इसके बाद भी जवानों

ने अपना सर्च अभियान जारी रखा। सर्च के दौरान जवानों को एक पीले रंग का पैकेट मिला। इस पैकेट को खोलकर जब जांच की गई तो इसमें से दो पिस्टल मिली। यह ऑस्ट्रिया मेड अत्याधुनिक ग्लॉक पिस्टल थी। विशेषज्ञों ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया है कि इस पिस्टल का इस्तेमाल अक्सर टारगेट किलिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देने के लिए किया जाता है। बीएसएफ ने बरामद हथियार व ड्रोन को जांच के लिए एफएसएल के हवाले कर दिया है।

मप्र में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी भाजपा : सिंधिया

ग्वालियर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे रविवार को सामने आएंगे। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। इस बीच शनिवार को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि भाजपा मध्य प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। रविवार को मतों की गणना होगी, बस 24 घंटे इंतजार करें, नतीजे हमारे सामने होंगे। सिंधिया शनिवार को ग्वालियर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का दो दिवसीय ग्वालियर प्रवास बहुत ही ऊर्जा देने वाला था। वे कल पूरे दिन सपरिवार ग्वालियर में उपस्थित थे और हम लोगों की चर्चा भी हुई। उन्होंने मां पीतांबरा के साथ ही धूमावती मैया के भी दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने शनिवार को दिल्ली

के लिए प्रस्थान किया। सिंधिया ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि कल की मतगणना में भगवान का आशीर्वाद मिलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा, गृहमंत्री अमित शाह के निर्देशन और अध्यक्ष के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि अगले डेढ़ माह में देश में करीब आठ एयरपोर्ट हम तैयार कर रहे हैं, जिसमें ग्वालियर, जबलपुर, अयोध्या, पुणे, कोल्हापुर और तिरुचिपल्ली हैं। इसके साथ ही आठ हवाई अड्डे और टर्मिनल्स हमारे तैयार हो जाएंगे और उन्हें स्वयं प्रधानमंत्री देश को समर्पित करेंगे। गौरतलब है कि नड्डा शुक्रवार को ग्वालियर आए थे। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह भी ग्वालियर में थे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा देर शाम दतिया पहुंचे और वहां पर मां पीतांबरा के दर्शन किए।

अनुराग ठाकुर ने कहा-राजस्थान में बनेगी भाजपा की सरकार, कांग्रेस के कुशासन से मिलेगी मुक्ति

जयपुर, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना और प्रसारणमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। राज्य के लोगों को कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने यहां एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा में यह बात कही। ठाकुर शनिवार को राजस्थान के एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे। वो जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से अजमेर के लिए रवाना हो गए। वे मेयो कॉलेज के स्पोर्टस डे इनोग्रेशन में शामिल होने के लिए आए हैं। केन्द्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और कल केवल नतीजे आने बाकी हैं। मतगणना में साफ हो जाएगा कि मतदाताओं ने कांग्रेस सरकार के कुशासन को खत्म कर दिया है। जनता का इंतजार खत्म होगा और

प्रदेशवासियों को गहलोत सरकार के कुशासन से मुक्ति मिल जाएगी। जनता ने कमल खिलाने के लिए भाजपा को आशीर्वाद दिया है। आमजन को एक दिन का इंतजार करना होगा, उसके बाद उन्हें गहलोत सरकार के कुशासन से मुक्ति मिल जाएगी। ठाकुर ने कहा कि दावे और झूठे वादे कांग्रेस की पुरानी आदत है। पांच साल पहले भी राहुल गांधी ने राजस्थान की जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन वे केवल वादे ही रहे। कांग्रेस के सारे वादे खोखले साबित होते हैं। कांग्रेस का चेहरा राजस्थान समेत पांचों राज्यों में बेनकाब हो चुका है। जनता ने चुनाव में कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ वोट दिया है। कांग्रेस का करंट पूरी तरह खत्म हो चुका है।

आबकारी घोटाला: ईडी ने संजय सिंह के खिलाफ दाखिल की पूरक चार्जशीट

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट में पूरक चार्जशीट दाखिल की। पूरक चार्जशीट में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को आरोपित बनाया गया है। ईडी ने स्पेशल जज एमके नागपाल के कोर्ट में पूरक चार्जशीट दाखिल की। संजय सिंह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने उन पर सरकारी गवाह बने दिनेश अरोड़ा से अपने सहयोगियों के जरिए दो करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। ईडी के मुताबिक दो करोड़ का लेनदेन दो किश्तों में किया गया। यह लेनदेन संजय सिंह के घर पर हुआ। इसकी पुष्टि दिनेश अरोड़ा ने की थी। ईडी के मुताबिक सर्वेश को संजय सिंह के घर पर पैसा दिया गया। जो कि संजय सिंह का कर्मचारी है। दिनेश अरोड़ा ने इसकी पुष्टि की है। ईडी ने संजय सिंह को 04 अक्टूबर को उनके सरकारी आवास पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। संजय सिंह ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। जमानत याचिका पर राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी किया है। इस मामले में दिल्ली सरकार के पूर्व मनीष सिसोदिया भी आरोपित हैं और वो न्यायिक हिरासत में हैं।

सर्वदलीय बैठक में बसपा ने सरकार से की जातीय जनगणना कराने की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। संसद में चार दिसम्बर से शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है। इससे पहले सभी दलों की बैठक दिल्ली में हुई है। इस दौरान बसपा ने केंद्र सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग की। इसको लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर लिखा है कि आगामी चार दिसम्बर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से पहले शनिवार को सर्वदलीय बैठक में बीएसपी द्वारा सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग पुनः की गयी। उन्होंने कहा कि अब जबकि इसकी मांग देश के कोने-कोने से उठ रही है तो केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में अविलम्ब सकारात्मक कदम उठाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था से त्रस्त व जातिवादी शोषण-अत्याचार से पीड़ित देश के लोगों में जातीय जनगणना के प्रति जो अभूतपूर्व रुचि है।

वह भाजपा की नींद उड़ाए है तथा कांग्रेस अपने अपराधों पर पर्दा डालने में व्यस्त है। वैसे विभिन्न राज्य सरकारें 'सामाजिक न्याय' की दुहाई देकर आधे-अधूरे मन से जातीय जनगणना कराकर जनभावना को काफी हद तक साधने का प्रयास कर रही हैं। किन्तु इसका सही समाधान तभी संभव है जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर सही जातीय जनगणना कराकर लोगों को उनका हक देना सुनिश्चित करेगी।

मध्यस्थता प्रणाली को 'कड़ी मुट्ठी' में रखते हैं सेवानिवृत्त न्यायाधीश : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (हि.स.)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी कि देश में मध्यस्थता का स्थान ओल्ड बॉयज क्लब जैसा है, को दोहराते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि दुनिया में कहीं भी मध्यस्थता इतने कड़े नियंत्रण में नहीं है, जितनी भारत में है। मध्यस्थता प्रणाली को इस पकड़ से मुक्त कर इसे विश्वसनीय और और भरोसेमंद बनाने की आवश्यकता है। वह नई दिल्ली में छठे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय दिवस के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। यह देखते हुए कि भारत में मध्यस्थता के क्षेत्र में सेवानिवृत्त न्यायाधीश हावी हैं, उपराष्ट्रपति ने मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ की भावनाओं को दोहराया, जिन्होंने मध्यस्थों की नियुक्ति में विविधता की कमी पर विचार किया था जबकि अन्य योग्य उम्मीदवारों जैसे वकील और शिक्षा-विद को नजरअंदाज कर दिया जाता है। सीजेआई ने इस साल की शुरूआत में टिप्पणी की थी कि भारत में मध्यस्थता का स्थान ओल्ड बॉयज क्लब जैसा है। धनखड़ ने आगे जोर देकर कहा कि हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था और विकास की तेज गति के लिए हमारे आत्मनिर्भरता के संकेत के रूप में देश में मजबूत, संरचित मध्यस्थता संस्थानों की

आवश्यकता है। धनखड़ ने कहा, दुनिया में कहीं भी, किसी अन्य देश में, किसी अन्य प्रणाली में, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों द्वारा मध्यस्थता प्रणाली पर इतना कड़ा नियंत्रण नहीं है, जितना हमारे देश में है। उन्होंने कहा कि सिस्टम को इस पकड़ से मुक्त कर इसे विश्वसनीय और भरोसेमंद बनाने की जरूरत है। धनखड़ ने भारत में मध्यस्थता प्रणाली पर सीजेआई की साहसिक टिप्पणियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि आत्मनिरीक्षण किया जाए और आवश्यक बदलाव लाकर आगे बढ़ा जाए, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर कानून भी शामिल हो। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पेरिस में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय के सदस्य के रूप में अपने तीन साल के कार्यकाल के बारे में भी बात करते हुए कहा, भारत अपने समृद्ध मानव संसाधनों के लिए जाना जाता है लेकिन उन्हें मध्यस्थ प्रक्रियाओं पर निर्णय लेने के लिए नहीं चुना जाता है। उन्होंने कहा कि संस्थागत मध्यस्थता तदर्थ तंत्र से बेहतर है, क्योंकि यह निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए एक मजबूत प्रणाली प्रदान करती है। धनखड़ ने यह भी कहा कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है, जहां मध्यस्थता प्रक्रिया को न्यायिक हस्तक्षेप का सामना न करना पड़े। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब विवाद लंबे समय तक चलते हैं तो कानूनी बिरादरी को लाभ होता है। उन्होंने कहा कि यदि विवाद समाधान तंत्र न्यायसंगत और निर्णायक होगा तो विश्व की आर्थिक व्यवस्था अधिक ऊंचाइयों पर जाएगी।

सर्वदलीय बैठक में बसपा ने सरकार से की जातीय जनगणना कराने की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। संसद में चार दिसम्बर से शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है। इससे पहले सभी दलों की बैठक दिल्ली में हुई है। इस दौरान बसपा ने केंद्र सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग की। इसको लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर लिखा है कि आगामी चार दिसम्बर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से पहले शनिवार को सर्वदलीय बैठक में बीएसपी द्वारा सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग पुनः की गयी। उन्होंने कहा कि अब जबकि इसकी मांग देश के कोने-कोने से उठ रही है तो केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में अविलम्ब सकारात्मक कदम उठाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था से त्रस्त व जातिवादी शोषण-अत्याचार से पीड़ित देश के लोगों में जातीय जनगणना के प्रति जो अभूतपूर्व रुचि है। वह भाजपा की नींद उड़ाए है तथा कांग्रेस अपने अपराधों पर पर्दा डालने में व्यस्त है। वैसे विभिन्न राज्य सरकारें 'सामाजिक न्याय की दुहाई देकर आधे-अधूरे मन से जातीय जनगणना कराकर जनभावना को काफी हद तक साधने का प्रयास कर रही हैं। किन्तु इसका सही समाधान तभी संभव है जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर सही जातीय जनगणना कराकर लोगों को उनका हक देना सुनिश्चित करेगी।

आईजीआई एयरपोर्ट पर कोहरे की वजह से कई फ्लाइट डायवर्ट, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली, (हि.स.)। सर्दी में मौसम में कोहरे की वजह से लो विजिबिलिटी का असर राजधानी के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखने को मिल रहा है। इसके कारण आज कई फ्लाइट्स को दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट्स को दिल्ली की बजाय अहमदाबाद, जयपुर और अमृतसर एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। फ्लाइट डायवर्ट होने से हवाई यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इनमें अकेले विस्तारा एयरलाइंस की पांच फ्लाइट डायवर्ट हुई हैं। फ्लाइट संख्या यूके 906 जो अहमदाबाद से दिल्ली आ रही थी। उसे वापस अहमदाबाद ही डायवर्ट किया गया। इसके बाद इंटरनेशनल फ्लाइट संख्या यूके 26 जो फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रही थी, उसे अमृतसर एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा।

उस एयरपोर्ट पर फ्लाइट को लगभग 11 बजे के आसपास लैंड करवाया गया। फ्लाइट संख्या यूके 832 जो चेन्नई से दिल्ली आ रही थी, उसे भी अमृतसर एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। फ्लाइट संख्या यूके 954, जो मुंबई से दिल्ली आ रही थी, उसे जयपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। सुबह 8:42 के आसपास फिर उस फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी ठीक होने के बाद दोबारा जयपुर से ही दिल्ली के लिए रवाना किया गया। इसके अलावा फ्लाइट संख्या यूके 928, जो मुंबई से दिल्ली आ रही थी, उसे भी जयपुर एयरपोर्ट पर ही डायवर्ट किया गया। इसकी लैंडिंग सुबह 09.45 पर करवाई गई। आने वाले दिनों में जैसे-जैसे कोहरा बढ़ेगा वैसे-वैसे आईजीआई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी कम होगी और डायवर्ट होने वाले फ्लाइट की संख्या और भी बढ़ सकती है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सपत्नीक भगवान शनिदेव का अभिषेक कर पूजा-अर्चना की

– सिंधिया महल के राजगुरू ने कराई पूजा, केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर ने ऐतिहासिक शनि मंदिर की जानकारी दी

मुरैना, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को ऐंती पर्वत स्थित ऐतिहासिक शनि मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने अपने जन्मदिन के अवसर पर सपत्नीक भगवान शनिदेव का पूर्णाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने त्रेतायुगीन शनि मंदिर परिसर में निर्मित हनुमान जी मंदिर सहित सभी मंदिरों में मत्था टेककर सुख-समृद्धि, शांति की कामना की। भाजपा अध्यक्ष नड्डा शनिवार सुबह सपत्नीक मुरैना के ऐंती पर्वत पर स्थित शनिधाम पहुंचे। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा तथा ग्वालियर की महारानी एवं केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य

सिंधिया की धर्मपत्नी प्रियदर्शनी राजे सिंधिया, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रमुख आशीष अग्रवाल भी उनके साथ थे। ग्वालियर से सडक मार्ग द्वारा शनिधाम पहुंचे भाजपा अध्यक्ष की मंदिर के मुख्य द्वार पर केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने अगवानी की। मुरैना भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह कंषाना सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री तोमर ने भगवान शनिदेव की महिमा एवं परिसर के विषय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया। भगवान शनिदेव की पूजा-अर्चना सिंधिया राजमहल के राजगुरू पंडित चन्द्रकांत शैन्डे द्वारा पूर्ण विधि-विधान से कराई गई।

सिंधिया महल से ही पूजा की पूर्ण सामग्री एवं व्यवस्था की गई। नड्डा ने सपत्नीक छायादान भी किया। गौरतलब है कि जेपी नड्डा शुक्रवार को ग्वालियर पहुंचे थे। यहां से उन्होंने देर शाम दतिया पहुंचकर मां पीताम्बरा पीठ में दर्शन किए और रात्रि में ग्वालियर के ऊषा किरण पैलेस होटल में विश्राम किया। इसके बाद वे शनिवार सुबह ऐंति पहुंचे थे। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष नड्डा ग्वालियर एयरपोर्ट के लिये रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी।

युग परिवर्तन ट्रस्ट तत्वावधान में त्यागी अशोका कृष्णम की सद्य कृति "चल मनवा उस पार" (दोहा संग्रह) का हुआ लोकार्पण

26 नवम्बर 2023 ई० को युग परिवर्तन ट्रस्ट (पंजी०) कुरकावली के तत्वावधान में त्यागी अशोका कृष्णम की सद्य कृति "चल मनवा उस पार" (दोहा संग्रह) का लोकार्पण पर्व ए०के०रिसोर्ट कुरकावली के विशाल सभागार में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विराट कवि सम्मेलन एवं विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गणमान्य नागरिकों को चौ०राजेंद्र सिंह त्यागी स्मृति सम्मान, कुँवर अभयपाल त्यागी स्मृति सम्मान, एवं कुँवर दिनेश चंद्र त्यागी स्मृति सम्मान देकर विभूषित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ०कृष्ण कुमार नाज ने कहा कि भाई त्यागी अशोका कृष्णम जी के दोहों में प्रेम की भीनी-भीनी खुशबू भी है, श्रृंगार की सुंदरता भी है, अध्यात्म की ऊंचाइयां भी हैं, राजनीतिक रस्साकशी भी है तथा समाज में यदा-कदा होने वाली घटनाओं और दुर्घटनाओं का भी वर्णन मिलता है। वह कविता को केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि मां सरस्वती का आशीर्वाद मानकर सृजनरत हैं। यही कारण है कि वह आज साहित्यिक समाज में सबसे अलग अपनी साफ-सुथरी छवि बनाए हुए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यिक समीक्षक डॉ०मनोज रस्तोगी ने अपने विचार कुछ इस प्रकार कहे

त्यागी अशोका कृष्णम जी के लोकार्पित दोहा संग्रह में मीरा की दीवानगी है तो रहीम की गहरी दार्शनिक और नैतिक अंतर्दृष्टि भी है। कबीर की रहस्यवादिता है तो जायसी का सूफियाना दर्शन भी है। बिहारी की श्रृंगारिकता है तो तुलसी की भक्ति भावना भी है। वो जहां प्रेम के विविध रूपों को अपने दोहों में चित्रित करते हैं। वहीं सामाजिक सरोकारों की भी चिंता करते हैं। प्रकृति के नैसर्गिक सौन्दर्य का वर्णन करते हैं तो जीवन की विसंगतियों, विषमताओं को भी उजागर करते हैं। जहाँ वह सर्वहारा वर्ग के समर्थन में खड़े होते हैं तो वहीं वह राष्ट्र प्रेम को सर्वोपरि मानते हैं। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन की शुरूआत प्रदीप कुमार दीप ने माँ सरस्वती की वंदना के साथ की।

कार्यक्रम में मुरादाबाद से आए राहुल शर्मा ने कुछ इस प्रकार कहा

चंद लम्हों की मुलाकात बुरी होती है।
गर जियादा हो तो बरसात बुरी होती है।
हर किसी को ये समझ लेते हैं अपने जैसा।
अच्छे लोगों की यही बात बुरी होती है।।

कृष्ण कुमार "नाज" ने अपनी गजल पढ़ते हुए कहा

कभी अँधेरे कभी रोशनी में आते हुए।
मैं चल रहा हूँ वजूद अपना आजमाते हुए।
तुम्हारी यादों ने आसान कर दिया है सफर।
जो चल रही हैं मुझे रास्ता दिखाते हुए।।

चंदौसी से आई देशभक्त कवियत्री डॉ० दुर्गा टंडन ने कहा

अंगार से भर ले हिरदय, यदि करना है नवसृजन।
तुझे अवतार बन जाना पड़ेगा,विध्वंस करने को प्रथम।

नेहा मलय ने अपना काव्य पाठ करते हुए कहा कि

मन कहता है मुस्कुरा ले दो पल की है जिंदगानी।
बाद में कौन किसे याद करता है।

नजीबाबाद बिजनौर से आए प्रसिद्ध कवि प्रमोद शर्मा प्रेम ने कहा

कोई हादसा न हो जाए।
कहीं इन्तहा न हो जाए।
देखकर रंगो बू जमाने के।
सूरज बे वफा न हो जाए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देश के ख्यातिलब्ध शायर डॉ० के० के० "नाज" एवं अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षाविद् प्रेमराज त्यागी ने की। इस अवसर पर युग परिवर्तन ट्रस्ट के बाबू प्रदीप त्यागी, श्रीमान अमित त्यागी,नीलांशु वार्ष्णेय, मंजू त्यागी सहित क्षेत्र के सैंकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। युग परिवर्तन ट्रस्ट के अश्विनी रस्तोगी एवं वैशाली रस्तोगी ने फोन के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए त्यागी अशोक कृष्णम् के लिए अपने प्रतिनिधि द्वारा शॉल भेंट किया। मंच का संचालन संयुक्त रूप से युग परिवर्तन ट्रस्ट के युवा कवि प्रदीप कुमार "दीप" एवं कार्यक्रम संयोजक कुँवर अंशुमान त्यागी ने किया।

15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा अयोध्या का इंटरनेशनल एयरपोर्ट

- मुख्यमंत्री योगी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ किया एयरपोर्ट का निरीक्षण
- प्रथम फेज में 65 हजार वर्गफुट का विमानतल बनकर तैयार, 2200 मीटर का है रनवे

अयोध्या, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां निमार्णाधीन मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ वीके सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने एयरपोर्ट के निर्माण से जुड़े प्रेजेंटेशन को भी देखा और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि अयोध्या में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप प्रभु श्रीराम की पावन अयोध्या नये भारत की नई अयोध्या बन रही है। अयोध्या की देश और दुनिया के साथ कैसी कनेक्टिविटी होनी चाहिए, इसी के निरीक्षण के लिए यहां केंद्रीय मंत्रियों के साथ आना हुआ है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में पहले मात्र 178 एकड़ में बहुत छोटी सी एयरस्ट्रिप थी। इसे एक बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में तैयार किया गया है। 821 एकड़ लैंड राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराने के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी इंडिया द्वारा नये एयरपोर्ट का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या के विकास के लिए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है वो अयोध्यावासियों को प्राप्त होगा। अयोध्या को उसका गौरव पुनः प्रदान करने के लिए सरकार पूरी गंभीरता के साथ प्रयास कर रही है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि अयोध्या के हवाईअड्डे में यहां की सांस्कृतिक क्षमता को परिलक्षित करने की कोशिश हुई है। पहले चरण में 65 हजार वर्ग फुट का हवाईतल बनने जा रहा है। इसकी क्षमता प्रतिघंटे 2 से 3 फ्लाइट की होगी। यहां 2200 मीटर के रनवे का क्रियान्वयन होने जा रहा है, जिसपर छोटे विमानों के साथ ही बोइंग 737, एयरबस 319 और एयरबस 320 जैसे बड़े विमान भी लैंड कर सकेंगे। शुरूआत में यहां 8 एप्रन बनाए गये हैं। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के लिए शीघ्र ही कैबिनेट से स्वीकृति लेने की तैयारी है। दूसरे चरण में रनवे की लंबाई को बढ़ाकर 3700 मीटर किया जाएगा, ताकि बोइंग 787 और बोइंग 777 जैसे सारे अंतरराष्ट्रीय विमान सीधे अयोध्या में लैंड कर सकें। पहले फेज के समीप ही दूसरे फेज के विमानतल को तैयार किया जाएगा, जोकि 5 लाख स्क्वाएर फुट का होगा।

महापौर ने नई सड़क पर पिंक टायलेट का किया लोकार्पण

वाराणसी, (हि.स.)। नगर के व्यस्ततम क्षेत्र नई सड़क में बने पिंक टायलेट का उद्घाटन शनिवार को महापौर अशोक तिवारी ने किया। नई सड़क स्थित बंद सिनेमाहाल प्राची के ठीक सामने बने पिंक टायलेट से बाजार करने आई महिलाओं को आसानी रहेगी। लहुराबीर से गोदौलिया के बीच में कहीं भी महिलाओं के लिए शौचालय की सुविधा न होने से उन्हें काफी परेशानी होती थी। घनी व्यापारिक क्षेत्र होने के कारण नित्य क्रिया और लघुशंका के लिए पुरुष भी परेशान दिखते थे। महापौर ने इस परेशानी के समाधान के लिए इस क्षेत्र में भूमि तलाश कर पिंक टॉयलेट बनाए जाने के लिए नगर निगम के अफसरों को निर्देशित किया था। नगर निगम के अफसरों ने प्राची सिनेमा हॉल के सामने स्थित कूड़ा घर विलोपित करते हुए उक्त स्थान पर पिंक शौचालय बनाने की कार्रवाई प्रारंभ की। नवनिर्मित तथा आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण इस पिक टॉयलेट में पांच सीट का शौचालय पुरुषों के लिए तथा तीन सीट का शौचालय महिलाओं के लिए बनाया गया है। पिंक टॉयलेट में यूरिनल की भी व्यवस्था की गई है, साथ ही महिलाओं की सुविधा के लिए सेनेटरी पैड मशीन तथा हैंड ड्रायर जैसी सुविधाओं के साथ सुसज्जित किया गया है। पिक टॉयलेट में शुल्क जमा करने की सुविधा ऑनलाइन पीओएस मशीन के माध्यम से की गई है, जिसका महापौर ने विधिवत शुभारंभ कर इसे जनता को समर्पित कर दिया।

अपने ही बनाये नियमों को तोड़ती रहती है भाजपा सरकार : अजय राय

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र की भाजपा सरकार अपने ही बनाये नियमों का हर वक्त उलंघन करती रहती है। अभी विधानसभा के लिए सत्र चलने का दस दिन का नियम बनाया और तीन दिन में ही समाप्त कर दिया। प्रदेश में भ्रष्टाचार मिटाने का रट्टा लगाये रहती है और हर जगह भ्रष्टाचार बढ़ गया है। ये बातें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कही। वे शनिवार को प्रदेश कार्यालय पर मीडिया को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस प्रदेश में किस मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी के जवाब में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश को बांटने का काम भाजपा सरकार कर रही है। हम देश को जोड़ने के नाम पर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। हम जनता के बीच भ्रष्टाचार, अराजकता को लेकर जाएंगे। भाजपा की कुनीतियों को जनता समझ चुकी है। अब वह उसके झांसे में नहीं आने वाली है। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन के मुद्दे पर अजय राय ने कहा कि यह फैसला केंद्रीय नेतृत्व को करना है। हम लोकसभा चुनाव के लिए सभी सीटों पर तैयारी कर रहे हैं। हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर कांग्रेस की नीतियों का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। हम अपनी पूरी तैयारी में हैं, आगे केंद्रीय नेतृत्व जो निर्णय करेगा, उसके अनुसार हम आगे बढ़ेंगे। वहीं समाजवादी पार्टी द्वारा मध्य प्रदेश में स्थायी प्रदेश कार्यालय बनाये जाने पर कहा कि हम तो सभी राज्यों में पहले ही प्रदेश कार्यालय बना चुके हैं। वे आज बनाने जा रहे हैं।

टनल हादसे से रेस्क्यू किए गए श्रमिकों को 1.11 करोड़ की योजनाओं से जोड़ेगी राज्य सरकार

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार रात कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर निमार्णाधीन सिलक्यारा टनल हादसे से सुरक्षित रेस्क्यू किए गए झारखंड के 15 श्रमिकों और उनके परिजनों से मुलाकात की। इससे पहले मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य के श्रमिकों और उनके परिजनों को शुक्रवार रात एयरलिफ्ट कराकर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची लाया गय। रांची आने वाले श्रमिकों में श्री विश्वजीत कुमार वर्मा (गिरिडीह), सुबोध कुमार वर्मा (गिरिडीह), अनिल बेदिया (रांची) राजेंद्र वेदिया (रांची) सकराम बेदिया (रांची), टिंकू सरदार (पूर्वी सिंहभूम), गुणधार नायक (पूर्वी सिंहभूम) रंजीत लोहार (पूर्वी सिंहभूम) रविंद्र नायक (पूर्वी सिंहभूम) समीर नायक (पूर्वी सिंहभूम) भुक्तु मुर्मू (पूर्वी सिंहभूम), महादेव नायक (पश्चिमी सिंहभूम), चमरा उरांव (खूंटी), विजय होरो (खूंटी), गणपति होरो (खूंटी) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी श्रमिकों के साथ राज्य सरकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए कई योजनाओं को शुरू किया है। जल्द देश के लगभग एक दर्जन राज्यों से एक इकरारनामा करने हेतु प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस इकरारनामा के तहत प्रवासी मजदूरों को हमारी सरकार हरसंभव मदद कर सकेगी। लोगों को हुनरमंद बनाने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। विगत कुछ महीनों में ही युवाओं को हुनरमंद बनाकर कई निजी क्षेत्रों में हजारों नौकरियां दी गयी हैं। इसके साथ-साथ सरकार सरकारी नौकरियों के तहत भी नियुक्तियां दे रही है। जब आप श्रमिक भाइयों के टनल हादसे में फंसने की सूचना मिली तब आपके परिजनों के साथ-साथ पूरे राज्यवासियों के लिए भी काफी चिंता और डरावना का समय रहा। हम सभी लोग आपके सकुशल वापसी की प्रार्थना कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के साहस, धैर्य और बहादुरी की भी सराहना की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को उपस्थित श्रमिकों को 1 करोड़ 11 लाख रुपए से अधिक राशि की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने हेतु निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को अबुआ आवास योजना, पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड, कृषि यंत्र, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, पशुशेड योजना, ग्राम गाड़ी योजना समेत अन्य योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है. मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से कहा कि कहा कि मैं स्वयं आपके रोजगार और आपको दिए जाने वाले योजनाओं की मॉनिटरिंग करूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड टनल हादसे में फंसे आप सभी श्रमिक सकुशल अपने राज्य एवं घर आ वापस आ गए हैं, यह आपके परिवारजनों के साथ-साथ पूरे राज्यवासियों के लिए खुशी की बात है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रमिकों को अंग वस्त्र और शॉल भेंटकर अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं।

तत्कालीन वन बंदोबस्त पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद के खिलाफ एसीबी में मुकदमा दर्ज

रांची, (हि.स.)। रांची के तत्कालीन वन बंदोबस्त पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में प्राथमिक दर्ज की गयी है। राजेंद्र प्रसाद पर अनुचित लाभ के लिए पद का दुरुपयोग करने का आरोप है। राजेंद्र प्रसाद के खिलाफ पद का दुरुपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन के निपटारा के एक मामले में छह करोड़ 31 लाख 36 हजार 677 रुपये का भुगतान नियम विरुद्ध करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।मामले को लेकर एसीबी ने कांड संख्या 5/2023 दर्ज किया है। मामले के सूचक एसीबी के इंस्पेक्टर विधा प्रसाद सिंह है। राजेंद्र प्रसाद सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, दुमका के पद से सेवानिवृत हुए हैं। मामले में एसीबी ने उन पर पद का दुरुपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन की निपटारा में नियम विरुद्ध भुगतान करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर पहले एसीबी ने पीई दर्ज की थी। पांच मुआवजा वादों की सुनवाई के क्रम में आवेदकों के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र में अंकित वंशावली के अनुसार कुल राशि को छह बराबर बांटने की कार्रवाई की गई है। नियमानुसार संबंधित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी की ओर से निर्गत वंशावली प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही वादों के संबंध में निर्णय लेना विधिसम्मत था, जो नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री के कोडरमा दौरे को लेकर तैयारियों में जुटा प्रशासन

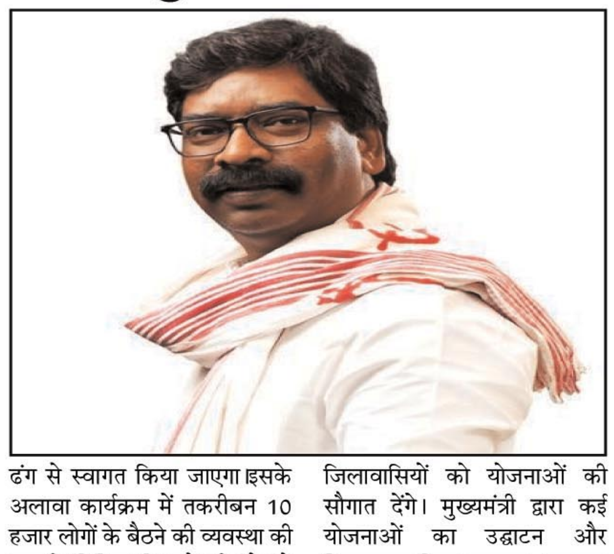

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच दिसंबर को कोडरमा जायेंगे। वहां सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर आला अधिकारियों की ओर से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिये गये हैं। जिले में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच दिसंबर को कोडरमा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। कोडरमा ब्लॉक मैदान और बागीटांड़ स्टेडियम को मुख्यमंत्री के आगमन पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। कोडरमा डीसी मेघा भारद्वाज ने जिले के आला अधिकारियों के साथ इन दोनों कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और तैयारी के मद्देनजर अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री जब कोडरमा पहुंचेंगे तो उनका आदिवासी रीति रिवाज और पारंपरिक ढंग से स्वागत किया जाएगा।इसके अलावा कार्यक्रम में तकरीबन 10 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। विभिन्न विभागों की ओर से कार्यक्रम स्थल पर कई स्टॉल भी लगाए जाएंगे। मौके पर विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन परिसंपत्तियों का भी वितरण करेंगे। इसके अलावा कोडरमा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान हेमंत सोरेन जिलावासियों को योजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री द्वारा कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर को मुख्यमंत्री कोडरमा पहुंचेंगे, जिसके लिए पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गये हैं।

शराबबंदी सफल नहीं, हमारी सरकार बनी तो इसे लागू करेंगे : जीतन राम मांझी

पटना, (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री और हम पार्टी के संस्थापक जीतनराम मांझी ने शनिवार को बयान जारी कर कहा शराबबंदी कानून सफल नहीं है, हमारी सरकार बनी तो बिहार में फिर से शराब चालू हो जाएगा। जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश सरकार और मद्य निषेध विभाग के तरफ से यह दावा किया जाता है कि शराबबंदी सफल है इनको नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए लेकिन हकीकत यह है कि शराबबंदी के मामले में जो बंदी है उसमें 80 प्रतिशत दलित लोग हैं जो एक पैग पीकर शाम में घर जाता है। वैसे लोगों को इन्होंने बंद कर रखा है। मांझी ने कहा कि पांच सौ रुपये कमाने वाले 2000 और 3000 कहां से देगा इसी वजह से वह जेल चला जाता है। आपका यह शराबबंदी कानून कहीं से सही ही नहीं है यदि मेरी सरकार आएगी तो हम लोग या तो गुजरात के तर्ज पर इस कानून को लागू करेंगे या यूं ही खुला छोड़ देंगे। पहले से तो बिहार में शराब चालू था ही ना। मांझी ने खुद को लेकर सीएम नीतीश कुमार के तरफ से कही गई बातों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि- यदि उस समय मैं विधानसभा में नहीं रहता तो सीएम के उस बर्ताव को बर्दाश्त नहीं करता। मैं विधानसभा के अंदर था इस वजह से लिहाज कर लिया। नीतीश कुमार की सोच शुरू से दलित के प्रति नकारात्मक रही है। हमें कहां आरक्षण है। इस बात को जानने के लिए आरक्षण आयुक्त का पद था। उसे भी नीतीश कुमार ने गायब कर दिया। यही तो नीतीश कुमार का दलित प्रेम है। मांझी ने कहा कि 2017 में क्लास फोर में शेड्यूल कास्ट से बहाली को बंद कर दिया और अब एजेंट के माध्यम से बहाली करवाते हैं। पहले ऐसी प्रक्रिया नही थी। पहले डायरेक्ट बहाली होती थी कोई आउट सोर्स से नही। शिड्यूल कास्ट को लेकर नीतीश कुमार का रोल शुरूआत से ही नकारात्मक रहा है और ये सिर्फ ढोल पीट रहे कि हम शिड्यूल कास्ट के हिमायती थे।इसके आगे उन्होंने रत्नेश सदा को लेकर कहा कि, बिहार सरकार में क्या होता है कि यह आपने देख लिया। यहां अपने मंत्री का माइक छीन लिया गया, हम रहते तो बर्दाश्त नही करते। ऐसे मंत्री के साथ कोई कैसे कर सकता है। हम तो यही कहना चाहता हूं कि शिड्यूल कास्ट से आने वाले मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। मुझे तो यह समझ में नहीं आता है कि बेइज्जत होकर कोई कैसे पद पर बना रह सकता है। मांझी ने कहा कि हमलोग पांच दिसम्बर को दिल्ली के जंतर मंतर में नीतीश कुमार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे और हवन भी करेंगे। नीतीश कुमार स्वाहा। नीतीश कुमार स्वाहा। नीतीश कुमार स्वाहा करेंगे। जीतन राम मांझी ने यह भी कहा कि, हमलोग 24 दिसंबर को पटना के मिलर ग्राउंड में दलितों का महासम्मेलन बुला रहे हैं। जिसमें नीतीश कुमार के दलित विरोधी चेहरे को उजागर किया जाएगा।

सीएम नीतीश के स्वास्थ्य में सुधार, सोमवार को जनता दरबार में होंगे शामिल

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त सूचनानुसार आगामी चार दिसम्बर सोमवार को सीएम जनता दरबार में उपस्थित रहेंगे। इसको लेकर कैबिनेट विभाग ने अधिसूचना जारी की है। कैबिनेट विभाग के अपर सचिव निशीथ वर्मा ने जनता दरबार कार्यक्रम को लेकर पत्र भेजकर सभी जिलाधिकारियों को जानकारी दी है। इसके साथ ही इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी है। अधिसूचना और डीएम को भेजे गये पत्र के मुताबिक चार दिसम्बर को जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दिन महीने के पहले सोमवार के लिए निर्धारित विभागों और विषयों से संबंधित मामले लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री निर्धारित समय पर इन विभागों से जुड़ी आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे। इससे पहले सीएम नीतीश कुमार राजगीर महोत्सव के समय बीमार हो गए थे। उसके बाद यह आयोजन स्थगित था। स्वस्थ होकर नीतीश कुमार फिर से जनता दरबार में शामिल होकर लोगों की फेस टू फेस समस्या सुनते हैं और अधिकारियों को तत्काल निर्देश देकर समाधान करवाते हैं। ऐसे में अब सोमवार को एक बार फिर सीएम लोगों की समस्या को सुनते हुए नजर आएंगे। उल्लेखनीय है कि सीएम नीतीश के जनता दरबार में शामिल होने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है। इसमें समस्याओं का विवरण देना पड़ता है। फरियादी को ऑनलाइन ही मिलने का समय मिल जाता है। राज्य भर से फरियादी जनता दरबार में पहुंचते हैं। नीतीश कुमार अपने सामने उनकी समस्या की सुनवाई करते हैं।

बेगूसराय में कचड़ा चुनते नजर आए सांसद राकेश सिन्हा

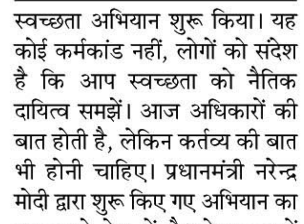

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री के स्वच्छता हमारा सामाजिक दायित्व मंत्र को आगे बढ़ाकर स्वच्छ बेगूसराय सुंदर बेगूसराय बनाने के लिए शनिवार को राज्यसभा सदस्य (सांसद) प्रो. राकेश सिन्हा ने जीडी कॉलेज में सफाई अभियान चलाया। झाड़ू और थैला लेकर सांसद को जीडी कॉलेज में सफाई करता देख बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हो गए। सांसद के साथ क्रीड़ा भारती, अभाविप, एनसीसी, कॉलेज के छात्र-छात्रा एवं प्रोफेसर, खिलाड़ी भाजपा नेता एवं अन्य बुद्धिजीवी भी सफाई में शामिल हुए। पूरे कॉलेज परिसर की सफाई कर 20 बोरा से अधिक कचरा निकला गया। स्वच्छता अभियान में क्रीड़ा भारती के प्रांतीय सह मंत्री रणधीर कुमार, अभाविप के जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार, कॉलेज के अंग्रेजी विभागध्यक्ष कमलेश कुमार, भाजपा नेता राम कल्याण सिंह एवं बलराम सिंह भी शामिल थे। मौके पर प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा कि छोटी-छोटी पहल बड़े काम को जन्म देती है। महात्मा गांधी ने 1920 में स्वच्छता को रचनात्मक कार्य का हिस्सा बनाया था। लेकिन आजादी के बाद 2014 तक यह ठंडे बस्ते में रहा। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने दो अक्टूबर 2014 को स्वच्छता अभियान शुरू किया। यह कोई कर्मकांड नहीं, लोगों को संदेश है कि आप स्वच्छता को नैतिक दायित्व समझें। आज अधिकारों की बात होती है, लेकिन कर्तव्य की बात भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान का असर पूरे देश में है। बेगूसराय में स्वच्छता की स्थिति ठीक नहीं है, शहर के हर हिस्से में गंदगी है। जीडी कॉलेज के प्रांगण में हजारों लोग रोज आते हैं, यहां इतनी गंदगी गलत है। स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत का नरेन्द्र मोदी का यह मंत्र एक क्षण नहीं, बल्कि सालों भर दायित्व निभाने का है। सभी लोग समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाएं। इससे स्वच्छता होने के साथ-साथ जागरूकता होती है। सफाई से हमारा शहर देश के सबसे साफ इंदौर की तरह बन सकता है। हम चाहे लें तो बेगूसराय को भी इंदौर बना सकते हैं। नरेन्द्र मोदी ने स्वयं झाड़ू पकड़ कर सबको साथ ले स्वच्छ रहने स्वस्थ्य रहने का संदेश दिया। दलगत भावना और सभी प्रकार संकीर्णता से ऊपर उठकर स्वच्छता बनानी जरूरी है। स्वच्छता शहर की पहचान और अस्मिता है। यहां से गुजरने वाले लाखों लोग जब शहर को स्वच्छ देखेंगे तो उनके बीच व्यापक संदेश जाएगा। बेगूसराय में सड़क के दोनों ओर पौधारोपण की कमी है, तभी तो वायु प्रदूषण का स्तर 450 पर पहुंच गया। यह बहुत खतरनाक है, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता घट रही है, छोटी बीमारियों में मौत हो रही है। विकास से होने वाली स्थिति से निपटने की कोई तैयारी नहीं है। चिमनी जैसे प्रदूषण के कारण लोगों की मौत हो रही है। बेगूसराय में बड़ी-बड़ी कंपनियां काम कर रही है। इनके पास करोड़ों का सीएसआर फंड है, उस फंड का उपयोग अदृश्य माध्यम से कहीं और हो रहा है। प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा कि स्वच्छता की पहल होनी चाहिए। महात्मा गांधी और विनोबा भावे ने राजनीति से अलग रहकर समाज में काम करने वालों को मंच दिया था। उन्होंने इस प्रयास से देश को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी राजनीति से अलग जाकर देशवासियों को ऐसा प्लेटफॉर्म दिया है। जिसमें हर कोई सक्रिय होकर समाज में अपना दायित्व निभा सकते हैं। हम सब मानें कि स्वच्छता हमारा नैतिक दायित्व है।

संपादकीया

और मंत्री क्यों

हिमाचल में अब यह पूछे जाने का वक्त आ गया है कि क्या यहां सरकार के भीतर मंत्रियों की आवश्यकता रही है या नहीं। जितने तर्कों से मंत्री ढूंढे जाते हैं, क्या उतने ही औचित्यपूर्ण ढंग से ये काम भी कर पाते हैं। कम से कम पूरे प्रदेश की दृष्टि में हिमाचल के मंत्रियों को कभी भी पूर्ण नहीं माना गया, जबकि विभागीय दायित्व से भी कई मंत्री दूर या कमजोर दिखाई दिए। इसका एक कारण छोटे राज्य की राजनीति या राजनीति में असुरक्षा की भावना रही, फिर भी कुछ मंत्रियों की छवि, उनका व्यवहार तथा विभागीय समझ का बोलबाला रहा है। दरअसल हिमाचल के भीतर उभरता क्षेत्रवाद हमेशा सरकारों के मंत्रिमंडल में देखा व समझा गया। दूसरी ओर सत्ता के शिखर ने हमेशा मुख्यमंत्री के पद को ही चमत्कृत किया या ताज की परवाह ने मंत्रियों को खिलौना बना दिया। मुख्यमंत्री पद के नजदीक कभी चुनौती बने स्व. सालिग राम शर्मा को डा.वाई एस परमार ने हटा दिया था। कभी प्रेम कुमार धूमल ने किशन कपूर जैसे वरिष्ठ मंत्री को मंत्रिमंडल से चलता कर दिया, तो कभी मंत्रिमंडल की निर्धारित संख्या के कारण मेजर विजय सिंह मनकोटिया को वीरभद्र सिंह ने निकाल बाहर किया। किशन कपूर को दूसरी बार जयराम ठाकुर मंत्रिमंडल से नदारद करने की भी एक कहानी है, जिसने इस नेता का राजनीतिक परिदृश्य ही शून्य कर दिया। जाहिर है ऐसे तमाम दृष्टांतों के बीच पर्वतीय प्रदेश में मुख्यमंत्री पद को इतना शक्तिशाली बना दिया कि सत्तारूढ़ होने के मायनों में पार्टियां एक मुट्ठी में बंद हो कर रह गईं। यहां राजनीति की पहचान नेता नहीं, ताकतवर मुख्यमंत्री बनते रहे। इसीलिए छवि के अलग-अलग मानदंडों में वाई एस परमार, वीरभद्र सिंह, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल व जयराम ठाकुर भी रहे। यही सिद्धि अब वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के व्यक्तित्व का मूल्यांकन कर रही है। उनकी एक साल की सत्ता का एक पहलू भले ही प्रशासनिक पकड़, विजन और बतौर शासक सामने आया है, लेकिन दूसरी ओर वह अपनी राजनीतिक म्यान में केवल अपनी ही तलवार सुरक्षित रखते हुए नजर आए। हिमाचल सरकारों में कमोबेश हर मुख्यमंत्री ने म्यान में किसी और की तलवार को जगह नहीं दी और यही शक्ति मंत्रिमंडल की सूरत में परिलक्षित होती रही है। यह दीगर है कि पहली बार कांग्रेस की सत्ता के फलक पर उप मुख्यमंत्री के पद पर मुकेश अग्निहोत्री नजर आए, लेकिन विभागीय आबंटन में समानांतर विभाजन नहीं हुआ। हम मान सकते हैं कि सुक्खू सरकार में मुख्यमंत्री पद का वर्चस्व यथावत है और इसे डंके की चोट पर साबित करते यह साल गुजर गया। हिमाचल में कयास लगाते भले ही सियासी पंडित (?) मिल जाएं, लेकिन यह तय है कि इस मचान को देखना या समझना नादानी ही होगी। मंत्रिमंडल में अगर तीन रिक्तियां एक साल से झूल रही हैं, तो सूली पर कई नेताओं के अरमान यूं ही नहीं चढ़ाए। यह प्रयोग है और ताकत भी कि मंत्रिमंडल की सूची में न वरिष्ठता के पैमाने हैं और न ही राजनीतिक इतिहास की कोई सीढ़ी असरदार हो सकती है। हो सकता है लोकसभा चुनाव की दोपहरी में झुलस कर यह मुद्दा कुछ मंत्री खोज लाए, लेकिन मंत्री न भी बनाए जाएं तो क्या फर्क पड़ता है। असली अंतर तो सरकार के रुतबे में उस एहसास का रहेगा, जिसे जनता कबूल करती है। अगर अपनी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू लोकसभा चुनाव की परिणति में कांग्रेस के नाम अधिकांश सीटें कर देते हैं, तो साबित हो जाएगा कि फिर मतदाता से संवाद करने में एक मुख्यमंत्री कामयाब हो गया। उनके पास आत्मबल, शक्ति, शासन-प्रशासन, बजट और व्यवस्था का हर पहलू और हुनर है। सफलता का अंतिम व एकमात्र पर्याय है भी यही कि पार्टी को चुनावी दौड़ में आगे ले जाने का सफर मुख्यमंत्री की कार्यशैली तय करे। हिमाचल में सरकार का एक साल किसी भी तरह नए मंत्रियों की पैरवी नहीं कर रहा और न ही ऐसी जल्दबाजी सरकार कर रही है, लेकिन दूसरी ओर जनता के सामने विभागीय दक्षता और व्यक्तित्व की मौलिकता में मौजूदा मंत्रियों में कहीं तो निराशा उत्पन्न हुई। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार से कहीं पहले यह देखा जाएगा कि क्या मंत्रिमंडल के शो केस से कुछ मूर्तियां हटाई जाती हैं। अगर ऐसा हो तो मंत्रिमंडल विस्तार कुछ और रिक्तियां भरने के लिए ज्यादा स्थान, अवसर ही नहीं, कुछ सीपीएस बने नेताओं को स्तरोन्नत करने का बहाना भी मिलेगा। कम से कम एक साल की सुक्खू सरकार में कुछ सीपीएस तथा कुछ कैबिनेट स्तर के ओहदे ज्यादा विश्वसनीय व सक्रिय होते देखे गए, तो निश्चित रूप से इनकी उपयोगिता पर शायद ही संभावित अदालती निर्णय का कोई प्रतिकूल असर दिखाई दे।

दूसरी ओर सत्ता के शिखर ने हमेशा मुख्यमंत्री के पद को ही चमत्कृत किया या ताज की परवाह ने मंत्रियों को खिलौना बना दिया। मुख्यमंत्री पद के नजदीक कभी चुनौती बने स्व . सालिग राम शर्मा को डा .वाई एस परमार ने हटा दिया था। कभी प्रेम कुमार धूमल ने किशन कपूर जैसे वरिष्ठ मंत्री को मंत्रिमंडल से चलता कर दिया, तो कभी मंत्रिमंडल की निर्धारित संख्या के कारण मेजर विजय सिंह मनकोटिया को वीरभद्र सिंह ने निकाल बाहर किया। किशन कपूर को दूसरी बार जयराम ठाकुर मंत्रिमंडल से नदारद करने की भी एक कहानी है, जिसने इस नेता का राजनीतिक परिदृश्य ही शून्य कर दिया। जाहिर है ऐसे तमाम दृष्टांतों के बीच पर्वतीय प्रदेश में मुख्यमंत्री पद को इतना शक्तिशाली बना दिया कि सत्तारूढ़ होने के मायनों में पार्टियां एक मुट्ठी में बंद हो कर रह गईं।

नेताओं ने अपने राज्य और देश के सामने कभी भ्रष्टाचार से निपटने का खाका नहीं रखा

भ्रष्टाचार और क्षेत्रीय राजनीतिक दल

योगेंद्र योगी

क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए भ्रष्टाचार कोई मुद्दा नहीं है। इन दलों के नेताओं को उसी हद तक यह मुद्दा नजर आता है, जब उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई की जाती है। भ्रष्टाचार की चपेट में आए कमोबेश सभी क्षेत्रीय दलों का एक जैसा रवैया है। इन दलों को इस बात की चिंता नहीं है कि उनके राज्य में भ्रष्टाचार कैसे समाप्त हो, भ्रष्टाचार में फंसने के बाद पूरा जोर इस बात पर रहता है कि इसे विरोधी दल की कार्रवाई करार देते हुए कैसे खुद को पाक साफ करार दिया जाए। तमिलनाडु के बिजली मंत्री और डीएमके नेता सेंथिल बालाजी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिल सकी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप के मंत्री-सासंद को शराब घोटाले के मामले में जमानत नहीं मिल सकी। इसी तरह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कई मंत्री-विधायक भ्रष्टाचार के मामलों में जेल से आते-जाते रहे हैं। बिहार में लालू यादव की पार्टी के नेताओं का भी यही हाल है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता वी. सेंथिल बालाजी को स्वास्थ्य आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया। बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सेंथिल बालाजी की हालत जमानत पाने के लिए बहुत गंभीर नहीं लगती है और कहा कि वह ट्रायल कोर्ट के समक्ष नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद बालाजी के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली। भाजपा को केंद्र से बेदखल करने की हुंकार भरने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के नेता-मंत्री भ्रष्टाचार के जाल में फंसे हुए हैं। भ्रष्टाचार और राशन भ्रष्टाचार मामलों में केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पार्थ चटर्जी, ज्योतिप्रिय मल्लिक, जीबनकृष्ण साहा और माणिक भट्टाचार्य वर्तमान में जेल में हैं। गौ तस्करी मामले में तिहाड़ जेल में तृणमूल के बाहुबली नेता अणुब्रत मंडल भी बंद हैं। क्षेत्रीय दलों के भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई और ईडी की छापे की कार्रवाई लगातार जारी है। क्षेत्रीय दलों की स्वार्थपरक आलोचनाओं से केंद्र सरकार कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटी है। नई कार्रवाई के तहत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने पश्चिम बंगाल में कथित स्कूल भर्ती घोटाले में संलिप्तता के आरोप में एक विधायक और दो पार्षदों सहित तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के आवासों पर एक साथ छापेमारी की। इसी तरह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी से जुड़े दिल्ली वक्फ बोर्ड से जुड़े जिशान हैदर, जावेद इमाम, दाऊद नसीर को ईडी ने गिरफ्तार किया। ये सभी आरोपी आम आदमी पार्टी के एमएलए

अमानतुल्लाह खान के नजदीकी बताए जाते हैं। प्रवर्तन निदेशालय इस मामले में आप विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ भी मामला दायर कर चुका है। भ्रष्टाचार को लेकर जितनी अंधेरगर्दी बिहार में व्याप्त है, उतनी शायद ही किसी राज्य में होगी। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि बिहार और पश्चिम बंगाल राजनीतिक भ्रष्टाचार के मामलों में शीर्ष पर हैं। आश्चर्य की बात यह है कि मुख्यमंत्री रहते हुए चारा घोटाले में जेल गए लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने कोई सबक नहीं सीखा। बिहार में लैंड फॉर जॉब केस में पूरा लालू परिवार फंसा हुआ है। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को जमानत मिली हुई है। वर्ष 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहे लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान लैंड फॉर जॉब घोटाला हुआ था, जिसके तहत लोगों को जमीन के बदले रेलवे के अलग-अलग डिविजन में नौकरी देने का आरोप लगाया गया था। सीबीआई की चार्जशीट में पहली बार बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को आरोपी बनाया गया था। सीबीआई ने कोर्ट को बताया था कि लालू प्रसाद यादव के खिलाफ केस चलाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। ये उदाहरण बताते हैं कि क्षेत्रीय राजनीतिक दल सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार की लूट-खसोट मचाने में किस कदर लिप्त हैं। जब कभी इनके भ्रष्टाचार के मामले उजागर होते हैं, तब इन दलों के नेता लोकतंत्र की दुहाई देने लगते हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कराने के लिए भारतीय जनता पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन दलों के करीब आधा दर्जन नेताओं को अदालतों से जमानत तक नहीं मिल सकी। अधीनस्थ अदालतों के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी जमानत देने से इंकार कर दिया। निश्चित तौर पर अदालतों ने इन आरोपी नेताओं के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य होने के बाद ही जमानत के आवेदन निरस्त किए हैं। आश्चर्य यह है कि क्षेत्रीय दल सिर्फ अपने नेताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई को ही मुद्दा मानते हैं। भ्रष्टाचार इन दलों के लिए मुद्दा नहीं है। इन दलों ने केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई छापे की कार्रवाई के बाद यह प्रयास नहीं कभी नहीं किया कि राज्य से भ्रष्टाचार कैसे समाप्त किया जाए। इसके विपरीत भाजपा और केंद्र सरकार पर राजनीतिक रंजिश के कारण छापे पड़वाने का आरोप कई बार लगाया है। क्षेत्रीय दल भ्रष्टाचार के मामलों में उल्टी गंगा बहा रहे हैं। भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के बजाय केंद्रीय एजेंसियों और भाजपा पर आरोप लगाते हुए उल्टी धमकी देने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार के मामलों में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा टीएमसी के चार आला नेताओं की गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुस्सा तो दिखाया, पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया। ममता बनर्जी ने पार्टी की बैठक में ऐलान किया कि टीएमसी के चार नेताओं की गिरफ्तारी के बदले में बीजेपी के आठ नेताओं को जेल भेजेंगे। साल 2011 के विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 'बदला नहीं, बदल चाई' का नारा दिया था। लेकिन बदलती परिस्थितियों में 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले स्थिति कुछ हद तक बदल गई। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने सीधे 'राजनीतिक बदला' लेने का ऐलान किया। तृणमूल कांग्रेस की मीटिंग में ममता बनर्जी ने बीजेपी नेताओं को जेल में डालने की चेतावनी दी। कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी की बैठक में ममता बनर्जी ने कहा, 'उन्होंने हमारे चार विधायकों को जेल में डाल दिया है। इस तरह वे हमारी संख्या कम करना चाहते हैं। अगर उन्होंने हममें से चार लोगों को चोरी के नाम पर जेल में डाल दिया तो हम भी पार्टी की ओर से निर्णय लेते हुए उनमें से आठ को जेल में डाल देंगे।' उन्होंने कहा, 'जिनके नाम पर चोरी, हत्या या अन्य मामले होंगे, मैं उन्हें जेल में डालूंगी।' ऐसी ही धमकी बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी दे चुके हैं। यादव ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर हमला बोला। तेजस्वी यादव की तरफ से किए गए एक ट्वीट में लिखा गया है कि पूरा देश देख रहा है कि साहस, कत्तव्यनिष्ठा, धैर्य, बलिदान, जनसेवा, भाईचारा, एकता और सामाजिक उन्नति की चाह रखने वाले को क्या-क्या सहना पड़ रहा है, लेकिन वो इनके सामने कभी झुकेगा नहीं! तेजस्वी यादव ईडी और सीबीआई से हिसाब चुकता करने की धमकी दे चुके हैं। बिहार की तरह उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी केंद्र में सत्ता में आने पर भाजपा को सबक सिखाने की बात कह चुके हैं। सवाल यही उठता है कि क्षेत्रीय दलों के नेताओं ने अपने राज्य और देश के सामने कभी भ्रष्टाचार से निपटने का खाका नहीं रखा। यह निश्चित है कि विपक्षी दलों का आगामी लोकसभा चुनाव में केंद्र में सत्ता पाने का ख्वाब तब तक शायद ही पूरा हो, जब तक भ्रष्टाचार सहित अन्य संवेदनशील मुद्दों पर नीतियां स्पष्ट न हों।

भ्रष्टाचार की चपेट में आए कमोबेश सभी क्षेत्रीय दलों का एक जैसा रवैया है। इन दलों को इस बात की चिंता नहीं है कि उनके राज्य में भ्रष्टाचार कैसे समाप्त हो, भ्रष्टाचार में फंसने के बाद पूरा जोर इस बात पर रहता है कि इसे विरोधी दल की कार्रवाई करार देते हुए कैसे खुद को पाक साफ करार दिया जाए। तमिलनाडु के बिजली मंत्री और डीएमके नेता सेंथिल बालाजी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिल सकी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप के मंत्री-सासंद को शराब घोटाले के मामले में जमानत नहीं मिल सकी। इसी तरह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कई मंत्री-विधायक भ्रष्टाचार के मामलों में जेल से आते-जाते रहे हैं।

दृष्टि कोण

दिव्यांगों को और सुविधाएं जुटाने की जरूरत

अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस पूरे विश्व में हर वर्ष 3 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन समाज और विकास के सभी क्षेत्रों में, विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों, कल्याण को बढ़ावा देने और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में विकलांग व्यक्तियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। हर वर्ष नए थीम के साथ इस दिवस को मनाया जाता है तथा इसके आधार पर विभिन्न कार्यक्रम और नीतियों को तय किया जाता है। यह दिवस एक सांकेतिक अवसर है, इन सांकेतिक दिवसों की सार्थकता, कार्यक्रम आयोजित करने, भाषण देने, पुरस्कार वितरित करने या घोषणा करने में नहीं है, बल्कि यह दिवस हर वर्ष हमें यह याद दिलाता है कि हम कहां चूक रहे हैं और हमें वास्तव में समाज को आदर्श बनाने में क्या कुछ और करना है। अभी भी ऐसा लगता है कि बहुत से लोग विकलांगता को किसी और की समस्या समझते हैं और सोचते हैं कि हम तो भगवान

की दया से ठीक हैं, जो गलत सोच है। इसी संदर्भ में 2023 अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस का थीम है 'विकलांग व्यक्तियों के लिए उनके साथ और उनके द्वारा एसडीजी को बचाने और प्राप्त करने के लिए कार्रवाई में एकजुट होना'। संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में लगभग 15 प्रतिशत लोग दिव्यांगजनों की श्रेणी में आते हैं। विकलांग व्यक्तियों की एक अरब आबादी में से 80 फीसदी विकासशील देशों में रहते हैं। प्रत्येक 10 बच्चों में से एक बच्चा विकलांगता से ग्रस्त है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 2.68 करोड़ विकलांग व्यक्ति हैं जो कुल जनसंख्या का 2.21 प्रतिशत हैं। कुल विकलांगों में 56 प्रतिशत पुरुष और 44 प्रतिशत महिलाएं हैं। 69 प्रतिशत दिव्यांग ग्रामीण क्षेत्र से हैं और शहरों में 31 प्रतिशत विकलांग रहते हैं। भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता, न्याय व गरिमा सुनिश्चित करता है और विकलांग व्यक्तियों समेत एक संयुक्त आदर्श समाज बनाने को जोर डालता है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अप्रैल 2015 को विकलांग शब्द के स्थान पर दिव्यांग शब्द से संबोधित करने की घोषणा की थी जो विकलांगजनों को सम्माननीय बनाने की ओर एक कदम है। भारत सरकार ने विकलांगों के लिए तीन कानूनों को लागू किया, कानूनी फ्रेमवर्क के अलावा गहन संरचना का विकास किया है, जिसमें सात राष्ट्रीय संस्थान हैं, जो मानव बल के विकास के लिए हैं। पांच संयुक्त पुनर्वास केंद्र, चार पुनर्वास केंद्र तथा 120 विकलांग पुनर्वास केंद्र हैं जो लोगों को विभिन्न प्रकार की पुनर्वास सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ राज्य सरकारों के पुनर्वास केंद्र सेवाएं प्रदान कर रहे हैं तथा साथ में 250 निजी संस्थान भी हैं। इसके अलावा विकलांग व्यक्तियों को स्वरोजगार के लिए राष्ट्रीय अपंग तथा वित्तीय विकास निगम ऋण मुहैया करवा रहा है। गैर सरकारी संगठन भी सारे भारत में सक्रिय हैं। वैसे तो विकलांगता की चार मुख्य श्रेणियां हैं, जिनमें दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, वाकबाधित, अस्ति विकलांग और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति हैं, परन्तु विकलांग प्रमाणपत्र और अन्य सरकारी सुविधाओं के लिए दिव्यांगता के 21 प्रकार हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश का संबंध है, यहां पर भी विकलांगता पर बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। हिमाचल में 2001 में 155950 विकलांग व्यक्ति थे जो कुल जनसंख्या का 2 प्रतिशत बनता है। इसमें से 144756 ग्रामीण इलाके में तथा 11194 शहरी इलाके में हैं। इनमें 64122 दृष्टि बाधित, 15239 दिव्यांग श्रवण बाधित और 12762 वाणी बाधित थे।

कुछ अलग

मुल्क मजे में है...

देखिए जी, मुल्क मजे में है। जैसे हुक्मरान मजे में हैं। बाबा लोग मजे में हैं। धर्माचार्य मजे में हैं। कोई फिक्र फाका नहीं। एकदम से मस्त। मजा पूरे शबाब पर। मुल्क दौड़ रहा है नाक की सीध में सरपट। बीच में कोई अवरोध नहीं। कोई ट्रैफिक जाम नहीं। कोई रैली, धरना, प्रदर्शन नहीं। सडक़ में कोई खड्डा या गड्ढा नहीं। कोई पेड़ नहीं। कोई झाड़ी नहीं। रॉन्ग साइड में कोई गाड़ी नहीं। सडक़ चकाचक। एकदम से क्लियर रास्ता। मुल्क को और क्या चाहिए! मुल्क लगातार आगे बढ़ रहा है। नए-नए रिकॉर्ड बना रहा है और अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। कोई ऐसी फील्ड नहीं है जिसमें मुल्क ने नए रिकॉर्ड नहीं बनाए। मुल्क ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि रिकॉर्ड ऐसे बनते हैं। इन रिकार्डों के सर्टिफिकेट भी मुल्क के पास हैं। लॉकर में सुरक्षित। कोई माई का लाल इन सर्टिफिकेट को चुरा नहीं सकता। डुप्लीकेट बना नहीं सकता। ओरिजिनल रिकॉर्ड हैं और ओरिजिनल सर्टिफिकेट। ऐसे-ऐसे सर्टिफिकेट दुनिया के किसी मुल्क के पास नहीं होंगे, लेकिन हमारे पास हैं। जैसे भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट। महंगाई के रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट। नेताओं के गौरवपूर्ण करैक्टर के रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट। रेप के रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट। इलेक्शन में वायदों के रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट। वायदे पूरे न करने के रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट और एक दूसरे पर कीचड़ उछालने के रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट। यह तमाम रिकॉर्ड और उनके सर्टिफिकेट हमारे मुल्क की आन, बान और शान हैं। हम इन रिकार्डों पर इतरा रहे हैं, मुल्क पर बलिहारी हुए जा रहे हैं। मुल्क मजे में है। मुल्क दौड़ रहा है। फिर टेंशन भी काहे को लें। अब देखो न, सरकार भी कोई टेंशन नहीं लेती। मजे से सोई रहती है और मजे लेती रहती है। अपनी खुदा से यही फरियाद है कि सरकार का बाल भी बांका न हो। सरकार के घुटनों में कभी सूजन ना आए। सरकार के पांव में कभी कांटा न चुभे। कान पर कभी जूं न रेंगे। वरना लफड़ा हो जाएगा। वैसे भी इन दिनों कई लफड़ेबाज सक्रिय हैं। खामखा मुल्क को बदनाम कर रहे हैं। मुल्क को लेकर बड़ी कंट्रोवर्सी भरी बातें कर रहे हैं। पूरी दुनिया इन बातों को कान लगाकर सुन रही है। अपुन को यह अच्छा नहीं लग रहा। कोई कह रहा है कि मुल्क इधर जा रहा है तो कोई कह रहा है कि मुल्क उधर जा रहा है। कोई चिंता जता रहा है कि मुल्क दिशा से भटक गया है। जैसे मुल्क न हुआ, बेचारी गाय हो गई जो बाड़ तोड़ कर पड़ोसी के खेत में घुस गई हो। कोई कह रहा है मुल्क पहले चल रहा था, अब खड़ा हो गया है। जैसे पेट्रोल खत्म हो जाने पर कोई बाइक सडक़ के बीचों-बीच खड़ी हो जाती है या फिर शॉपिंग मॉल पर जाकर वाइफ खड़ी हो जाती है। कोई माथे पर हाथ रख कह रहा है- हे राम! इस मुल्क में क्या-क्या दिन देखने पड़ रहे हैं, तो कोई घुटनों के बीच सिर देकर यह कह रहा है कि अब इस मुल्क का क्या होगा! कोई बुड़बड़ा रहा है कि जिन हाथों में मुल्क की लगाम सौंपी थी, वे ही बेलगाम हो गए हैं। यानी फिजूल का चिंतन हो रहा है। फालतू किस्म के लोग और अंड बंड सोच जा रहे हैं। चैनलों पर भी अलग-अलग दलों के प्रवक्ता मुल्क की सूरते हाल को लेकर एक दूसरे के कपड़े फाडऩे पर उतारू हैं। यानी बेकार की लफड़ेबाजी में मुल्क फोकस में है। जैसे नेताओं के लिए कुर्सी फोकस में होती है, अफसरों के लिए घूस और पति परमेश्वरों के लिए प्रेमिका। अब मूर्खों को कौन समझाए कि फालतू के चिंतन छोड़ दो! अपना मुल्क तो मजे में है। पब्लिक शान से जी रही है।

देश दुनीया से

मुंबई हमले के डेढ़ दशक बाद भी अल्प-विकसित है हमारी शहरी निगरानी व्यवस्था

पंद्रह साल पहले मुंबई में हुए 26/11 के आतंकी हमले ने भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान को स्तब्ध कर दिया था। जिस दुस्साहस के साथ उसे अंजाम दिया गया था, उससे बाकी भारत असहाय और अनिर्णय की स्थिति में दिखने लगा था। लेकिन पंद्रह साल बाद भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान को कठघरे में लाने में भारत विफल रहा है, जबकि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों ने आतंकवादी कार्रवाइयों के खिलाफ प्रतिबंधों का समर्थन किया था। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों पर पाकिस्तान को समर्थन उसे अभियोजन से बचाता है, क्योंकि पश्चिम असहाय रहता है। आतंकी हमलों का इस्तेमाल पाकिस्तान की विदेश नीति का विश्वसनीय हिस्सा है, जिसे वह नहीं छोड़ेगा। उरी एवं बालाकोट हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक के बावजूद यह भारत की चिंता का विषय है। आतंकवाद के खिलाफ सफल खुफिया ऑपरेशन वास्तव में रक्षा के लिए पहली जरूरत है और ऐसे संभावित खतरों को रोकने के लिए हमारी खुफिया एजेंसियों की सराहना की जानी चाहिए। लेकिन क्या हम उन स्थितियों से निपटने के लिए गंभीरता से तैयारी कर रहे हैं, जो हमें आतंकी हमलों से बचा सकती है, और क्या हम पाकिस्तान से आ रहे अशुभ बादलों को देख पा रहे हैं? यह रुका नहीं है, जैसा कि हमने हाल ही में देखा कि नियंत्रण रेखा के उस पार से हमले हो रहे हैं। बार-बार हो रहे ये आतंकी हमले अशुभ संकेत हैं। आत्मघाती हमलों के लिए उपयोग की जा रही ये तकनीकें भविष्य में भी हमलों के लिए मॉडल प्रदान करती हैं। वास्तव में 26/11 हमले के बाद से पश्चिमी सरकारों (यहां तक कि अमेरिका और ब्रिटेन तक) ने शहरी ठिकानों पर हमले के लश्कर के 'मुंबई टैम्पलेट' का विस्तार से विश्लेषण किया, प्रोटोकॉल तैयार किए और अपनी प्रतिक्रिया (जवाबी कार्रवाई) का पूर्वाभ्यास किया। पर भारत में हम तैयारी से कोसों दूर नजर आते हैं। हमारे शहरों ने, कम से कम मेट्रो शहरों ने अभी तक इसका अनुसरण क्यों नहीं किया? जबकि आज लगभग सभी सुरक्षा जरूरतों के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध हैं। मुंबई के गृह मंत्रालय और पुलिस विभाग ने किस तरह तटीय सुरक्षा के प्रति पूर्णतः गैर-पेशवर रुख दिखाया है, इसकी एक ताजा रिपोर्ट देखिए। कथित रूप से पिछले तीन वर्षों में मुंबई पुलिस ने मुंबई के तटीय इलाकों की सुरक्षा के लिए 46 नावें खरीदीं, लेकिन आज उनमें से मात्र आठ नावें ही काम कर रही हैं। पाकिस्तान द्वारा मुंबई को लक्ष्य के रूप में चुनने का एक कारण पूरे मुंबई में तैयारियों की दयनीय स्थिति थी। इसने भारत की बहुत खराब छवि पेश की और इसके पुलिस बल पॉइंट 303 बोल्ट ऐक्शन राइफल भी चलाने में असमर्थ थे, एके 47 या 56 तो दूर की बात थी। अफसोस की बात है कि जो लोग पुलिस में भर्ती होते हैं, उन्हें आतंकियों या विद्रोहियों से लड़ने में दिलचस्पी नहीं है। वे ट्रैफिक चालान काटने में ही सक्षम हैं। इससे कसाब जैसे आतंकवादी को डर नहीं लगेगा। सबसे बड़ी बात है कि जब दुनिया भर में आतंकवाद से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है, तब हमारे शहरों की निगरानी व्यवस्था अल्प-विकसित बनी हुई है। जैसा कि मुंबई की जंग खा रही नावों के साथ हुआ है, पूरे देश में पुलिस विभाग अपने राजनीतिक आकाओं को तब तक नए उपकरणों की मंजूरी के लिए कहती रहती हैं, जब तक वे भी सड़ न जाएं। जो भी थोड़ी-सी नावें बची हैं, वे मुश्किल से काम करती हैं। पुलिस में प्रशिक्षण एवं उपकरणों के रख-रखाव की अवधारणा सशस्त्र बलों से अलग है, जो कि पुराने उपकरणों से भी सबसे बुरी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहते हैं। राज्यों की राजधानियों में हाई-टेक पुलिस कमांड सेंटर बनते हैं और मंत्रियों को दिखाया जाता है, जो फिर घर जाकर आराम से सोते हैं। लेकिन बीट कॉन्स्टेबल को अक्सर अकेले बिना वॉकी-टॉकी के लाठी के सहारे हमारे शहरों और लोगों की सुरक्षा के लिए छोड़ दिया जाता है। हालांकि कुछ सीमाएं हैं। राज्य पुलिस का बजट बेहद अपर्याप्त है, जिससे मुश्किल से ही पुलिस का खर्च निकल पाता है। इसमें मुख्यमंत्रियों का भी दोष है। पुलिस आधुनिकीकरण लगभग पूरी तरह से केंद्र सरकार के अनुदान पर निर्भर है। दूसरी समस्या यह है कि हम केंद्रीय आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को बढ़ाकर ऊपर से नीचे की ओर समाधान थोपना चाहते हैं, जबकि सांविधानिक एवं कानूनी ढांचा पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था को राज्य की जिम्मेदारी बताता है। इस प्रकार राज्य पुलिस बल आतंकवादी हमलों सहित सभी प्रकार के अपराधों की रोकथाम करने, पता लगाने, पूर्व-निवारण और फिर निष्प्रभावी करने और जांच करने के लिए प्राथमिक तंत्र है।

संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों पर पाकिस्तान को समर्थन उसे अभियोजन से बचाता है, क्योंकि पश्चिम असहाय रहता है। आतंकी हमलों का इस्तेमाल पाकिस्तान की विदेश नीति का विश्वसनीय हिस्सा है, जिसे वह नहीं छोड़ेगा। उरी एवं बालाकोट हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक के बावजूद यह भारत की चिंता का विषय है। आतंकवाद के खिलाफ सफल खुफिया ऑपरेशन वास्तव में रक्षा के लिए पहली जरूरत है और ऐसे संभावित खतरों को रोकने के लिए हमारी खुफिया एजेंसियों की सराहना की जानी चाहिए। लेकिन क्या हम उन स्थितियों से निपटने के लिए गंभीरता से तैयारी कर रहे हैं, जो हमें आतंकी हमलों से बचा सकती है, और क्या हम पाकिस्तान से आ रहे अशुभ बादलों को देख पा रहे हैं? यह रुका नहीं है, जैसा कि हमने हाल ही में देखा कि नियंत्रण रेखा के उस पार से हमले हो रहे हैं।

आप का नजरीया

चौंकाऊ एग्जिट पोल

पांच राज्यों-मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम-में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया सम्पन्न हो चुकी है। अब 3 दिसंबर को जनादेश सार्वजनिक किए जाएंगे, लेकिन मतदान के बाद एग्जिट पोल के अनुमान चौंका देने वाले हैं। हालांकि विभिन्न अनुमानों में विरोधाभास हैं। निष्कर्ष भी विभाजित हैं, लेकिन एक चुनावी रुझान स्पष्ट हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के संबोधनों का असर कहीं 20 फीसदी के करीब है, तो किसी राज्य में 5 फीसदी का अनुमान लगाया गया है। प्रधानमंत्री के चेहरे और संबोधन से भाजपा को अब भी वोट मिल रहे हैं, यह निश्चित लगता है। एग्जिट पोल की परंपरा भारत में नहीं थी। यह चुनावी मूल्यांकन की पश्चिमी पद्धति है, लेकिन वहां काफी सटीक साबित होती रही है। हमारे देश में भी कुछ चुनावी अनुमान 65 फीसदी से 95 फीसदी तक सही रहे हैं, लिहाजा एग्जिट पोल को नकारा नहीं जा सकता। बहरहाल सबसे चौंकाऊ अनुमान तेलंगाना के हैं, जहां बीते 10 साल से सत्तारूढ़ रहे चंद्रशेखर राव और उनकी पार्टी बीआरएस की विदाई का वक्त आ गया लगता है। एग्जिट पोल में वे पिछड़ते लग रहे हैं और कांग्रेस की बहुमत वाली सरकार बनने की संभावनाएं सर्वाधिक हैं। यदि ऐसा होता है, तो कांग्रेस के पुनरोत्थान का अध्याय शुरू हो सकता है। तेलंगाना का 'सहोदर राज्य' आंध्रप्रदेश है, जहां आज भी कांग्रेस का काडर शेष है। पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सत्तारूढ़ है और तमिलनाडु में सरकार का एक घटक है। केरल में प्रमुख विपक्षी दल है, जिसके लोकसभा सांसद सर्वाधिक हैं। यदि कांग्रेस नेतृत्व ने गंभीर प्रयास किए, तो पार्टी दक्षिण भारत से 'चुनावी ताकत' बनकर उभर सकती है। यह भाजपा के लिए प्रत्यक्ष चुनौती है। बहरहाल दूसरा चौंका देने वाला अनुमान राजस्थान के संदर्भ में सामने आया है। हालांकि एग्जिट पोल के आंकड़े विभाजित और विभिन्न हैं, लेकिन अनुमान ऐसे हैं कि उस राज्य में कांग्रेस 'सत्ता का रिवाज' बदलती लग रही है। कांग्रेस की गारंटियां कारगर और सार्थक होती लग रही हैं। कुछ पोल भाजपा के बहुमत के प्रति आश्वस्त लग रहे हैं, लेकिन कुल मिला कर कांग्रेस और भाजपा के बीच बेहद कड़ी टक्कर लगती है, लेकिन ज्यादा फायदा कांग्रेस के पक्ष में झुक रहा है। यदि कांग्रेस को ही जनादेश मिलता है, तो बीते 30 सालों का रिवाज बदल जाएगा। राजस्थान में 1993 से हर पांच साल के बाद सत्ता बदलती रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान में 15-16 जनसभाओं को संबोधित किया था और राजधानी जयपुर में बड़ा लंबा और जनसमर्थन वाला रोड शो भी किया था, लिहाजा रिवाज बदलता है, तो यह लोकसभा चुनाव के लिए भी सुखद संकेत नहीं है। 2019 के आम चुनाव में राज्य की सभी 25 संसदीय सीटों पर भाजपा उम्मीदवार जीते थे। कमोबेश अब कांग्रेस उस 'शून्य' वाली स्थिति से उबरती लगती है। बहरहाल तीसरा आश्चर्य मध्यप्रदेश के संदर्भ में सामने आया है। वहां के अनुमान हैं कि करीब 18 साल की सत्ता के बावजूद भाजपा दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रख सकती है। यह भाजपा की 2003 के बाद 5वीं सरकार होगी।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू से मिले प्रधानमंत्री मोदी, विभिन्न विकास मुद्दों पर हुई चर्चा

दुबई ।
भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने दुबई में कॉप-28 शिखर सम्मेलन के अवसर पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों ने आपसी साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए कोर ग्रुप स्थापित करने पर सहमति जाहिर की।

बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय वार्ता को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बता दें, दोनों नेताओं ने पहली बार बैठक की। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मोइज्जू चीन समर्थित नेता है।

पीएम मोदी ने कहा- हम मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं

बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि राष्ट्रपति मोइज्जू के साथ बैठक की। सार्थक चर्चा हुई। हमने अलग-अलग क्षेत्रों में भारत-मालदीव के बीच मित्रता को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। हम अपने नागरिकों के लाभ के लिए सहयोग को गहरा करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। पीएमओ के अनुसार, दोनों नेताओं ने आर्थिक संबंधों, विकास सहयोग, जलवायु परिवर्तन और खेल सहित अन्य क्षेत्रों पर बात की। पीएम मोदी ने नवनियुक्त राष्ट्रपति को व्यक्तिगत रूप से बधाई दी। दोनों नेताओं ने इन तरीकों पर भी चर्चा की कैसे हम अपनी साझेदारी को और अधिक मजबूत बना सकते हैं। बता दें, मालदीव रणनीतिक हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसियों में से एक है।

77 भारतीय सैनिकों की निकासी का अनुरोध राष्ट्रपति मोइज्जू ने हाल ही में राष्ट्रपति के रूप में पदस्थ हुए हैं। शपथ ग्रहण समारोह के एक दिन बाद ही राष्ट्रपति कार्यालय में लोक नीति मामलों के अवर सचिव मोहम्मद फिरुजुल अब्दुल खलील ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि मालदीव में 77 भारतीय सैन्यकर्मी हैं। मालदीव के मीडिया ने फिरुजुल के हवाले से कहा कि पहले हेलीकॉप्टर के प्रबंधन के लिए 24 सैन्यकर्मी, डोर्नियर विमान के प्रबंधन के लिए 25 भारतीय, दूसरे हेलीकॉप्टर के प्रबंधन के लिए 26 कर्मी और रखरखाव व इंजीनियरिंग के लिए दो अन्य सैन्य कर्मी मालदीव की धरती में पदस्थ है।

न्यूज ब्रीफ

एक ही दिन दो विमानों के साथ हादसे, एक का लैंडिंग गियर टूटा, एक का विंग इमारत से टकराया

डोडोमा । पूर्वी अफ्रीका के तंजानिया में एक ही दिन हवाईअड्डे पर दो नाटकीय घटना देखने को मिली। यह घटना है, जब तीन क्रू सदस्यों समेत 30 यात्रियों के साथ यूनाइटेड एयर जांजीबार विमान जांजीबार से उड़ान भरी। किकोबोगा में लैंडिंग की कोशिश के दौरान विमान का मुख्य लैंडिंग गियर टूट गया, जिससे विमान रनवे से हट गया और नोज गियर और दोनों विंग के सहारे रूक गया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। इस घटना के छह घंटे बाद किकोबोगा में एक और नाटकीय घटना देखने को मिली। दरअसल, करीबन इतनी ही यात्रियों के साथ एक अन्य विमान किकोबोगा से जांजीबार के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार थी। इसी दौरान विमान का नोज गियर टूट गया और विमान का दाहिना विंग एक इमारत से टकरा गया। हालांकि इस घटना में भी किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। दोनों विमानों के नाटकीय घटना के बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो के जरिए दोनों विमान कितना क्षतिग्रस्त हुआ इसकी जानकारी दी गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो को शेयर करते हुए एक यूजर ने बताया कि दो ईएमबी-120 ब्रासिलिया विमान क्षतिग्रस्त हो गया। 5एच-एमजेएच का गियर टूट गया तो 5एच-एफएलएम का विंग इमारत से टकरा गया था।

भारत का युवा भविष्य बदल रहा है, संयुक्त राष्ट्र में बोलीं रुचिरा कंबोज

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि भारत की युवा आबादी दुनिया में सबसे बड़ी है। कंबोज ने कहा कि हमारे युवा भविष्य को आकार दे रहे हैं और तकनीक की मदद से स्थायी विकास लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में 1एम1बी एक्टिवेट इम्पैक्ट समिट में अपने संबोधन के दौरान रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत युवा शक्ति की बदलाव की ताकत में पूरा विश्वास रखता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि 2030 तक स्थायी विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ऊर्जा के स्त्रोतों को बढ़ाने, मौलिकता और युवा जनता के अविष्कार अहम हैं। भारत सबसे युवा आबादी वाला देशों में से एक है और हम सिर्फ भविष्य को बनते ही नहीं देख रहे हैं बल्कि हम भविष्य को नया आकार दे रहे हैं। कंबोज ने कहा कि भारतीय युवाओं के कृषि, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे अविष्कार इस बात का शानदार उदाहरण हैं कि तकनीक की मदद से किस तरह बेहतरी लाई जा सकती है और किस तरह से चुनौतियों को अवसरों में बदला जाता है। इस कार्यक्रम का आयोजन यूएन के ग्लोबल कम्युनिकेशन विभाग ने एनजीओ 1एम1बी के साथ मिलकर किया था। ग्लोबल कम्युनिकेशन के डायरेक्टर ऑफ आउटरीच मेहर नसीर ने भी माना कि भारत एक युवा आबादी वाला देश है। उन्होंने बताया कि जापान की औसत आयु 48 साल, यूरोप की 44 साल और अमेरिका की औसत आयु 39 साल है। वहीं भारत की औसत आयु 28 साल है।

ब्राउन कीवी संरक्षण प्रयास में मिली कामयाबी, 150 साल में पहली बार राजधानी में दो चूजों का जन्म

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में संरक्षणवादियों ने 150 वर्षों में दो कीवी चूजों की खोज की है, जो कि प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पक्षी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पल है। साल 1991 में कीवी बचाव अभियान शुरू किया गया था और एक साल पहले कैपिटल कीवी प्रोजेक्ट शुरू किया गया। इसी के साथ शहर में नॉर्थ आइलैंड ब्राउन कीवी को फिर एक बार देखा गया। ब्राउन कीवी देश की सामान्य प्रजातियों में से एक है। न्यूजीलैंड संरक्षण विभाग ने दो पीढ़ियों के भीतर इन प्रजातियों के खत्म होने की चेतावनी दी है। इसी के साथ कैपिटल कीवी प्रोजेक्ट ने ट्रांसमीटर के उपयोग से चूजों की निगरानी करने के साथ 18 अन्य ब्राउन कीवी पालने का लक्ष्य बनाया है।

चीन पर यात्रा प्रतिबंध लगाने की तैयारी बच्चों में रहस्यमयी बीमारी फैलने के बाद अमेरिका में उठी मांग

वॉशिंगटन ।
चीन में बच्चों में एक अज्ञात सांस संबंधी बीमारी और न्यूमोनिया फैल रहा है। इसे लेकर पूरी दुनिया में चिंता के स्वर उठने लगे हैं। अब अमेरिका के पांच सांसदों ने तो चीन पर यात्रा प्रतिबंध लगाने की मांग कर दी है। दरअसल रिपब्लिकन सांसद मार्को रुबियो के नेतृत्व में पांच सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन को चिट्ठी लिखी है।

अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

इस चिट्ठी में सांसदों ने मांग की है कि जब तक हम इस नई बीमारी के खतरों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं जुटा लेते तब तक हमें अमेरिका और चीन के बीच यात्रा पर तुरंत प्रतिबंध लगा देना चाहिए। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चीन से अपील की है कि वह चीन के बच्चों में फैल रही इस नई रहस्यमयी बीमारी के बारे में और ज्यादा जानकारी साझा करे। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ये भी कहा कि चीन की नई रहस्यमयी बीमारी उतने ज्यादा नहीं हैं, जितने कोरोना महामारी की शुरुआत में देखने को मिले थे। साथ ही अब कोई नया या असामान्य वायरस बैक्टीरिया भी संक्रमितों में नहीं पाया गया है।

ताइवान ने जारी की एडवाइजरी

वहीं ताइवान की सरकार ने बुजुर्गों और बच्चों को, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हैं, उन्हें चीन की यात्रा से बचने की सलाह जारी की है। ताइवान की सरकार ने कहा है कि अगर यात्रा करना जरूरी है तो पहले फ्लू और कोरोना वैक्सीन लगवाकर ही चीन की यात्रा करें। बता दें कि हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि चीन जो कि अभी भी कोरोना महामारी से उबर रहा है, वहां एक और रहस्यमयी बीमारी से बड़ी संख्या में बच्चे बीमार हो रहे हैं। चीन के बीजिंग और लिओनिंग प्रांत में बड़ी संख्या में बच्चे इस रहस्यमयी न्युमोनिया से प्रभावित हुए। इसके चलते चीन में कई जगहों पर स्कूल बंद कर दिए गए थे। इस बीमारी में बच्चे बुखार और फेफड़ों में संक्रमण की समस्या हो रही है। हालांकि बीमारी में बच्चों को खांसी के कोई लक्षण नहीं हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन में एक बार फिर अधिक मतों के साथ चयनित हुआ भारत, उच्चायुक्त ने जताई खुशी

लंदन । अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) परिषद में एक बार फिर भारत को सबसे अधिक समर्थन के लिए चुन लिया गया। भारत का चुनाव ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे बड़ी रुचि वाले 10 राज्यों की श्रेणी में होता है। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने कहा कि वोटिंग वैश्विक समुद्री संचालन में भारत के विविध योगदान को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चुनाव के बाद दोरईस्वामी ने बताया कि भारत को समुद्री क्षेत्र में सेवा जारी रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने एक बार फिर चुन लिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन से हम बेहद खुश हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज लंदन में आईएमओ काउंसिल के लिए सबसे अधिक संख्या के साथ हमारा हमारा एक बार फिर निर्वाचन हुआ। यह भारत की निरंतरता, गौरवशाली और अटूट रिकॉर्ड को दर्शाता है। यह हमारी सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। बता दें, आईएमओ समुद्री क्षेत्र की देखरेख करने वाली प्रमुख संस्था है। यह बदले में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, परिवहन और सभी समुद्री गतिविधियों को रेखांकित करती है। बैठक आईएमओ की 33वीं असेंबली की बैठक 27 नवंबर से छह दिसंबर के बीच लंदन में जारी है।

ट्रंप की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, यूएस कैपिटल हिंसा मामले में हो सकती है कार्रवाई

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले से ही कई मुकदमों का सामना कर रहे डोनाल्ड ट्रंप पर अब 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद यूएस कैपिटल में हिंसा मामले में भी कार्रवाई हो सकती है। दरअसल को अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत ने यूएस कैपिटल हिंसा मामले में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ाने का आदेश दिया है।

ट्रंप ने दी थी ये दलील

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कैपिटल हिंसा मामले में अपील की थी कि उनके खिलाफ दर्ज मामले को खारिज कर दिया जाए। हालांकि अब कोर्ट ने ट्रंप को झटका देते हुए मुकदमे की कार्रवाई आगे बढ़ाने का आदेश दिया है। ट्रंप ने अपनी अपील में कहा था कि हिंसा के वक्त वह राष्ट्रपति पद पर थे और राष्ट्रपति होने के नाते उन्हें विपक्षी पार्टी और पुलिस अधिकारियों द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमें से इम्युनिटी दी जानी चाहिए। हालांकि तीन जजों के पैनल ने कहा है कि ट्रंप 2024 का चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन कानूनी कार्यवाही भी साथ चलती रहेगी।

यूएस कैपिटल हिल हिंसा में पांच की हुई थी मौत

बता दें कि साल 2020 में अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हार हुई थी। इसके बाद ट्रंप समर्थकों ने यूएस कैपिटल हिल का घेराव कर लिया था। इस दौरान ट्रंप समर्थकों ने अमेरिकी संसद में तोड़फोड़ और आगजनी की। 6 जनवरी 2021 को हुई इस हिंसा में एक पुलिस अफसर समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप पर अपने समर्थकों को भड़काने का आरोप लगा था। कैपिटल हिल हिंसा मामले में कई लोगों को दोषी भी ठहराया जा चुका है। इस मामले की जांच कर रही कमेटी ने ट्रंप पर हार के फैसले को पलटने, विद्रोह भड़काने, आधिकारिक कार्रवाई में बाधा डालने, साजिश रचने और देश को धोखा देने जैसे आरोप लगाए थे।

पीटीआई के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए बैरिस्टर गोहर अली खान, इमरान खान की ली जगह

इस्लामाबाद ।
बैरिस्टर गोहर अली खान, पाकिस्तान की तहरीक ए इंसाफ पार्टी के नए अध्यक्ष बन गए हैं। बैरिस्टर गोहर अली खान निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। बता दें कि अब तक पीटीआई के अध्यक्ष के पद पर पूर्व पीएम इमरान खान काबिज थे लेकिन फिलहाल वह जेल में बंद हैं।

पीटीआई में नेतृत्व स्तर पर हुए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बैरिस्टर गोहर को इमरान खान ने ही अध्यक्ष पद के लिए नामित किया था। पार्टी का अध्यक्ष चुने जाने के बाद मीडिया से बात करते हुए बैरिस्टर गोहर ने कहा कि वह बतौर इमरान खान के प्रतिनिधि अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। ओमर अयूब खान को पार्टी का महासचिव चुना गया है। वहीं बलूचिस्तान में पीटीआई अध्यक्ष के तौर पर मुनीर अहमद बलोच की नियुक्ति हुई है। सिंध के लिए हलीम आदिल शेख, खैबर पख्तूनख्वा में अली अमीन गंदापुर और पंजाब में डॉ. यासमीन राशिद को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है।

पीटीआई ने लगाए आरोप

बता दें कि पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पीटीआई को आम चुनाव से पहले पार्टी के आंतरिक चुनाव कराने का निर्देश दिया है। ऐसे में बैरिस्टर गोहर खान की नियुक्ति को भी चुनाव आयोग के आदेश से जोड़कर देखा जा रहा है। बता दें कि पाकिस्तान में आम चुनाव में करीब दो महीने का ही वक्त बचा है और राजनीतिक पार्टियां अपने प्रचार की तैयारियों में जुटी हैं। वहीं पीटीआई की शिकायत है कि उन्हें समान मौके नहीं दिए जा रहे हैं और चुनाव आयोग के आम चुनाव के समय ही पार्टी के आंतरिक चुनाव कराने के आदेश को इमरान खान की पार्टी को चुनाव से दूर रखने की साजिश बताया जा रहा है।

पीटीआई का कहना है कि उन्होंने बीते साल भी आंतरिक चुनाव कराए थे लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया था।

हमास वादों से मुकर गया, अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताई गाजा में संघर्ष विराम के खत्म होने की वजह

दुबई ।
अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बताया कि इजराइल-हमास का संघर्ष विराम हमास के कारण अब समाप्त हो गया है। उन्होंने आतंकी संगठन के अपने वादों से मुकरने का दावा भी किया है। दुबई एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए ब्लिंकन ने कहा, मैंने स्पष्ट किया है कि युद्ध विराम के बाद भी इजराइल नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता जारी रखे। हमने आज ही देखा कि इजराइल कुछ हिस्सों से बाहर निकल चुका है। इससे साफ पता चलता है कि गाजा में नागरिक सुरक्षित स्थानों पर रह सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि युद्ध विराम खत्म होने का मतलब है कि हमास ने अपना वादा तोड़ दिया।

ब्लिंकन ने कहा, यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि यह विराम खत्म क्यों हुआ यह विराम हमास की वजह से खत्म हुआ। हमास ने जो वादा किया था, वह उससे मुकर गया। विराम खत्म होने से पहले ही हमास ने यरूशलम में हमला कर दिया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं अमेरिकी नागरिक समेत कई अन्य घायल हो गए। विराम खत्म होने से पहले उन्होंने रॉकेट दागना शुरू कर दिया। जैसा कि मैंने कहा कि वह अपने वादे से मुकर गए।

बंधकों की रिहाई एकमात्र लक्ष्य

ब्लिंकन ने क्षेत्र में शांति बरतने के लिए अमेरिका के समर्थन को दोहराया और बताया कि अमेरिका का लक्ष्य फिलहाल बंधकों को छुड़ाना है। उन्होंने कहा, हम बंधकों को उनके घर पहुंचाने में हर संभव कोशिश करेंगे। हमारे पास सात दिन का विराम था, जिसमें लोग अपने घर पहुंचे और अपने परिवार वालों से मिले। हम स्पष्ट रूप से इजराइल का समर्थन कर रहे हैं और हमारी कोशिश है कि सात अक्तूबर वाली घटना फिर से न दोहराई जाए। हम चाहते हैं कि सभी बंधक अपने-अपने घर पहुंचे।

सात दिनों के विराम के बाद इजराइल और हमास के बीच युद्ध फिर से शुरू हो गया। स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर हमला किया। 30 नवंबर को ब्लिंकन ने फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से रामल्लाह में मुलाकात की थी।

हमास के हमले में मारे गए युवकों के स्पर्म संरक्षित करा रहे परिजन, लोगों को मिली नई उम्मीद

तेल अवीव ।
युद्ध से जूझ रहे इजराइल में लोग लड़ाई में मारे जा रहे अपने प्रियजनों के स्पर्म (शुक्राणु) संरक्षित करा रहे हैं। इससे अपनों को खो चुके लोगों को उम्मीद की एक नई किरण नजर आ रही है। यही वजह है कि इजराइल में अपने बच्चों के स्पर्म संरक्षित कराने की मांग करने वाले लोगों की बाढ़ सी आ गई है।

कैसे हुई शुरुआत – इजराइल की प्रोफेसर शिर दाफना तेकोह को 7 अक्तूबर के हमास के हमले में अपनों को खोने वाले लोगों को सांत्वना देने और उन्हें समझाने की जिम्मेदारी दी गई थी। शिर दाफना बताती हैं कि हमास के हमले के बाद अस्पतालों में शवों के ढेर लग गए थे और अपनों को खोने वाले परिजन निराशा और अंधकार में डूबे नजर आ रहे थे। इसी बीच उन्होंने म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान अपने बेटे को खोने वाली एक महिला से पूछा कि क्या वह अपने बेटे की मौत के बाद उसके स्पर्म संरक्षित कराना चाहेंगी दाफना ने बताया कि यह सुनकर महिला की आंखों में चमक आ गई और उसने बेटे के स्पर्म संरक्षित करने की मंजूरी दे दी। दाफना बताती हैं कि इसके बाद उन्होंने अस्पताल प्रशासन से बात की और कुछ घंटे बाद ही कानूनी कार्रवाई के बाद शव के स्पर्म संरक्षित कर लिए गए। दाफना बताती हैं कि उसके बाद कई परिजनों ने भी इसकी मांग की। इजराइली अस्पतालों का कहना है कि अब बड़ी संख्या में लोग ये मांग कर रहे हैं। अब इन स्पर्म से गर्भधारण कराकर बच्चे पैदा होंगे। ऐसे में युद्ध की विभिषिका झेल रहे इजराइली लोगों के लिए स्पर्म संरक्षित कराने की प्रक्रिया वरदान बनकर आई है।

क्या है पीएसआर प्रक्रिया – बता दें कि इस प्रक्रिया में शव से स्पर्म निकालकर उन्हें लिक्विड नाइट्रोजन में फ्रोजन स्थिति में रखा जाता है। पहले इस प्रक्रिया के लिए कोर्ट से मंजूरी लेनी पड़ी थी लेकिन अब इजराइल की सरकार ने भी अस्पतालों को यह आदेश दिया है कि अगर परिजन मांग करते हैं तो तुरंत शव से स्पर्म निकालकर संरक्षित किए जाएं। बता दें कि मौत के 24 घंटे बाद तक स्पर्म सक्रिय रहते हैं।

भारतवंशी रेडियो होस्ट को मारने की रची थी साजिश, न्यूजीलैंड में तीन खालिस्तानी कट्टरपंथी दोषी करार

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड में एक भारतवंशी की हत्या की साजिश रचने के मामले में तीन खालिस्तानी आतंकियों को दोषी पाया गया है। बताया गया है कि इन तीनों ने ऑकलैंड में रेडियो होस्ट हरनेक सिंह की हत्या की साजिश रची थी। हरनेक खालिस्तानी विचारधारा के कट्टर आलोचक रहे हैं और इसलिए वे इन कट्टरपंथियों के निशाने पर आ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 वर्षीय सर्वजीत सिद्धू इस मामले का मास्टरमाइंड था। उसने हत्या की कोशिश के आरोपों को कबूल लिया है। वहीं, 44 वर्षीय सुखप्रीत सिंह को उसके सहयोग के लिए दोषी ठहराया गया है। ऑकलैंड के रहने वाले एक तीसरे व्यक्ति (जिसका नाम बताए जाने पर फिलहाल रोक लगाई गई है) को खालिस्तान आंदोलन के खिलाफ बोलने वाले हरनेक सिंह पर हमले की साजिश रचने और उनके खिलाफ माहौल बनाने का दोषी ठहराया गया है। मामले में सुनवाई के दौरान जज मार्क वुलफोर्ड ने सिख समुदाय की सुरक्षा और धार्मिक कट्टरपंथ के खिलाफ कठोरता से रोक लगाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सजा सुनाने के मामले में हमें बिल्कुल अलग नजरिया अपनाना होगा। गौरतलब है कि हरनेक सिंह नेकी पर 23 दिसंबर 2020 को हमला हुआ था। खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने घात लगाकर रास्ते में उन पर हमला कर दिया था।

राजस्थान में बनेगी भाजपा की सरकार : अनुराग ठाकुर

कांग्रेस के कुशासन से मिलेगी मुक्ति

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय सूचना और प्रसारणमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। राज्य के लोगों को कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने यहां एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा में यह बात कही। ठाकुर शनिवार को राजस्थान के एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे। वो जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से अजमेर के लिए रवाना हो गए। वे मेयो कॉलेज के स्पोर्टस डे इनोग्रेशन में शामिल होने के लिए आए हैं। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और कल केवल नतीजे आने बाकी हैं। मतगणना में साफ हो जाएगा कि मतदाताओं

ने कांग्रेस सरकार के कुशासन को खत्म कर दिया है। जनता का इंतजार खत्म होगा और प्रदेशवासियों को गहलोत सरकार के कुशासन से मुक्ति मिल जाएगी। जनता ने कमल खिलाने के लिए भाजपा को आशीर्वाद दिया है। आमजन को एक दिन का इंतजार करना होगा, उसके बाद उन्हें गहलोत सरकार के कुशासन से मुक्ति मिल जाएगी। ठाकुर ने कहा कि दावे और झूठे वादे कांग्रेस की पुरानी आदत है। पांच साल पहले भी राहुल गांधी ने राजस्थान की जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन वे केवल वादे ही रहे। कांग्रेस के सारे वादे खोखले साबित होते हैं। कांग्रेस का चेहरा राजस्थान समेत पांचों राज्यों में बेनकाब हो चुका है। जनता ने चुनाव में कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ वोट दिया है। कांग्रेस का करंट पूरी तरह खत्म हो चुका है।

श्रीराम मंदिर के लिए लोगों को पीले चावल से निमंत्रण

जोधपुर (हिंस)। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि पर तैयार हो रहे भगवान श्रीराम मंदिर को लेकर जोधपुर में विश्व हिंदू परिषद की तरफ से आमजन और गांवों में निमंत्रण के लिए पीले चावल बांटे जा रहे है। लोगों को श्रीराम मंदिर के लिए न्यौता दिया जा रहा है। विहिप के प्रांत मंत्री परेमश्वर जोशी ने बताया कि आगामी वर्ष 2024 में अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर का कार्य पूर्ण होने के साथ ही शुभारंभ हो जाएगा। इसके लिए गांव गांव और मोहल्लों में लोगों को न्यौता देने के लिए चावल से निमंत्रण दिया जा रहा है। लोगों को अक्षत देकर निमंत्रण प्रदान किया जा रहा है। आज भारत माता मंदिर में पूजा अर्चना कर निमंत्रण के लोगों को भेजा गया। उन्होंनें बताया श्रीराम जन्म भूमि अयोध्या के तत्वावधान में पूरे देश में कार्यक्र म होने जा रहे है। लोगों को पीले चावल के साथ रामजी का चित्र भी दिया जा रहा है।

दूषित भोजन खाने से देर रात 40 स्कूली बच्चों की तबीयत बिगड़ी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के संगरूर में दूषित भोजन खाने से मैरीटोरियस स्कूल के 40 बच्चे गंभीर रूप से बीमार हो गए। इन बच्चों को संगरूर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें जहां बच्चों की निगरानी कर रही हैं वहीं शुक्रवार रात बच्चों ने जो भोजन खाया था, उसके सैंपल लिए गए हैं। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने घटना की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। पुलिस ने खाना मुहैया कराने वाले ठेकेदार को हिरासत में लिया है। सरकारी मैरीटोरियस स्कूल में शुक्रवार रात सामान्य की भांति बच्चों ने खाना खाया। खाना खाने के कुछ घंटे बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी और बच्चों ने उल्टियां करनी शुरू कर दी। कई बच्चों के मुंह से झाग निकलनी शुरू हो गई। देर रात 18 स्कूली बच्चों को संगरूर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद शनिवार सुबह भी 20 बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया। बच्चों का आरोप है कि दीपावली के बाद उन्हें घटिया स्तर का खाना दिया जा रहा है। इस संबंध में वह कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। कई बार उन्हें परोसे जाने वाले खाने में कीड़े-मकोड़े भी मिलते हैं। संगरूर के एसएमओ डॉ. कृपाल सिंह के अनुसार हालात में सुधार होने के बाद 14 बच्चों को छुट्टी दे दी गई है जबकि अन्य का इलाज चल रहा है। इस बीच शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस के निर्देश पर पुलिस ने खाना सप्लाई करने वाले ठेकेदार को हिरासत में ले लिया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि खाने की सैंपल ले लिए गए हैं। मेडिकल टीम को स्कूल में ही नियुक्त किया गया है।

तीर्थ यात्रा योजना पर हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को जारी किया नोटिस

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई तीर्थ यात्रा योजना विवादों में घिर गई है। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने इस मामले में दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए शनिवार को पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर दिया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुपर्व के अवसर पर संगरूर जिले से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत पहली गाड़ी से पंजाब के श्रद्धालु तीर्थों पर गए हुए हैं। इस योजना का विरोध करते हुए होशियारपुर के रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह कित्तणा ने वकील एचसी अरोड़ा के जरिए हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जिसे लेकर शनिवार को हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में कहा था कि सरकार ने उक्त यात्रा से आम लोगों के पैसे का दुरुपयोग किया है। इस यात्रा से किसी प्रकार से भी प्रदेश का भला नहीं हो रहा है। सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर 12 दिसंबर तक मामले में जवाब फाइल करने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा हाई कोर्ट में जवाब दायर किए जाने के बाद ही इस योजना को लेकर स्थिति साफ होगी।

पंजाब : पिता और चाचा ने मिलकर बेटे को मौत के घाट उतारा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुक्तसर साहिब जिले में एक व्यक्ति ने अपने भाई के साथ मिलकर बेटे को इस संदेह में मौत के घाट उतार दिया कि वह उसकी औलाद नहीं है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की शिनाख्त मनजोत सिंह के रूप में हुई है, जिसे 10 दिसंबर को कनाडा में पढ़ाई के लिए जाना था। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी को शक था कि मनजोत सिंह उसकी औलाद नहीं है। जानकारी के अनुसार मनजोत सिंह परिवार का इकलौता बेटा था। जिसे 10 दिसंबर को कनाडा स्टडी वीजा पर जाना था। मगर, उससे पहले उसी के पिता ने हत्या कर दी। पुलिस ने पीड़ित मां पुष्पिंदर कौर के बयानों पर पिता शिवराज सिंह और चाचा रेशम सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मतगणना स्थल पर प्रवेश और पार्किंग की गाइडलाइन जारी, रहेगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के तहत 3 दिसंबर रविवार को सुबह 8 बजे से प्रदेश में मतगणना शुरू होगी। इसी के मद्देनजर जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज और कॉमर्स कॉलेज में जयपुर जिले की 19 विधानसभा सीटों के लिए मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी। इसके लिए प्रशासन ने पार्किंग व अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित पूरी तैयारियां कर ली है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि मतगणना स्थल में प्रवेश और पार्किंग के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। तय मार्ग से ही चुनावी प्रत्याशियों, मतदान कर्मियों, अधिकारियों और मतगणना अभिकर्ताओं का मतगणना स्थल में प्रवेश दिया जाएगा, साथ ही राजस्थान कॉलेज और कॉमर्स कॉलेज में विधानसभावार वाहन पार्किंग व्यवस्था की गई है। राजस्थान कॉलेज में जिला निर्वाचन अधिकारी, पर्यवेक्षक और समस्त प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी गांधी सर्किल से कॉलेज के गेट नम्बर 4 से वाहन सहित प्रवेश करेंगे। राजस्थान कॉलेज में वाहन पार्किंग व्यवस्था झालाना रोड से विवेकानन्द हॉस्टल के सामने से राजस्थान कॉलेज के खेल मैदान में की गई है। आदर्श नगर, दूदू सांगानेर, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी और तहसीलदार गांधी सर्किल से राजस्थान कॉलेज के गेट नं. 2 से प्रवेश करेंगे।वहीं, हवामहल, मालवीय नगर, सिविल लाइन्स, बगरू और कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी और तहसीलदार गेट नं. 4 से वाहन सहित प्रवेश करेंगे। वे कॉलेज के (चैनल गेट संख्या 1 से 7 में से) किसी भी चैनल गेट से अन्दर प्रवेश कर अपने-अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेगे। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के मतगणना एजेंट वाहन पार्किंग के बाद गेट नं. 1 से पैदल बाहर जेएलएन मार्ग पर निकल कर गेट नं. 4 से पुन: राजस्थान कॉलेज में प्रवेश करेंगे और चैनल गेट नं. 7 से अंदर प्रवेश कर अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे। चुनावी अभ्यर्थी गांधी सर्किल से राजस्थान कॉलेज के गेट नं. 4 से राजस्थान कॉलेज में प्रवेश करेंगे और चैनल गेट नं. 7 से अंदर प्रवेश कर अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे। चुनावी अभ्यर्थियों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था राजस्थान कॉलेज में स्थित मैदान में रहेगी। इसी तरह हवामहल, मालवीय नगर सिविल लाइन्स और बगरू विधानसभा क्षेत्र के मतगणना एजेंट वाहन पार्किंग के बाद गेट नं. 1 से पैदल बाहर जेएलएन मार्ग पर निकल कर गेट नं. 4 से पुन: राजस्थान कॉलेज में प्रवेश करेंगे और चैनल गेट नं. 6 से अंदर प्रवेश कर अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे। वहीं, चुनावी अभ्यर्थी गांधी सर्किल से गेट नं. 6 से राजस्थान कॉलेज में प्रवेश करेंगे और चैनल गेट नं. 7 से अंदर प्रवेश कर अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे। चुनाव अभ्यर्थियों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था राजस्थान कॉलेज के मैदान में रहेगी। आदर्श नगर, दूदू, सांगानेर और झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के मतगणना एजेंट वाहन पार्किंग के बाद गेट नं. 2 से पैदल बाहर जेएलएन मार्ग पर निकल कर गेट नं. 2 से पुन: राजस्थान कॉलेज में प्रवेश करेंगे और चैनल गेट नं. 1 से अंदर प्रवेश कर अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे। वहीं, चुनाव अभ्यर्थी गांधी सर्किल से राजस्थान कॉलेज के गेट नं. 2 से राजस्थान कॉलेज में प्रवेश करेंगे और चैनल गेट नं. 1 से अंदर प्रवेश कर अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे। चुनाव अभ्यर्थियों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था राजस्थान कॉलेज के स्थित मैदान में रहेगी। राजस्थान कॉलेज में नियोजित मतगणना कार्मिक वाहन पार्किंग के बाद पैदल चलकर कॉमर्स कॉलेज के गेट नं. 1 से प्रवेश कर सामने के ग्राउंड में एकत्रित होगें और रेण्डमाइजेशन के उपरान्त कॉमर्स कॉलेज के अन्दर से ही राजस्थान कॉलेज में पैदल प्रवेश कर सीधे चलकर चैनल गेट नं. 5 से प्रवेश कर अपने-अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे। राजस्थान कॉलेज में मतगणना के लिए आरओ स्टाफ व अन्य प्रकोष्ठ के कार्मिक वाहन पार्किंग कर गेट नं. 1 से पैदल बाहर निकलेंगे और गेट नं. 2 से पुन: राजस्थान कॉलेज में प्रवेश कर राजस्थान कॉलेज भवन के मुख्य चेनल गेट और चेनल गेट नं. 1, 5, 6 व 7 को छोड़कर किसी भी चैनल गेट से प्रवेश कर अपने-अपने मतगणना कक्ष में पहुंचेंगे।

किसान की बेटी बनी जज

झज्जर (हिंस)। जिले के एक साधारण किसान की 24 वर्षीय बेटी हिमाचल प्रदेश न्यायिक भर्ती परीक्षा पास करके जज बन गई है। जसौर खेड़ी गांव की हिमानी देशवाल ने हिमाचल प्रदेश न्यायिक भर्ती परीक्षा में छठा रैंक हासिल किया है। हिमानी की कामयाबी से उसके पैतृक गांव और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल बना हुआ है। हिमानी के जज बनने पर उसे शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा हुआ है। हिमानी देशवाल के पिता दिनेश देशवाल एक साधारण किसान और माता कविता गृहिणी हैं। हिमानी ने बताया कि उनके माता-पिता ने उसे खूब पढ़ाया-लिखाया, जिसकी बदौलत आज वह जज बन गई है। हिमानी ने रोहतक स्थित एमडीयू यूनिवर्सिटी से वर्ष 2022 में एलएलबी की परीक्षा पास की थी। तभी से न्यायिक भर्ती परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। हिमानी ने 12वीं की पढ़ाई सोनीपत जिले के खरखोदा स्थित प्रताप सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की। हिमानी का कहना है कि यह टेस्ट बेहद मुश्किल था। इसके लिए उसने काफी समय तक सोशल मीडिया से भी दूरी बनाकर रखी। ऑफलाइन पढ़ाई के साथ-साथ ऑनलाइन पढ़ाई भी की और अब उसके माता-पिता का सपना पूरा हो गया है। हिमानी ने कहा कि वह आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रखेंगी। हिमानी का छोटा भाई दिल्ली में ऑडिटर है।

आपा का जन्म भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए हुआ : आदर्शपाल

यमुनानगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष आदर्श पाल सिंह के नेतृत्व में शनिवार को जगाधरी में निगम वार्ड नंबर एक की गौरीशंकर कॉलोनी से शुभम धीमान के साथ दर्जनों साथियों ने आआपा में शामिल होने की घोषणा की। आदर्श पाल सिंह ने सभी को पटका-टोपी पहनाकर पार्टी में शामिल कर सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में शामिल सभी साथियों को पूरा मान सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि आआपा का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में ईमानदार सरकार बनाने के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली व पंजाब में कट्टर ईमानदारी के साथ सरकार चलाई जा रही है। दोनों जगह के लोगों को बिजली, शिक्षा, पानी, स्वास्थ अन्य मूलभूत सुविधाएं लोगों को आआपा की सरकारों द्वारा प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा की जनता भी अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व

में आआपा की सरकार बनाकर सभी मूलभूत बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी आदि सुविधाएं व भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहती है। आआपा द्वारा गारंटी दी जाती है कि सरकार बनने पर दिल्ली व पंजाब की तर्ज पर हरियाणा के लोगों को भी हर तरह से राहत प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि आआपा द्वारा गांवों व वार्डों में आईडी-कार्ड वितरण व सम्मान समारोह किए जा रहे है। जिसमें लोगों का भारी उत्साह पार्टी की तरफ आकर्षित कर रहा है। लोग भारी संख्या में हमारी पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं और 2024 में आआपा की हरियाणा में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी जिला यमुनानगर अध्यक्ष गगनदीप सिंह, जिला सचिव राहुल भान आदि उपस्थित रहे।

विवाहित पुत्री को सरकारी कर्मचारी का आश्रित न मानने पर हाईकोर्ट का नोटिस

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीपति कुलदीप माथुर द्वारा याचि भावना कंवर द्वारा प्रस्तुत एकलपीठ याचिका की सुनवाई करते हुए राजस्थान सरकार व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। याची भावना कंवर के अधिवक्ता प्रवीण दयाल दवे ने राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष दीवानी एकलपीठ याचिका प्रस्तुत कर बताया कि याची की माता शकुंतला भाटी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कर्मचारी थी, जिनका राजकीय सेवारत रहने के दौरान निधन हो गया, जिनके दो पुत्र एक पुत्री है, पुत्री द्वारा मरणोपरान्त मिलने वाले हितलाभ को प्राप्त करने के लिए प्रार्थना पत्र विभाग में प्रस्तुत किया गया, शकुंतला भाटी के द्वारा स्वयं की सेवा पुस्तिका में परिवार के किसी सदस्य को नोमिनेशन नहीं किए जाने के कारण पेंशन विभाग द्वारा बकाया राशि, पेंशन, ग्रेच्युटी एवं उपार्जित अवकाश के नगदीकरण का भुगतान राजस्थान सिविल सेवा नियम पेंशन नियम 1996 के नियम 54 के नियम 56 के अनुसार विवाहित पुत्री होने के कारण देय नहीं होना कहकर प्रार्थना पत्र अस्वीकार कर दिया तब याचि द्वारा विभाग को अभ्यावेदन व सूचना पत्र देकर राज्य कर्मचारी के वारिसान को मरणोपरान्त मिलने वाले लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की जिसे अस्वीकार करने पर राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका प्रस्तुत कर कहा कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पात्मक नियुक्ति नियम 1996 के संशोधन कर सर्कुलर जारी कर आश्रित में विवाहित पुत्री जोड़ा जा चुका है तथा राजस्थान उच्च न्यायालय की वृहदपीठ द्वारा प्रियंका श्रीमाली बनाम राज्य सरकार मे भी विवाहित पुत्री को मरणोपरान्त मिलने वाले लाभ प्राप्त करने का हकदार माना है, याचि का प्रार्थना पत्र अस्वीकार करना गैर कानूनी व असंवैधानिक है।

युवा सम्मेलन में मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि, आज होगा सम्मेलन

हिसार (हिंस)। राष्ट्रीय सनातन महासंघ के तत्वावधान में सर्व समाज के ऊर्जावान देश प्रेमियों का युवा सम्मेलन तीन दिसंबर को गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में होगा। दोपहर तीन बजे होने वाले इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रीय सनातन महासंघ के संस्थापक महामंडलेश्वर धर्मदेव महाराज पटौदी ने शनिवार को बताया कि सम्मेलन राष्ट्रीय सनातन महासंघ के संस्थापक महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज के सानिध्य में होगा जबकि अध्यक्षता नगर निगम हिसार के मेयर गौतम सरदाना करेंगे। स्वामी धर्मदेव महाराज ने बताया कि राष्ट्रीय सनातन महासंघ के पांच मुख्य उद्देश्य हैं जिनमें देश भक्ति, नशा मुक्ति, मातृ-पितृ वंदन, जरूरतमंदों की सेवा व दृढ़ अनुशासन शामिल हैं। युवा वर्ग को राष्ट्रीय सनातन महासंघ से जोड़ा जाएगा और देश व समाज की सेवा में संगठन अपना पूर्ण योगदान देगा। संगठन के माध्यम से युवाओं को नशे आदि से दूर रहकर महासंघ से जुड़ने तथा देश व समाज की सेवा के लिए प्रेरित किया जाएगा। सम्मेलन में 36 बिरादरी के युवा भाग लेंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और देशभक्ति से ओतप्रोत होकर अपने माता-पिता की सेवा करें व असहाय लोगों की सेवा कर अनुशासित जीवन जीते हुए देश की प्रगति में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को लेकर तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन को ऐतिहासिक व यादगार बनाने के लिए अनेक युवा साथियों की टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। सम्मेलन के माध्यम से युवाओं को देश व समाज की प्रगति में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाएगा और अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोडकर युवाओं को ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाया जाएगा। शनिवार को मेयर गौतम सरदाना, उपायुक्त उत्तम सिंह तथा पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। उधर, मुख्यमंत्री मनोहर लाल के गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में तीन व चार दिसंबर दौरा कार्यक्रम को देखते हुए जिलाधीश उत्तम सिंह ने धारा 144 की प्रदत्त शक्तियों के तहत गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को रेड जोन घोषित किया गया है। ड्रोन नियमावली-2021 के तहत रेड जोन में ग्लाइडर/ड्रोन/मानवरहित हवाई उपकरण उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। आदेशों की उल्लंघना पाए जाने पर दोषी भारतीय दंड प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा 188 के तहत दंड का भागी होगा।

झज्जर में दंपति पर लाठी डंडों से हमला, पति की मौत

झज्जर (हिंस)। झज्जर के गांव माजरी में घर में सो रहे दंपति पर दो युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में पति की मौत हो गई और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। पुलिस ने मृतक के पुत्र की शिकायत पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। गांव माजरी निवासी मलखे पुत्र उमराव सिंह पत्नी निर्मला के साथ अपने भूखंड में बने कमरे में सो रहा था। रात के समय दो युवकों ने दोनों पर हमला कर दिया। युवकों ने लाठी से मलखे और निर्मला के सिर में चोटें मारी, जिससे मलखे बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। निर्मला को घायल करने के बाद हमलावर भाग गए। हमले के दौरान निर्मला ने शोर मचाया, लेकिन रात के समय कोई मदद के लिए नहीं पहुंच सका। हमलावरों के जाने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे। मलखे और निर्मला को गंभीर हालत में दिल्ली के राव तुलाराम अस्पताल ले जाया गया।

पंचायत मंत्री के गांव पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा, ग्रामीणों ने किया स्वागत

फतेहाबाद (हिंस)। विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली के गांव बिढ़ाईखेड़ा में पहुंची। यहां यात्रा का ग्रामीणों ने स्वागत किया। एडीएम प्रतीक हुड्डा और समाजसेवी विनोद बबली ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का निरीक्षण किया। कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी स्टालें लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने समाज के ऐसे वंचितों को वरीयता दी, जो दशकों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे। उन्होंने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति

को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोडना है। ऐसे व्यक्ति जो सरकार की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गए हैं, उन्हें स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, चिरायु कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत जैसी अनेक योजनाएं हैं, जिन्हें इस यात्रा के जरिए जनता के समक्ष रखा जा रहा है। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गई। जन संवाद कार्यक्रमों में वैन में लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सुना। कार्यक्रम में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के लोक कलाकारों द्वारा केंद्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर तैयार किए गए गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों, प्रतिभावान खिलाड़ियों तथा विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत करवाई गई विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी हुकुम चंद, बीईओ रामरतन, सरपंच रमेश कुमार, परियोजना अधिकारी जगदीश दलाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगालैंड राज्य दिवस मनाकर जम्मू-कश्मीर के लोगों के घावों पर नमक छिड़क रहा है : उमर

श्रीनगर (हिंस)। नेशनल कांप्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि राजभवन नगालैंड राज्य दिवस मनाकर जम्मू-कश्मीर के लोगों के घावों पर नमक छिड़क रहा है। उल्लेखनीय है कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देते हुए नागालैंड राज्य दिवस शुक्रवार को जम्मू के राजभवन में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। उमर ने एक बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर में विडंबना खत्म हो रही है। यहां हम राजभवन, जम्मू में नगालैंड राज्य दिवस मनाते हैं जबकि जब जम्मू-कश्मीर की बात आती है तो हम केंद्र शासित प्रदेश दिवस मनाते हैं और यहां के लोगों के घावों पर नमक छिड़कने की बात करते हैं। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू और कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया, जब केंद्र ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया।

गीता जयंती पर एक साथ किया जाएगा तीन श्लोकों का पाठ : स्वामी ज्ञानानंद

प्रवचनों के दौरान श्रद्धालुओं को करवाया संकल्प

हिसार (हिंस)। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर 23 दिसम्बर को श्रीमद्भगवत गीता के तीन श्लोक प्रथम, मध्य व अंतिम श्लोक का एक साथ उच्चारण किया जाएगा। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को इसके लिए संकल्प भी करवाया। स्वामी ज्ञानानंद शनिवार को श्रीकृष्ण कृपा परिवार, विकास नगर के तत्वाधान में आयोजित सत्संग में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए 23 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे गीता जयंती पर एक मिनट एक साथ गीता पाठ करने का आह्वान किया। तत्पश्चात सेक्टर 14 स्थित बुधला संत मंदिर में गीता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने भाग लिया जबकि अध्यक्षता मेयर गौतम सरदाना ने की। इस अवसर पर गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई, जिला परिषद सदस्य स्वामी दर्शन गिरी महाराज, समाजसेवी मनोज अग्रवाल, सतपाल गर्ग, गौशालाओं की ओर से गौभक्त राजेन्द्र गावडिड़ा, सत्यप्रकाश राजलीवाला, नरेश सिंगल मंगालीवाला, ब्रह्मानंद, संजय बुड़ाकिया, संजय डालमिया, विजय गावडिड़ा, विक्रम गर्ग सीए, राजगुरु मार्किट

एसोसिएशन से टीनू आहुजा, बुधला संत मंदिर से राजकुमार सेतिया, पीएलए वैलफेयर सोसायटी से रवि मेहता, हरि सेवा मंडल व गायत्री परिवार से डॉ. सौरभ मुंजाल, विकास नगर सोसायटी से राजेन्द्र चहल व सचिव रामदास चावला, भूमि आश्रम से मुकेश जांगड़ा, पतंजलि समिति से ईश आर्य व जीसी नारंग, शिक्षा जगत से डॉ. इंदु शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आईएमएफ के ईडी ने देश की जीडीपी और जीएसटी कलेक्शन को सराहा, राजन की टिप्पणी पर दिया ये जवाब

नई दिल्ली।
अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार केवी सुब्रमण्यम ने नवंबर 2023 में भारत के प्रभावशाली जीएसटी (माल और सेवा कर) कलेक्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगले डेढ़ से दो वर्षों के भीतर जीएसटी कलेक्शन प्रति माह दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय सरकार की ओर से लागू की गई ठोस कर नीतियों को दिया। सुब्रमण्यन ने कहा, मुझे लगता है कि अब तक के संकेतों को देखते हुए करीब डेढ़ से दो साल में हम एक महीने में दो लाख करोड़ रुपये के जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा छूने की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जीएसटी संग्रह का अच्छा प्रदर्शन अच्छी नीति लागू करने के कारण है। इसलिए कुल मिलाकर मुझे लगता है कि जीएसटी के मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन कराधान पर अच्छी नीति का सबूत है। सुब्रमण्यन ने जोर देकर कहा कि जीएसटी संग्रह में सकारात्मक प्रदर्शन भारत की अच्छी तरह से तैयार की गई कराधान नीतियों की व्यापक सफलता को दर्शाता है। यह प्रभावी राजकोषीय प्रबंधन के लिए देश की प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है।

आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक ने जीडीपी के आंकड़ों पर संतोष व्यक्त किया - भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर पर सुब्रमण्यम ने बहुत संतोष व्यक्त किया। सुब्रमण्यन ने कहा, मैं दूसरी तिमाही में 7.6 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर को देखकर बहुत खुश हूं। यह वित्त वर्ष 23 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद आया है। इसलिए साल की पहली छमाही में अर्थव्यवस्था औसतन 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जो एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूद बाधाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शानदार प्रदर्शन है। पहली छमाही के प्रदर्शन का आकलन करते हुए उन्होंने चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए 7.7 प्रतिशत की प्रभावशाली औसत वृद्धि दर का अनुमान जताया। सुब्रमण्यन ने महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए भारत के आर्थिक प्रदर्शन को शानदार बताया। उन्होंने इन चुनौतियों का सामना करने में भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और गतिशीलता की सराहना की, एक जटिल अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक परिदृश्य के बीच इसकी पर्याप्त वृद्धि पर जोर दिया। सुब्रमण्यम ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन की टिप्पणी पर कहा कि वे जो सवाल उठा रहे थे उसका जवाब जीडीपी के आंकड़ों ने ही दे दिया है। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि महामारी के दौरान कई लोग थे जो बहुत नकारात्मक थे। ऐसे लोगों के मीडिया बयानों को देखेंगे तो आप पाएंगे कि उन्होंनें कहा था कि लाखों भारतीय हैं जो सड़कों पर मर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

देश में लगातार बढ़ रहा है पावर कर्जपसन, नवंबर में 8 फीसदी से ज्यादा बढ़ी बिजली की खपत

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली है। सरकार द्वारा हर महीने बिजली खपत के आंकड़े भेजे जाते हैं। सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार नवंबर महीने में बिजली की खपत में करीब 8 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसकी वजह फेस्टिव सीजन के साथ आर्थिक गतिविधियों को जाता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले की अवधि में बिजली की खपत 110.25 बीयू थी, जो नवंबर 2021 में दर्ज 99.32 बिलियन यूनिट से अधिक है। चरम बिजली की मांग पूरी हुई - एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति - नवंबर में बढ़कर 204.60 गीगावॉट हो गई। नवंबर 2022 में अधिकतम बिजली आपूर्ति 187.34 गीगावॉट और नवंबर 2021 में 166.10 गीगावॉट थी। बिजली मंत्रालय ने अनुमान लगाया था कि गर्मियों के दौरान देश की बिजली की मांग 229 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी। बेमौसम बारिश के कारण अप्रैल-जुलाई में मांग अनुमानित स्तर तक नहीं पहुंची। हालाँकि, अधिकतम आपूर्ति जून में 224.1 गीगावॉट की नई ऊंचाई को छू गई, लेकिन जुलाई में गिरकर 209.03 गीगावॉट पर आ गई। अगस्त में अधिकतम मांग 238.19 गीगावॉट तक पहुंच गई। इस साल सितंबर में यह 240.17 गीगावॉट थी। अक्टूबर 2023 में अधिकतम मांग 222.16 गीगावॉट थी। उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि व्यापक वर्षा के कारण इस साल मार्च, अप्रैल, मई और जून में बिजली की खपत प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में बिजली की खपत बढ़ी, जिसका मुख्य कारण आर्द्र मौसम और त्योहारी सीजन से पहले औद्योगिक गतिविधियों का बढ़ना भी है। उन्होंने कहा कि नवंबर में बिजली की खपत में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि उत्सव और बेहतर आर्थिक गतिविधियों के प्रभाव को दर्शाती है।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल में हल्की गिरावट

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है, लेकिन इसका असर देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है। पटियाला में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 51 पैसे सस्ता हो गया है, जबकि पटना में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश और गोवा समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटियाला में पेट्रोल 98.62 रुपये और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पंजाब सरकार ने गन्ने की कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गन्ने की कीमत में 11 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की घोषणा की और कहा कि 391 रुपये प्रति क्विंटल की नई दर देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले ही किसानों को आश्वासन दिया था कि उनके लिए अच्छी खबर आने वाली है। मान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 11 रुपये की बढ़ोतरी के साथ नई दर 391 रुपये प्रति क्विंटल होगी, जो देश में सबसे अधिक होगी। किसानों ने हाल ही में गन्ने का दाम 380 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने धानोवाली गांव के पास जालंधर-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग के जालंधर-फगवाड़ा हिस्से को अवरुद्ध कर दिया था। चौथे दिन किसान नेताओं और मुख्यमंत्री मान के बीच हुई बैठक के बाद धरना खत्म किया गया था।

नवंबर में जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपये

अप्रैल से अब तक सरकारी खजाने में आए 13.32 लाख करोड़

नई दिल्ली।
घरेलू गतिविधियों में तेजी और त्योहारी सीजन के दौरान खरीदारी बढ़ने से सरकार को इस साल नवंबर में जीएसटी के रूप में एक साल पहले की तुलना में 15 फीसदी अधिक कमाईहुई है। जीएसटी संग्रह की यह रफ्तार चालू वित्त वर्ष के किसी भी महीने में सबसे अधिक है। वित्त मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 में नवंबर तक कुल जीएसटी संग्रह 13,32,440 करोड़ रुपये रहा है इस तरह, अप्रैल से लेकर अब तक सरकार को हर महीने जीएसटी के रूप औसतन 1.66 लाख करोड़ रुपये की कमाईहुईहै।यह आंकड़ा 2022-23 की समान अवधि के 1.49 लाख करोड़ के औसत जीएसटी संग्रह से 11.9 फीसदी अधिक है।2023-24 में लगातार छठे महीने कर संग्रह 1.60 लाख करोड़ से अधिक है। डेलॉय इंडिया पार्टनर एमएस मणि ने कहा, चालू वित्त वर्ष में औसतन 1.66 लाख करोड़ का संग्रह उत्पादन व खपत में वृद्धि को दर्शाता है। यह अर्थव्यवस्था की स्थिति का अच्छा बैरोमीटर है। कर अधिकारियों के टैक्स चोरी रोकने के प्रयासों और अनुपालन आसान बनाने से भी संग्रह बढ़ा है।

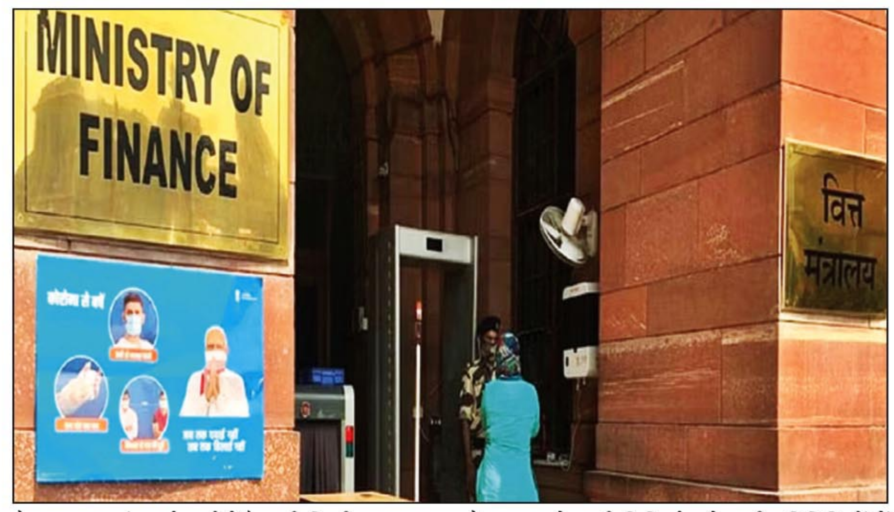

यूपी : 8,973 करोड़ रुपये की कमाई - आंकड़ों के मुताबिक, यूपी को जीएसटी से नवंबर में 8,973 करोड़ रुपये की कमाईहुई है।हरियाणा में जीएसटी संग्रह 9,732 करोड़, दिल्ली में 5,347 करोड़, मध्य प्रदेश में 3,646, पंजाब 2,265 करोड़, उत्तराखंड में 1,601 करोड़, हिमाचल प्रदेश में 802 करोड़, जम्मू-कश्मीर में 469 करोड़ और चंडीगढ़ में 210 करोड़ रुपये रहा।महाराष्ट्र में संग्रह सर्वाधिक 25,585 करोड़ रुपये रहा।

डीजल की बिक्री में 7.5 फीसदी गिरावट - दिवाली पर ट्रकों की आवाजाही कम रहने से देश में डीजल की बिक्री नवंबर में एक साल पहले के 73.3 लाख टन से 7.5 फीसदी घटकर 67.8 लाख टन रह गई। दिसंबर में मांग काफी हद तक पिछले स्तर पर पहुंच जाएगी। वहीं, त्योहारों में निजी वाहनों की आवाजाही बढ़ने से पेट्रोल खपत 7.5 फीसदी बढ़कर 28.6 लाख टन पहुंच गई। विमान ईंधन (एटीएफ) की बिक्री सालाना आधार पर 6.1 फीसदी बढ़कर 6.20 लाख टन के स्तर पर पहुंच गई। रसोई गैस की बिक्री एक साल पहले से 0.9 फीसदी घटकर 25.7 लाख टन रह गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.5 अरब डॉलर बढ़ा - देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 2.53 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते में यह 5.07 अरब डॉलर बढ़ा था। 24 नवंबर वाले हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति 2.14 अरब डॉलर बढ़ गई।स्वर्ण भंडार 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.3 अरब डॉलर पहुंच गया।

बिजली खपत 8.5 प्रतिशत बढ़कर 119.6 अरब यूनिट - देश में बिजली खपत नवंबर में करीब 8.5 फीसदी बढ़कर 119.64 अरब यूनिट पहुंच गई। त्योहारों और आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से बिजली की मांग बढ़ी है। बिजली खपत नवंबर, 2022 में 110.25 अरब यूनिट और नवंबर, 2021 में 99.32 अरब यूनिट रही थी। नवंबर में किसी एक दिन में बिजली की अधिकतम मांग 204.60 गीगावाट रही। बिजली मंत्रालय का अनुमान है कि अगली गर्मियों में देश की बिजली मांग 229 गीगावाट तक पहुंच जाएगी।

विनिर्माण गतिविधियों में तेज वृद्धि - बढ़ती कीमतों का दबाव कम होने और ग्राहकों की मजबूत मांग के दम पर देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर, 2023 में शानदार तेजी रही। जारी मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर में बढ़कर 56 पर पहुंच गया। अक्तूबर में यह आठ महीने के निचले स्तर 55.5 पर था। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में विस्तार और इससे नीचे का आंकड़ा गिरावट का संकेत है।

घरेलू-विदेशी बाजारों से नए ऑर्डर - एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, कंपनियों को घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों से नए ऑर्डर मिले। इससे भर्तियां बढ़ी हैं, जो श्रम बाजार के लिए अच्छी खबर है।

नवंबर में यूपीआई से रिकॉर्ड 17.4 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन - डिजिटल भुगतान में जबरदस्त तेजी आई है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, यूपीआई से नवंबर में रिकॉर्ड 17.40 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। अक्तूबर में 17.16 लाख करोड़ रुपये की तुलना में यह 1.4 फीसदी ज्यादा है। हालांकि लेनदेन की संख्या में गिरावट आई है। अक्तूबर में 11.41 अरब, नवंबर में 11.24 अरब लेनदेन हुए।

टाटा-पावर ने बीकानेर ट्रांसमिशन रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट का किया अधिग्रहण

कंपनी ने पीएफसी कंसल्टिंग से इसे खरीदने के लिए 1,544 करोड़ में बिडिंग जीती

नई दिल्ली।
टाटा पावर लिमिटेड ने बीकानेर ट्रांसमिशन रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने बताया कि उसने करीब 1,544 करोड़ रुपए में बीकानेर-नीमराना ट्रांसमिशन रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के अधिग्रहण की बिडिंग यानी बोली जीती है।

यह एनर्जी प्रोजेक्ट पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन की सब्सिडियरी कंपनी पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड द्वारा स्थापित एक स्पेशल परपज व्हीकल है। एसपीवी को स्पेशल परपज एंटिटी भी कहा जाता है। यह पेरेंट कंपनी द्वारा अपने फाइनेंशियल रिस्क को अलग करने के लिए बनाई गई सब्सिडियरी कंपनी होती है।

टाटा पावर ने इस प्रोजेक्ट को लेकर क्या कहा

टाटा पावर ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि प्रोजेक्ट में बीकानेर पूलिंग स्टेशन से नीमराना सबस्टेशन तक 340 किलोमीटर के ट्रांसमिशन कॉरिडोर की स्थापना शामिल है। बिल्ड-ऑन-ऑपरेट-ट्रांसफर आधार पर शुरू किया जाने वाला यह ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट है। इसके तहत राजस्थान के बीकानेर कॉम्प्लेक्सेस से 7.7 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी का प्रोडक्शन किया जाएगा।

35 साल तक प्रोजेक्ट का मेंटेनेंस करेगी टाटा पावर

टाटा पावर 35 साल तक ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट का मेंटेनेंस करेगी। एसपीवी ट्रांसफर डेट से 24 महीने के भीतर प्रोजेक्ट के शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने यह भी कहा कि सफल शुरुआत पर यह प्रोजेक्ट 2022 में मिनिस्ट्री ऑफ पावर के रोडमैप में एक अहम कंपोनेंट के रूप में काम करेगा। इस रोडमैप का टारगेट 2030 तक 500 गीगावाट से ज्यादा रिन्यूएबल एनर्जी कैपिसिटी को नेशनल ग्रिड में इंटीग्रेट करना है।

हाल ही में कंपनी की सब्सिडियरी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के साथ 200 मेगावाट का फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट डेवलप करने का काम सौंपा गया था। प्लांट को हाइब्रिड कॉन्फिगरेशन के साथ सावधानी से डिजाइन किया गया है, जिसमें सोलर, विंड और बैटरी स्टोरेज कंपोनेंट शामिल हैं।

देश में बढ़ गया कोयले का प्रोडक्शन नवंबर महीने में 11 फीसदी बढ़ा उत्पादन

नई दिल्ली।
पिछले महीने यानी नवंबर में भारत का कोयला उत्पादन 11.03 प्रतिशत बढ़कर 84.53 मिलियन टन (एमटी) हो गया, । यह पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 76.14 मीट्रिक टन था। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन नवंबर 2023 में 8.74 प्रतिशत बढ़कर 65.97 मीट्रिक टन हो गया। यह पिछले वित्त वर्ष के नवंबर में 60.67 मीट्रिक टन था।

वहीं, घरेलू कोयला उत्पादन में सीआईएल का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है। कोल इंडिया लिमिटेड की सभी सात शाखाओं में विकास देखने को मिला है। आपको बता दें कि बीसीसीएल और एनसीएल ने अपने-अपने प्रगतिशील लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

संचयी कोयला उत्पादन में बढ़ोतरी

कोयला मंत्रालय द्वारा कहा गया कि संचयी कोयला उत्पादन वित्त वर्ष 2023-24 के नवंबर तक 591.28 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक पहुंच गया है। यह पिछले वित्त वर्ष 22-23 में इसी अवधि के दौरान 524.53 मीट्रिक टन की तुलना में 12.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

देश का कोयला प्रेषण पिछले महीने बढ़कर 81.63 मीट्रिक टन (अनंतिम) हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष के नवंबर में 74.87 मीट्रिक टन (अनंतिम) दर्ज किया गया था, जिसमें 9.02 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि संचयी कोयला प्रेषण नवंबर 2023 तक में 11.70 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि के दौरान 557.80 मीट्रिक टन की तुलना में वित्त वर्ष 23-24 में 623.04 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक महत्वपूर्ण उछाल देखा गया है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की तेजी रही, सेंसेक्स 67,481 और निफ्टी 20,267 पर बंद

मुंबई।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व और अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने ऊंची मुद्रास्फीति पर काफी हद तक काबू पा लिया है और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद भी बढ़ गई है, जिससे उत्साहित होकर भारत और दूसरे देशों के बाजार में तेजी रही। बेंचमार्क निफ्टी तो रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। निफ्टी 135 अंक की तेजी के साथ अपने पिछले उच्चतम स्तर 20,192 को लांघकर 20,268 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 20,292 तक पहुंच गया था। सेंसेक्स भी 493 अंक चढ़कर पर बंद हुआ। बीते पांच महीने में सूचकांकों के लिए यह बीता हफ्ता अच्छा साबित हुआ। देसी-विदेशी निवेशकों की लिवाली से बीते सप्ताह निफ्टी में 2.4 फीसदी और सेंसेक्स में 2.3 फीसदी तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह गुरुनानक जयंती के अवसर पर सोमवार को अवकाश रहने की से पांच में से चार कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में कारोबार हुआ। मंगलवार को बाजार में सपाट लेकिन हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 50 अंक मजबूत होकर 66,020 पर खुला और 204.16 अंकों की बढ़त के साथ 66,174.20 अंकों के स्तर पर जबकि निफ्टी 95.00 अंक मजबूत होकर 19,889.70 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 30 अंक की मजबूती के साथ 19,820 के स्तर पर खुला और 95.00 अंक मजबूत होकर 19,889.70 के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार को मजबूती के साथ कारोबार होता दिखा। बीएसई सेंसेक्स 350 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 66,500 पर खुला और 727.71 अंकों की बढ़त के साथ 66,901.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंकों की मजबूती के साथ सितंबर के बाद पहली बार 20000 पर खुला और 206.90 अंक मजबूत होकर 20,096.60 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 118.2 अंक चढ़कर 67,020.11 पर खुला और 86.53 अंक मजबूत होकर 66,988.44 पर बंद हुआ। निफ्टी 39.55 अंक बढ़कर 20,136.15 पर खुला और 36.56 अंक मजबूत होकर 20,133.15 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में दिसंबर महीने की धमाकेदार शुरुआत हुई है। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 271 अंक बढ़कर 67,260 पर खुला और 492.75 अंक मजबूत होकर 67,481.19 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 90 अंकों की तेजी के साथ 20,223 के स्तर पर खुला और 134.75 अंकों की बढ़त के साथ 20,267.90 के स्तर पर बंद हुआ।

कोविड के दौरान ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने में घपला

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दर्ज किया केस

नई दिल्ली।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पतालों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने में कथित धोखाधड़ी को लेकर धन शोधन का एक मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को छह करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में 24 नवंबर को मेसर्स हाईवे कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठेकेदार रोमिल छेड़ा को गिरफ्तार किया था।

मछली टैंकों के निर्माण से जुड़े धोखाधड़ी मामले में छह स्थानों पर दबिश, आंध्र-तेलंगाना में ईडी की कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मछली टैंकों के निर्माण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत ऋण की मंजूरी में धोखाधड़ी के संबंध में जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 29 नवंबर को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है। इस अभियान के दौरान लोन एग्रीगेटर्स के आवासों और कार्यालय परिसरों में तलाशी ली गई। तलाशी अभियान में डिजिटल उपकरणों और अपराध की आय से अर्जित कई अचल/चल संपत्तियों का खुलासा करने वाले दस्तावेज बरामद किए गए। ईडी ने बताया है कि आगे की जांच जारी है।

उन्होंने बताया कि ईडी ने धोखाधड़ी के संबंध में धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि छेड़ा को बीएमसी संचालित नौ अस्पतालों और दो जंबो कोविड-19 केंद्रों में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने का ठेका दिया गया जबकि उसके पास इस तरह के काम को अंजाम देने का कथित तौर पर पूर्व अनुभव नहीं था।

ईओडब्ल्यू के अनुसार, भायखला में नगरपालिका कार्यशाला और नगर निगम की ओर से संचालित अस्पतालों वीएन देसाई, डॉ बाबासाहेब अंबेडकर, जीटीबी, कस्तूरबा, बीवाईएल नायर, आरएन कूपर, केबी भाभा, केईएम और एटीएमजी सायन के परिसर में ऑक्सीजन संयंत्रों में अप्रैल 2021 और जनवरी 2022 के बीच धोखाधड़ी हुई।

अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संबंधित निकाय अधिकारियों ने अनुबंध देते समय पात्रता नियमों की अनदेखी की और निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित नहीं किए गए, जिससे बीएमसी को छह करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

शर्टलेस पिक्चर शेयर कर अनिल कपूर ने मचा दिया तहलका

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने अपने को-स्टार बॉबी देओल के साथ शर्टलेस पिक्चर शेयर कर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। इंस्टाग्राम पर 5.8 मिलियन फॉलोअर्स वाले अनिल कपूर ने बॉबी के साथ एक पिक्चर शेयर की, जिसमें दोनों शर्टलेस होकर पोज दे रहे हैं। अनिल ने ब्लैक कलर का जॉगर्स पहना हुआ है, जबकि बॉबी ने ब्लैक शॉर्ट्स पहने हुए हैं। पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, एनिमल का बाप और एनिमल का एनिमी पोज़िंग बॉबी ने कमेंट सेशन में रेड हार्ट इमोजी शेयर की। ऋतिक रोशन ने फायर इमोजी कमेंट किया। अनिल कपूर की एक्शन थ्रिलर फिल्म एनिमल की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एनिमल में रणबीर कपूर, अनिल, बॉबी और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी बिजनेस मैग्नेट बलबीर सिंह (अनिल) और उनके बेटे अर्जुन सिंह (रणबीर) के जटिल रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है।

बलबीर के साथ हुई घटना के बाद, अर्जुन अपने प्रतिद्वंद्वी विराज सुर्वे (बॉबी) से बदला लेने के लिए निकलता है, जिसके बाद गैंग वॉर शुरू होता है। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, शक्ति कपूर, प्रेम चोपड़ा और सुरेश ओबेरॉय भी शामिल हैं।

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा लिखित-निर्देशित, यह फिल्म साउथ इंडियन और बॉलीवुड दोनों फिल्मों के एलिमेंट्स को जोड़ती है।

फिर बॉयफ्रेंड असाप के साथ घूमने निकलीं रिहाना

एक बार फिर अमेरिकन पाप स्टार सिंगर रिहाना बॉयफ्रेंड असाप के साथ घूमने निकलीं। हालांकि इस दौरान रिहाना बायफ्रेंड असाप के अलावा अपनी दोनों बेटों के साथ नजर आईं। ये पहली बार है जब रिहाना अपने लाडलों के साथ आउटिंग पर निकली हो। सामने आई तस्वीरों में ब्लैक आउटफिट में कूल दिख रही हैं। रिहाना ने ब्राउन कलर का कोट भी पेयर किया था। तस्वीरों में रिहाना अपने बड़े लाडले को गोद में लिए नजर आ रही हैं। वहीं एएसएपी ब्लैक हुडी और ट्राउजर में कूल दिखे। इस दौरान एएसएपी अपने तीन महीने के लाडले को उठाए नजर आए। इस दौरान कपल का छोटा लाडला प्रैंप में सुकून से सोया दिखा। फैंस रिहाना की इन फैमिली तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि रिहाना और एसैप साल 2022 में अपने पहले बच्चे के माता-पिता बने थे। सिंगर ने अपने पहले बच्चे के तौर पर एक बेटे को जन्म दिया था। वहीं इसी साल अगस्त में कपल के घर दूसरे बेटे की किलकारी गूंजी।

'एनिमल' ने 'सैम बहादुर' को पछाड़ा, दोनों की कमाई में बड़ा अंतर

एक दिसंबर को दो बॉलीवुड फिल्में रिलीज हुईं। दोनों फिल्मों की काफी समय से चर्चा थी और दर्शक भी उत्सुक थे। पहली फिल्म संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित 'एनिमल' थी। इसमें रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना जैसी दमदार स्टारकास्ट हैं। दूसरी फिल्म 'सैम बहादुर' में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख ने भी अहम भूमिका निभाई है। इन दोनों फिल्मों की पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। 'सैम बहादुर' भारत के पूर्व सेनाध्यक्ष और फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत होने वाले पहले भारतीय सेना अधिकारी सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित फिल्म है। 'सैक्निल्क' के मुताबिक फिल्म ने देशभर में पहले दिन 5.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं 'एनिमल' पूरी तरह से कमर्शियल फिल्म है। फिल्म ने देशभर में पहले दिन सभी भाषाओं से लगभग 61 करोड़ रुपये की कमाई की है। 'एनिमल' की कमाई 'सैम बहादुर' से कहीं ज्यादा है। 'सैम बहादुर' और 'एनिमल' की थीम एक-दूसरे से अलग है। 'सैम बहादुर' भारतीय सेना में सैम मानेकशॉ के योगदान, उनकी जीवन यात्रा, उनकी देशभक्ति को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करती है, जबकि 'एनिमल' एक ऐसी फिल्म है जो पिता और पुत्र के बीच के अजीब रिश्ते की कहानी बताती है। पहले दिन के आंकड़ों पर नजर डालें तो 'सैम बहादुर' की कमाई में जबरदस्त उछाल आया है। इसी दौरान विक्की कौशल से एक ही दिन रिलीज होने वाली दो फिल्मों के बारे में पूछा गया। तब विक्की ने कहा, "मैं इसका जवाब क्रिकेट की भाषा में दूंगा। जब दो सलामी बल्लेबाज एक ही टीम के लिए खेलने के लिए क्रीज पर आते हैं तो हम यह नहीं कह सकते कि ये दोनों बल्लेबाज एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। क्योंकि वे एक ही टीम के लिए खेल रहे हैं। हम हिंदी सिनेमा के लिए भी काम कर रहे हैं। इनमें से एक बल्लेबाज चौका, छक्का मार सकता है और दूसरा एक या दो रन के लिए पिच पर रुकेगा और स्ट्राइक बनाए रखेगा।"

डंकी ड्रॉप-3 के साथ रिलीज हुआ गाना 'निकले थे कभी हम घर से'

डंकी ड्रॉप 2 के साथ शुरू हुई म्यूजिकल जर्नी में लुट पुट गया के बाद सोनू निगम के ट्रैक की प्रत्याशा दर्शकों के बीच सबसे ऊपर थी। आज रिलीज हुआ गाना निकले थे कभी हम घर से एक खूबसूरत कहानी को बुनते हुए चार दोस्तों की शानदार कहानी और उनकी विदेश तक पहुंचने की कोशिश को बयां करता है। ये गाना वतन की यादों की गहराईयों में समा जाता है, जिसे अपने देश से दूर होकर एक अच्छे भविष्य की खोज में निकले हर एक शक्स के दिल की गहराई से महसूस किया जा सकता है। असल जीवन की कहानियों से प्रेरित डंकी प्यार और दोस्ती की एक कहानी है, जो बेतहाशा अनोखी कहानियों को एक साथ बुनती है, जो अपने किरदारों के सामने आने वाली चुनौतियों के जरिए थोड़ा हंसाने वाला थोड़ा दिल को तोड़ने वाला जवाब देती है। डंकी में कलाकारों की टोली है, जिसमें शाहरुख खान के साथ-साथ असाधारण प्रतिभाशाली अभिनेता बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर द्वारा रंगीन किरदार निभाए गए हैं। जिओ स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की प्रस्तुति, राजकुमार हिरानी और गौरी खान द्वारा निर्मित, अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित, डंकी दिसंबर 2023 में रिलीज होने की उम्मीद है।

शाहरुख करते हैं दूसरों का इस्तेमाल : सिंगर अभिजीत

-कोई सफलता के बीच आता है, तो वह उसे रास्ते से हटा देते हैं

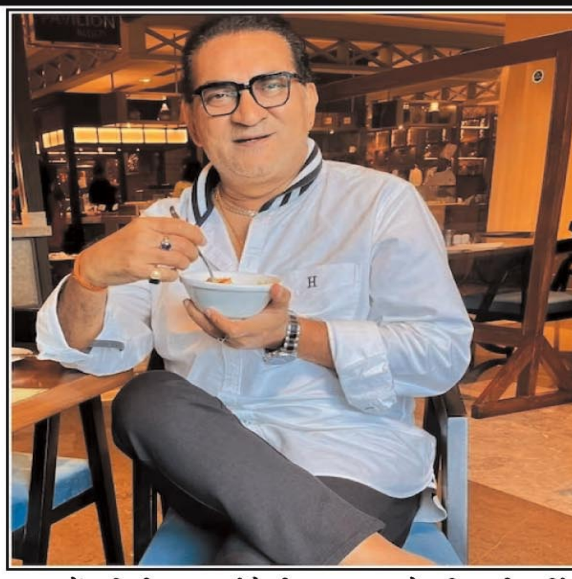

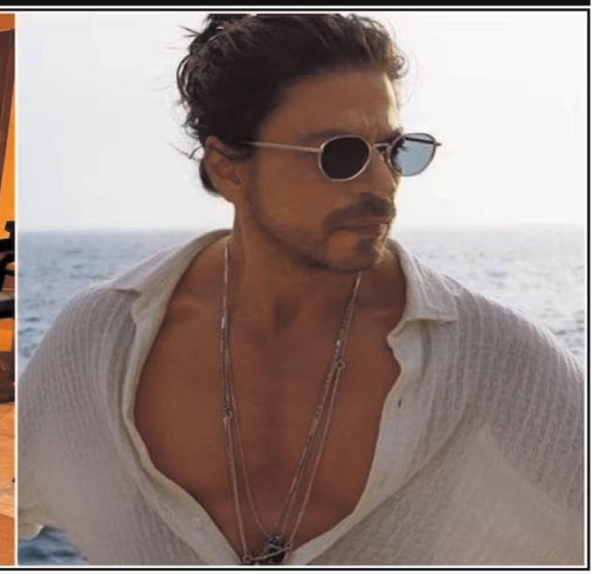

मुंबई (ईएमएस)। सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा-शाहरुख एक बहुत ही कमर्शियल इंसान हैं, जो दूसरों का इस्तेमाल करते हैं और अगर कोई उनकी सफलता के बीच आता है, तो वह उसे रास्ते से हटा देते हैं। अभिजीत भट्टाचार्य ने किंग खान की तारीफ करते हुए कहा- शाहरुख जो हैं अपने दम पर हैं। उन्होंने अपने दम पर खुद को काबिल बनाया है। उनमें आत्म-सम्मान कूट-कूटकर भरा है। अभिजीत ने कहा कि जो गुण शाहरुख में हैं, वही गुण वह अपने अंदर भी देखते हैं।जब शाहरुख की फिल्म पठान रिलीज हुई थी, तो खूब बवाल मचा था। तब एक्टर को एंटी-नेशनल तक कहा गया था। इस पर रिएक्ट करते हुए अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा, उन्हें (शाहरुख खान) को एंटी-नेशनल कहना गलत है। कई लोगों ने ऐसा करने का प्रयास किया है लेकिन शाहरुख खान से बड़ा कोई राष्ट्रवादी नहीं है। उनके द्वारा बनाई गई फिल्मों पर विचार करें - फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, स्वदेस, अशोका और अन्य। उन पर इस तरह के आरोप कैसे लगाए जा सकते हैं? खासकर तब जब उन्होंने अपनी फिल्मों में हमेशा हिंदू कल्चर को बढ़ावा दिया है। अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा कि तीनों खान में शाहरुख ही एकमात्र राष्ट्रवादी और देशभक्त हैं। दूसरों को वास्तव में राष्ट्र से कोई लेना-देना नहीं है। बता दें कि साल 2016 में अभिजीत भट्टाचार्य ने ही शाहरुख खान, सलमान खान और करण जौहर सहित अन्य स्टार्स को खरी-खरी सुनाई थी।

इसका कारण उनका पाकिस्तानी आर्टिस्ट्स को काम देना था। उस वक्त उरी में हुई आंतकी हमले को देखते हुए भट्टाचार्य ने कहा था कि ऐसे फिल्ममेकर्स एंटी नेशनल हैं जो पाकिस्तानी आर्टिस्ट्स को काम दे रहे हैं। मालूम हो कि एक समय था जब सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य को शाहरुख खान की आवाज कहा जाता था। 90 के दशक में लगभग हर फिल्म में अभिजीत ने शाहरुख की फिल्मों में गाने गाए है। शाहरुख को तब अभिजीत भट्टाचार्य के बिना अधूरा समझा जाने लगा था लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ कि दोनों के बीत बीच मनमुटाव पैदा हो गया। खाई इतनी गहरी हो गई कि अभिजीत भट्टाचार्य ने शाहरुख के लिए फिर कोई गाना नहीं गाया। उन्होंने कसम खा ली कि कभी भी शाहरुख के लिए गाने नहीं गाएंगे। वहीं अब लंबे समय बाद अभिजीत ने शाहरुख को लेकर बात की।

मेरे दिल के बहुत करीब है यह फिल्म : राशि खन्ना

मशहूर अभिनेत्री राशि खन्ना ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। मद्रास कैफे, फर्जी, रुद्र : द एज ऑफ डार्कनेस जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाली अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर उस प्रोजेक्ट को पूरा करने पर अपनी भावनाएं साझा की, जो उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है! अभिनेत्री ने कैप्शन में एक नोट लिखा, यह इस खूबसूरत फिल्म का समापन है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। एक अभिनेत्री के रूप में बहुत ही प्रतिभाशाली विक्रांत मैसी द्वारा समर्थित सीमाओं को पार करने और लिखित शब्दों की गहराई और बोधायन रॉय चौधरी के निर्देशन के कारण हर दृश्य में खुद को आश्चर्यचकित करने से मैं खुद को नहीं रोक सकी। अभिनेत्री ने आगे उल्लेख किया, इसे जल्द ही आप सभी के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

करण मेरे हाथ से खाना छीना और मारा भी : रानी मुखर्जी

बॉलीवुड के दो सितारे रानी मुखर्जी और काजोल स्ट्रीमिंग चैट शो कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगी। इस दौरान रानी ने खुलासा किया कि करण ने फिल्म कुछ कुछ होता है की शूटिंग के दौरान उनके हाथ से खाना छीना था। करण से बात करते हुए रानी मुखर्जी कहती हैं, कुछ कुछ होता है की शूटिंग के दौरान तुम मेरे हाथ से फूड छीन लेते थे, तुमने मुझे मारा भी है। अपने बचाव में करण जौहर कहते हैं, मैंने तुम्हें हिट नहीं किया। रानी मुखर्जी कहती हैं, कितना झूठ बोलते हो! रानी की बात को आगे बढ़ाते हुए काजोल मजाक में कहती हैं, गालियां भी दीं। करण जौहर ने कुछ कुछ होता है और अपने पिता यश जौहर को याद करते हुए कहा, मुझे याद है कि हम कुछ कुछ होता है की शूटिंग कर रहे थे, वह सड़क पर मेहबूब स्टूडियो के बाहर बात कर रहे थे और संजय दत्त ने कहा, यश जी, आप यहां क्या कर रहे हो? तो, वह कहते हैं, मेरे बेटे ने सेट लगाया है मैं रोड पर आ गया हूं।

मणिपुर में शादी के बाद मुंबई पहुंचे रणदीप-लिन

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुडा इस वक्त चर्चा में हैं। हाल ही में रणदीप ने अपनी गर्लफ्रेंड लिन लैशराम से शादी की है। रणदीप और लिन की शादी का समारोह पारंपरिक तरीके से मणिपुर में आयोजित किया गया। इस शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। अब शादी के बाद रणदीप अपनी पत्नी के साथ मुंबई पहुंच गए हैं। इस नवविवाहित जोड़े का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। शादी के बाद रणदीप हुडडा और लिन लैशराम को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। इस दौरान रणदीप और लिन का लुक काफी चर्चा में रहा। इस बार रणदीप ने सफेद शर्ट-पैंट पहना हुआ था। लिन ने लाल रंग की पोशाक पहनी हुई थी। इसके साथ ही उन्होंने कपड़ों से मैच करता हुआ रेड कलर का पर्स भी लिया था। रणदीप और लिन एक दूसरे का हाथ थामे मीडिया के सामने पोज देते नजर आए। रणदीप और लिन का विवाह समारोह मणिपुर में परिवार व करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में आयोजित किया गया।

बताया जा रहा है कि रणदीप और लिन की शादी के बाद मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा। इसमें बॉलीवुड के कई कलाकारों को न्योता दिया जाएगा। रणदीप हुडा के काम की बात करें तो रणदीप जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म 'सार्जेंट' में नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इस ट्रेलर को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।

मुंबई एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी गार्ड ने शाहरुख खान को रोका, वीडियो वायरल

फिल्म 'पठान' और 'जवान' के बाद शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। शाहरुख की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डंकी' 21 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिलहाल किंग खान काफी चर्चा में हैं। अब मुंबई एयरपोर्ट पर शाहरुख खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में एक्टर की एक हरकत ने सबका ध्यान खींचा है। मुंबई एयरपोर्ट पर बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान का वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया, जिसमें शाहरुख काले कपड़ों में नजर आ रहे हैं। इस समय सुरक्षा गार्ड शाहरुख खान को पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज सत्यापन के लिए रोकता है। इसके बाद शाहरुख मुस्कुराते हुए विनम्रतापूर्वक सुरक्षा गार्ड को पासपोर्ट के साथ-साथ अन्य दस्तावेज भी दिखाते हैं। किंग खान के विनम्र स्वभाव ने एक बार फिर फैंस का दिल जीत लिया है। मुंबई एयरपोर्ट पर शाहरुख का यह वीडियो इस समय चर्चा में है। शाहरुख के इस वीडियो पर फैंस ने लाइक्स और रिएक्शन के जरिए अपना प्यार जाहिर किया है। इस वीडियो पर 'सफलता की परिभाषा शाहरुख खान हैं ', 'बॉलीवुड के बादशाह', 'सच्चे डॉन' और 'किंग खान, जो प्रोटोकॉल का सम्मान करते हैं और कभी नियम नहीं तोड़ते' आदि कई रिएक्शन देखने को मिले हैं। इस बीच शाहरुख खान की आने वाली फिल्म 'डंकी' का गाना 'लुट पुट गया' इस वक्त सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। इस गाने के रील्स वायरल हो गए हैं। फिल्म 'डंकी' में शाहरुख खान के अलावा तापसी पन्नू, विक्की कौशल नजर आएंगे। यह फिल्म अवैध प्रवासन जैसे गंभीर मुद्दे पर एक टिप्पणी है। इसे देखने के लिए शाहरुख खान के फैंस काफी उत्सुक हैं।

कंगना रनौत ने नीना गुप्ता के निरर्थक नारीवाद वाले बयान का किया समर्थन

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में नीना गुप्ता के कई बयान काफी चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि नारीवाद बकवास है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरुषों और महिलाओं के बीच सच्ची समानता तभी आएगी, जब पुरुष गर्भवती होंगे। नीना गुप्ता के इस बयान पर अब अभिनेत्री कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने नीना के निरर्थक नारीवाद वाले बयान का समर्थन किया है। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा, 'मुझे समझ नहीं आता कि नीनाजी ने जो कहा, उस पर इतनी तीखी प्रतिक्रिया क्यों हो रही है। पुरुष और महिला कभी भी समान नहीं हो सकते। वे हर चीज में एक-दूसरे से भिन्न हैं। क्या वे सचमुच एक जैसे हैं? पुरुषों और महिलाओं को छोड़कर, हममें से कोई भी समान नहीं है। हममें से प्रत्येक विकास के एक अलग स्तर पर है। हमारे पास देवता, गुरु, वरिष्ठ, माता-पिता या यहां तक कि मालिक भी हैं। कुछ के पास अधिक अनुभव है या कुछ वास्तव में अधिक विकसित हैं, लेकिन हम किसी भी स्तर पर समान नहीं हैं।" कंगना ने आगे कहा, 'क्या हमें एक आदमी की जरूरत है? निश्चित रूप से यह है। जैसे एक पुरुष को एक महिला की जरूरत होती है। अगर मेरी मां को अपना जीवन अकेले गुजारना पड़ता तो यह मुश्किलों से भरा होता।

सूडोकु नवताल- 6630

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6629 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7377

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

शब्दजाल में 'स' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

सफलता, सरकार, सजा, सचेत, सजग, सरफरोश, सल्तनत, सड़क, सत्ताधीश, सताना

शब्दजाल - 7376 का हल

र	क	ल	ड्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	त्रां	ति	ड	इं	म	ला	ई
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	र्नि
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग
ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	र
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6330

	7				4	5
	33	1	23	6	33	
5		2	4			3
	28		27	4	36	
1	2			5		7
6	37	7	38		33	2
		5		3		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6329 का हल

1	5	4	3	2	7	6
2	30	7	31	4	34	2
6	3	2	4	5	7	1
5	37	6	33	6	29	3
7	5	3	6	1	2	4
3	30	5	32	7	34	5
4	2	1	6	3	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

पैरा एशियाड की सफलता पैरा ओलंपियाड में दोहराना चाहती हैं शीतल, असफलता का डर नहीं

नई दिल्ली ।
पैरा एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वालीं भारत की भुजाहीन तीरंदाज शीतल देवी का अगला लक्ष्य पेरिस पैरालंपिक में देश के लिए शीर्ष स्थान हासिल करना है। पैर से तीर चलाकर पदक जीतने वालीं विश्व की पहली महिला बनीं शीतल जारी पैरा विश्व तीरंदाजी रैंकिंग के महिला कंपाउंड ओपन वर्ग में शीर्ष तीरंदाज बन गईं। शीतल ने यहां 'बीइंग यू' के किताब के कवर लॉन्च के मौके पर कहा कि वह पैरालंपिक में पदक जीतने के लिए पुरजोर अभ्यास कर रहीं है। जम्मू की 16 साल की इस खिलाड़ी ने यहां कहा, ' मेरा अगला लक्ष्य पेरिस पैरालंपिक में देश के लिए पदक जीतना है। मैं उसके लिए काफी अच्छे से मेहनत करुंगी। मैं ज्यादा मेहनत करुंगी तो ही देश को पदक दिला पाऊंगी। किश्तवाड़ की इस खिलाड़ी को भारतीय सेना ने बचपन में गोद ले लिया था। जुलाई में उन्होंने पैरा विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में सिंगापुर की अलीम नूर एस को 144-142 से हराकर स्वर्ण पदक जिताकर अपने स्वर्णिम सफर की शुरुआत की थी। शीतल को अमेरिका के भुजाहीन तीरंदाज मैट स्टुट्जमैन ने काफी प्रभावित किया। स्टुट्जमैन ने लंदन पैरालंपिक (2012) में पदक जीतकर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने तीरंदाजी शुरू की तब किसी ने मुझे स्टुट्जमैन के वीडियो को दिखाया। बाद में मुझे उन से मिलने का मौका मिला। मुझे उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा था। उन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया।' शीतल ने कहा वह पदक का दबाव लिए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर पूरा ध्यान देती है। उन्होंने कहा, 'मुकाबला करीबी हो तब भी मैं दिमाग में कोई दबाव नहीं लेती हूं। खेल शुरू होने के बाद मैं जीत-हार या पदक के बारे में सोचे बिना अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करती हूं।

असफलता से डरना नहीं - शीतल ने एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं के व्यक्तिगत कंपाउंड वर्ग में स्वर्ण पदक के साथ कंपाउंड मिश्रित वर्ग में स्वर्ण और महिला युगल में रजत जीता था। उन्होंने दिव्यांग लोगों से निराशा छोड़कर खेलों में हाथ आजमाने की अपील की। शीतल ने कहा, ' मेरे जैसे लोगों को हार नहीं माननी चाहिए। यह सफलता नहीं मिले तो भी हिम्मत ना छोड़ें। मैंने ऐसे लोग देखे है जो एक-दो बार हार कर खेल छोड़ देते है। मैं ऐसे लोगो से कहूंगी कि वे जिस खेल में भी है उसे जारी रखे, हार-जीत लगी रहती है। शीतल 'फोकोमेलिया' नाम की बीमारी से जन्मजात पीड़ित है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, न्यूजीलैंड ने स्पिन के सामने किया सरेंडर

नई दिल्ली। ताईजुल इस्लाम (6 विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पहले

टेस्ट के पांचवें व अंतिम दिन पहले सत्र में 150 रन से मात दी। बांग्लादेश के लिए यह जीत ऐतिहासिक रही क्योंकि उसने अपने घर में पहली बार न्यूजीलैंड को टेस्ट मैच में मात दी। बांग्लादेश को आखिरी दिन जीत के लिए 3 विकेट की दरकार थी। मेजबान टीम ने 68 रन खर्च करके कीवी टीम को ऑलआउट किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। बाएं हाथ के स्पिनर ताईजुल इस्लाम ने मैच में कुल 10 विकेट लिए और इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड ने आखिरी दिन अपनी पारी 113/7 के स्कोर से आगे बढ़ाई। डैरिल मिचेल (58) और ईश सोढ़ी (22) ने संघर्ष किया, लेकिन ज्यादा बड़ी साझेदारी करके मैच नहीं बना सके। नईम हसन ने मिचेल को ताईजुल इस्लाम के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। मिचेल ने 120 गेंदों में 7 चौके की मदद से 58 रन बनाए। यहां से सोढ़ी और कप्तान टिम साउथी (34) ने 9वें विकेट के लिए 46 रन जोड़े। साउथी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 24 गेंदों में एक चौके व दो छक्के की मदद से 34 रन बनाए। ताईजुल इस्लाम ने जाकिर हसन के हाथों कैच आउट कराकर साउथी की पारी का अंत किया। फिर ताईजुल ने सोढ़ी को भी जाकिर हसन के हाथों कैच आउट कराकर बांग्लादेश की जीत पर मुहर लगाई। सोढ़ी ने 91 गेंदों में दो चौके की मदद से 22 रन बनाए।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच जोरदार होगा पांचवा टी20 मुकाबला, बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर मचेगा घमासान

नई दिल्ली । सीरीज का 5वां और आखिरी टी20 मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने जा रहा है। यह

मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। बता दें कि मेजबान टीम इंडिया रायपुर टी20 जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी है। भारत ने चौथे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से पराजित किया। अब सभी की नजरें पांचवें टी20 पर टिक गई है। लोग बेंगलुरु में पिच पर बड़ा स्कोर देखने को उत्सुक हैं। बता दें कि मौजूदा सीरीज के शुरुआती 3 मैचों में जिस तरह से दोनों टीमों ने बड़ा स्कोर बनाया था उसके मुकाबले रायपुर में छोटा स्कोर दिखा। अब यह तय करना है कि बेंगलुरु में गेंदबाज बरपाएंग कहर या बल्लेबाजों के बल्ले से रन खूब निकलेंगे। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम ने अभी तक 8 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी की है। इसके अलावा इस स्टेडियम में आईपीएल के मैच लगातार आयोजित होते रहे हैं। यहां का फ्लैट विकेट बल्लेबाजों के मुफीद रहा है। यहां छोटी बाउंड्री है। हालांकि हाल में जो मैच यहां खेले गए हैं उनमें हाई और लो स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिले हैं। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान टीमें आसानी से 300 पर पहुंची हैं। यहां चेज करने वाली टीम के 5 में जीत मिली है जबकि पहले बैटिंग करने वाली टीम 2 मैचों में विजयी रही है। यहां औसत स्कोर 139 का रहा है। ओस अहम रोल अदा करेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया 5वें टी20 वाले दिन शाम को आसमान में बादल छाए रहेंगे। एक्यूवेदर डॉट कॉम के मुताबिक अधिकतम तापमान 22 और 23 के बीच रहने का अनुमान है। आसमान में बादल छाए रहेंगे लेकिन बारिश की संभावना नहीं है।

लिवरपूल ने ऑस्ट्रिया के एलएएसके क्लब को 4-0 हराया, अंतिम-16 में जगह बनाई

लिवरपूल । कोडी गाकापो के दो गोल की मदद से लिवरपूल ने ऑस्ट्रिया के एलएएसके क्लब को 4-0 से

शिकस्त देकर यूरोपा लीग फुटबाल चैंपियनशिप के अंतिम-16 में प्रवेश किया। लिवरपूल के लिए अन्य गोल लुइस डियाज और मोहम्मद सलाह ने किया। लिवरपूल ग्रुप-ई में 12 अंक लेकर शीर्ष पर बना हुआ है। टालाउस आठ अंक लेकर दूसरे स्थान पर है जिसने यूनियन सेंट गिलोइस से गोलरहित ड्रॉ खेला। मैच में लिवरपूल की शुरुआत अच्छी रही और डियाज ने 12वें मिनट में ही गोल करके टीम का खाता खोल दिया। इसके तीन मिनट बाद ही गाकापो ने बॉक्स के अंदर से गोल दागकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। पहले हाफ तक लिवरपूल 2-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में लिवरपूल को पेनाल्टी मिल गई और सलाह ने 51वें मिनट में गोल करके टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एक समय लग रहा था कि टीम 3-0 के अंतर से ही मैच जीत लेगी, लेकिन गाकापो ने इंजुरी समय (90+2वें मिनट) में गोल करके जीत का अंतर बढ़ा दिया। अन्य मैचें में ग्रुप-एच में लीवरकुसेन पांचों मैच जीतकर शीर्ष पर है जिसने हैकेन को 2-0 से शिकस्त दी। ग्रुप-ए में साउसेक ने वेस्ट हैम को 2-1 से मात दी। ग्रुप-बी में ब्राइटन ने एईके को 1-0 से हराया। यूरोप की दूसरे दर्जे की इस स्पर्धा में हर ग्रुप से शीर्ष टीम अंतिम-16 में पहुंचती है।

श्रेयांका पाटील और साइका इशाक को विमेंस टीम में मौका

इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित ; हरमप्रीत कौर ही करेंगी कप्तानी

नई दिल्ली ।
इंग्लैंड सीरीज के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने विमेंस टीम इंडिया की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज रेणका ठाकुर ने इंजरी के बाद वापसी की है। जेमिमा रोड्रिग्ज को टेस्ट टीम में जगह मिली। दोनों टेस्ट डेब्यू कर सकती हैं।

21 साल की स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर श्रेयांका पाटील और 28 साल की लेफ्ट आर्म स्पिनर साइका इशाक को टी-20 सीरीज में चुना गया। दोनों को पहली बार टीम इंडिया में जगह मिली।

टेस्ट और टी-20 दोनों टीमों की कप्तानी हरमनप्रीत कौर ही करेंगी। सीरीज 6 दिसंबर से शुरू होगी। इंग्लैंड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भी भारत की टीम चुनी गई है।

डब्लूपीएल में चमकी थीं इशाक और श्रेयांका

ऑफ स्पिन ऑलराउंडर श्रेयांका पाटील इसी साल विमेंस प्रीमियर लीग में चमकी थीं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते हुए 6 विकेट लिए थे। यहां से उन्हें वेस्टइंडीज के फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट कैरेबियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का मौका मिला था। वह पिछले दिनों इंग्लैंड-ए के खिलाफ भी इंडिया-ए से खेली थीं।

लेफ्ट आर्म स्पिनर साइका इशाक ने मुंबई इंडियंस से खेलते हुए डब्लूपीएल में प्रभावित किया था। वह टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर बॉलर्स में 15 विकेट के साथ चौथे नंबर पर रही थीं। इशाक और श्रेयांका के शामिल होने से राजेश्वरी गायकवाड और देविका वैद्य को मौका नहीं मिल सका।

टी-20 टीम में इशाक और श्रेयांका के साथ अनुभवी दीप्ति शर्मा और लेग स्पिनर मन्नत कश्यप के रूप में 4 स्पिनर्स हैं। आरसीबी से ही खेलने वालीं कनिका आहूजा को भी टीम में जगह मिली है।

6 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया को एक टेस्ट और 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। 6, 9 और 10 दिसंबर को 3 टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं 14 से 17 दिसंबर के बीच 4 दिवसीय टेस्ट मैच होगा। सभी मुकाबले मुंबई में होंगे। तीनों टी-20 मुकाबले वानखेड़े स्टेडियम में होंगे, वहीं टेस्ट मैच डीवाई पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम तैयार कर रहा है बीसीसीआई

2024 का विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप सितंबर और अक्टूबर के दौरान बांग्लादेश में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने अब तक टूर्नामेंट नहीं जीता है, इसे देखते हुए बीसीसीआई का फोकस युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को मिक्स कर मजबूत टीम बनाने पर है। इंग्लैंड के बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट और 6 लिमिटेड ओवर्स के मुकाबले खेलेगी।

घरेलू मैदान पर 9 साल बाद टेस्ट खेलेगी टीम

विमेंस टीम इंडिया अपने घरेलू मैदान पर 9 साल बाद टेस्ट खेलने उतरेगी। टीम ने नवंबर 2014 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था, इसमें टीम इंडिया को पारी और 34 रन से जीत मिली थी। 2014 के बाद टीम ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विदेश में भी एक-एक ही टेस्ट खेला।

भारत की टेस्ट टीम में 20 साल में पहली बार मिताली राज और झूलन गोस्वामी शामिल नहीं रहेंगी। इसके साथ ही हरमनप्रीत कौर पहली बार टेस्ट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगी। उन्होंने अब तक वनडे और टी-20 में ही विमेंस टीम को लीड किया है।

इंडिया विमेंस टीम

टी-20 स्क्वॉड: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटील, मन्नत कश्यप, साइका इशाक, रेणुका सिंह, तितास साधू, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा और मिन्नु मणि।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भारत का स्क्वॉड: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, शुभा सतीश, हरलीन देओल, साइका इशाक, रेणुका सिंह, तितास साधू, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड और पूजा वस्त्राकर।

युवा बल्लेबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से चयनकर्ता परेशानी में, कौन बनेगा टीम की ओपनिंग जोड़ी

मुंबई ।
टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप मिशन फेल होने के बाद टी20 वर्ल्ड कप के लिए रोडमैप तैयार करने में जुट चुकी है। टूर्नामेंट के लिए कई युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन से अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। मेगा इवेंट में महज 6 माह और 8 मैच बाकी है। लेकिन इसके पहले चयनकर्ताओं को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए ओपनिंग का पेंच फंस चुका है। लिस्ट में पहला नाम टीम इंडिया के युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल का है। अगस्त 2023 में अपना टी20 डेब्यू करने वाले जायसवाल ने हर किसी को अपनी बल्लेबाजी का दीवाना बनाया है। जायसवाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में पहली ही गेंद से प्रहार करते नजर आए। उनकी आक्रामक शुरुआत उन्हें टॉप ओपनर्स की लिस्ट में सबसे आगे खड़ा कर देती है। जायसवाल अभी तक टी20 की 10 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक के दम पर 312 रन बना चुके हैं। टी20 वर्ल्ड कप के बाद से सभी टी20 मुकाबलों में 132 बल्लेबाजों ओपनिंग की जिसमें, पहली दस गेंदों में 167.51 का स्ट्राइक रेट जायसवाल का दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। इस रेस में भारतीय विकेटकीपर ईशान किशन का भी नाम है।ओपनर के तौर पर ईशान किशन टी20 में बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकते हैं। विकेटकीपर के तौर पर टी20 फॉर्मेट में ईशान के प्रतिस्पर्धा में अभी कोई भी बैटर नजर नहीं आ रहा। संजू सैमसन योजना के बाहर हैं, ऋषभ पंत की वापसी को लेकर संशय है। जब तक चयनकर्ता केएल राहुल को वापस नहीं लाते तब तक ईशान बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। ईशान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए भी लगातार 2 फिफ्टी ठोकी। तीसरा नाम ऋतुराज गायकवाड़ का है, जिन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में धुआंधार शतक से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने स्पिन के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी की है।

इंडियन चैंपियनशिप 2023 में लगेगा प्रतिभाशाली गोल्फर्स का मेला, तारीखों का हुआ एलान

नई दिल्ली ।
देश का क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब तीसरे इंडियन चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है। यह टूर्नामेंट छह से आठ दिसंबर तक खेला जाएगा। वहीं, यूएस किड्स गोल्फ भी इस कार्यक्रम के लिए उत्साहित है। इस टूर्नामेंट में उन गोल्फर्स का जमावड़ा लगेगा, जो भविष्य के सितारे बनने वाले हैं।

दिल्ली से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गोल्फ क्लब दक्षिण एशिया में जैक निकलॉस द्वारा डिजाइन की गई एक अद्भुत संरचना है। प्राकृतिक सौंदर्यता इसे एक सुंदर गोल्फ डेस्टिनेशन बनाती है। क्लासिक गोल्फ और कंट्री क्लब किसी भी गोल्फर के दिल को जीतने के लिए पर्याप्त है और यही वजह है कि इसे भारत के शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ गोल्फ मैदानों में गिना जाता है। इंडियन चैंपियनशिप युवा गोल्फरों को एक बहु-दिवसीय चैंपियनशिप इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने और यूएस किड्स गोल्फ प्रायोरिटी स्टेटस के लिए क्वालिफिकेश प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

प्रायोरिटी स्टेटस के विभिन्न स्तरों को हासिल करके खिलाड़ी क्षेत्रीय, अंतरराष्ट्रीय और वर्ल्ड टीन चैंपियनशिप समेत अन्य यूएस किड्स गोल्फ मेजर चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन प्राप्त कर सकते हैं।

टूर्नामेंट की आयु, तिथि और प्राथमिकता की स्थिति की जानकारी

2023 इंडियन चैंपियनशिप के लिए टूर्नामेंट की आयु तिथि 31 अक्तूबर, 2023 तक की है। यह टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले एक खिलाड़ी के आयु वर्ग का निर्धारण करेगा। इस टूर्नामेंट से अर्जित प्रायोरिटी स्टेटस 1 फरवरी, 2024 से 31 जनवरी, 2025 तक सक्रिय रहेगा। अधिक जानकारी आपको वेबसाइट पर मिल जाएगी। इंडियन चैम्पियनशिप एक तीन दिवसीय आयोजन है और जूनियर गोल्फ स्कोरबोर्ड और विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग इसे एक रैंक इवेंट के रूप में मान्यता देती है।

दक्षिण अफ्रीका 20 ने ब्रांड एंबेसडर के रूप में एबी डिविलियर्स का स्वागत किया

नई दिल्ली ।
दक्षिण अफ्रीका की टी20 क्रिकेट लीग एसए20 सीजन 2 के लिए आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर के रूप में प्रोटियाज दिग्गज एबी डिविलियर्स का स्वागत करती है। उनकी क्रिकेट विशेषज्ञता और करिश्मा लीग की भारत के बाहर दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिकेट लीग बनने की खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण है। सीज़न दो 10 जनवरी, 2024 को शुरू होगा, जिसमें 4 सप्ताह में 34 मैच होंगे, जिसमें छह वैश्विक फ्रेंचाइजी के विशिष्ट घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रदर्शित होंगे। ब्रांड एंबेसडर के रूप में एबी डिविलियर्स की नियुक्ति पर बोलते हुए, एसए20 लीग के कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा, बेटवे एसए20 सीज़न 2 के ब्रांड एंबेसडर के रूप में एबी डिविलियर्स के हमारे साथ जुड़ने से हम रोमांचित हैं। एबी अपनी असाधारण क्रिकेट प्रतिभा और चुंबकीय व्यक्तित्व से हमारी लीग के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। उनकी भागीदारी निस्संदेह लीग की स्थिति को मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह बढ़ाएगी। एबी का खेल के प्रति जुनून और प्रशंसकों के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता बेटवे एसए20 के लिए हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। हमें विश्वास है कि उनकी उपस्थिति न केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी बल्कि दुनिया भर में क्रिकेट प्रेमियों को भी शामिल करेगी, जिससे हमें अभूतपूर्व सफलता हासिल करने में मदद मिलती है। हम आगे एक शानदार सीज़न की आशा करते हैं, जिसमें एबी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एबी डिविलियर्स ने कहा, बेटवे एसए20 के साथ जुड़ना सम्मान की बात है। यह दक्षिण अफ़्रीकी क्रिकेट के लिए एक अग्रणी

दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें वैश्विक क्रिकेट मंच को रोशन करने की क्षमता है। एसए20 की उल्लेखनीय प्रतिभा और अंतर्राष्ट्रीय पहुंच दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एक मंच प्रदान करती है, जो इसे अभूतपूर्व स्तर तक ले जाती है। मैदान पर लगातार अपने समर्पण का प्रदर्शन करने वाले एबी डिविलियर्स लीग के ध्वजवाहक बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह लीग के वैश्विक प्रशंसक आधार को मजबूत करने और भारत और यूके के प्रमुख रणनीतिक बाजारों में लीग के ब्रांड को मजबूत करने में मदद करने के लिए एसए20 की प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करेंगे। एबी डिविलियर्स के साथ हर्शल गिब्स, एलन डोनाल्ड, डेल स्टेन, मार्क बाउचर और रॉबिन पीटरसन सहित दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के दिग्गजों का एक शानदार समूह शामिल होगा।

वर्ल्ड कप में श्रीलंका का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा; ऐसी उम्मीद नहीं थी : मुरलीधरन

नई दिल्ली ।
श्रीलंका के स्पिन-गेंदबाजी के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में टीम का प्रदर्शन बहुत निराशाजनक था और उन्हें टीम के इस तरह से सामने आने की उम्मीद नहीं थी। टूर्नामेंट में, 1996 के चैंपियन, श्रीलंका ने केवल दो मैच जीते, जबकि सात गेम हारकर भारत में अपना अभियान नौवें स्थान पर समाप्त किया, जबकि कप्तान दासुन शनाका सहित विभिन्न कर्मियों की चोटों से भी जूझना पड़ा।वे 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफिकेशन से भी चूक गए क्योंकि वे अंक तालिका में शीर्ष आठ टीमों से बाहर हो गए।

जियोसिनेमा पर अपनी बायोपिक 800 के ओटीटी लॉन्च के मौके पर मुरलीधरन ने से बातचीत में कहा, जहां तक श्रीलंका टीम का सवाल है, उनके पास प्रतिभा है, लेकिन बात यह है कि उनमें प्रतिबद्धता और अनुशासन की थोड़ी कमी है। यदि वे कड़ी मेहनत और प्रयास करते हैं, तो वे निश्चित रूप से एक मजबूत टीम बन सकते हैं। उन्होंने 2022 एशिया कप जीतकर इसकी कुछ झलक दिखाई, और वे भारत, पाकिस्तान और

अन्य अच्छी टीमों को हराने में सक्षम हैं। लेकिन इस साल के विश्व कप में, यह बहुत निराशाजनक और बहुत ही खराब प्रदर्शन था, और मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी।

इसके अलावा, विश्व कप अभियान समाप्त होने के 24 घंटे बाद, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका क्रिकेट की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, हालांकि वे अभी भी अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल सकते हैं। मैदान के बाहर की दुखद घटनाओं से मुरलीधरन भी दुखी थे। इसके अलावा, घर पर भी बहुत सारी समस्याएं हो रही हैं। इस क्रिकेट बोर्ड और देश ने मुझे इस पद तक आने में मदद की है। मैं कहूंगा, इस समय यह गड़बड़ है और सभी चीजों को ठीक करने के लिए किसी को आना होगा।

व्यापक रूप से इस खेल के महानतम स्पिन गेंदबाजों में से एक माने जाने वाले, 1996 वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य मुरलीधरन 800 टेस्ट विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं, जबकि उन्होंने वनडे में 534 विकेट लिए हैं। अपने खेल करियर के बाद, मुरलीधरन 2015 से आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच रहे हैं, इसके अलावा वह बंगाल की घरेलू टीम और ऑस्ट्रेलिया के लिए स्पिन गेंदबाजी सलाहकार भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद, जो पिछले साल के आईपीएल में अंक तालिका में सबसे नीचे रही, 2024 सीज़न में बेहतर प्रदर्शन कर सकती है।

मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए (2014 और 2016 में) थोड़ी कोचिंग की। तब सौरव गांगुली ने मुझे आकर बंगाल क्रिकेट की मदद करने के लिए कहा, जो मैंने पांच साल तक किया। मैंने कोलकाता में इसका भरपूर आनंद लिया, जहां उस समय वीवीएस लक्ष्मण भी वहां मौजूद थे, जिन्होंने वहां युवा बंगाली क्रिकेटरों को अपना ज्ञान विकसित किया और उन्हें दिया। सनराइजर्स हैदराबाद के मालिक एक परिवार की तरह हैं इसलिए उन्होंने मुझे आने के लिए कहा और जैसे ही मैंने आईपीएल से संन्यास लिया, मैं उनके साथ जुड़ गया। हमने वहां बहुत अच्छे पल बिताए और युवा क्रिकेटरों के साथ ज्ञान साझा किया, साथ ही यह भी समझा कि अनुभवी क्रिकेटर कहां रहना चाहते हैं।

जर्मनी से 3-4 से हारी भारतीय टीम, अब बेल्जियम से होगा मैच

सैंटियागो । दो गोल की बढ़त बनाने के बावजूद भारतीय टीम एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्वकप के रोमांचक मुकाबले में पिछली उपविजेता जर्मनी से 3-4 से हार गई। भारत के लिए अन्नु (11वां मिनट), रोपनी कुमारी (14वां मिनट) और मुमताज खान (24वां मिनट) ने गोल किए जबकि जर्मनी के लिए सोफिया श्वाबे (17वां), लौरा प्लथ (21वां और 36वां) और कैरोलिन सेइडेल (38वां) ने गोल दागे। पहले मैच

में कनाडा को 12-0 से हराने वाली भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबदबा बना लिया और जर्मनी की रक्षापंक्ति को खासा परेशान किया। इन हमलों के बीच भारत को लगातार पेनाल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे पर अन्नु ने गोल करके टीम को बढ़त दिलाई।

ब्यूटी टिप्स

'वेडिंग डे' पर जब करना पड़े खुद से मेकअप

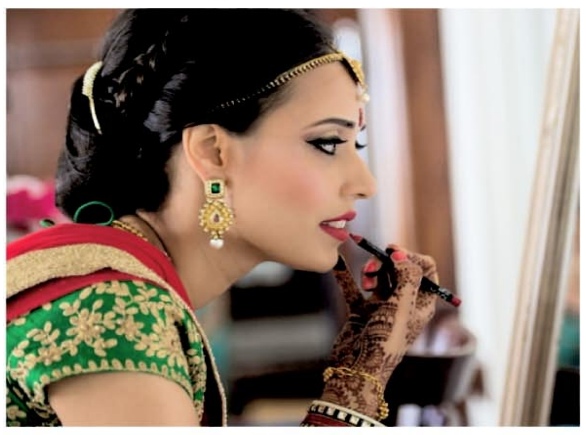

शादी के दिन कई बार ऐसा भी होता है कि सब कुछ पहले से ठीक करने के बावजूद कुछ समस्या आ जाती है. इसमें मुख्य होता है सही मेकअप आर्टिस्ट का मिलना, जिसे खोजकर निकलना मुश्किल होता है. ऐसे में अगर आप अपनी शादी पर खुद ही मेकअप करने के बारें में सोचें, तो कोई गलत बात नहीं, क्योंकि आप अपने चेहरे को जानती हैं और अगर आप थोड़ी सी भी मेकअप में रूचि रखती हैं तो क्या कहने. आप अपने अनुसार अपने आप को खूबसूरत बना सकती है।

'वेडिंग डे' पर अगर आप खुद ही मेकअप करना चाहती हैं तो निम्न बातों का ध्यान अवश्य रखें.

चेहरा

अगर आपके चेहरे पर किसी प्रकार के दाग धब्बे हैं, तो 'वेडिंग डे' से एक दिन पहले अपनी स्किन के अनुसार ब्लीच कर लें. ये ध्यान रखें कि ब्लीच और मोइस्चराइजिंग में एक दिन का अंतर होना बहुत जरूरी है. वेडिंग में मेकअप करने के लिए सबसे पहले फाउंडेशन का प्रयोग अपनी रंगत के अनुसार करें, ये आपको हर उत्पाद में अच्छी तरह लिखा हुआ होता है. दाग-धब्बे होने पर उसे कंसीलर की लेयर से पैक कर फाउंडेशन लगाएं. आजकल वेलवेट मैट फाउंडेशन ट्रेंड में है. फाउंडेशन को चेहरे पर सही तरह से मिलाने के लिए स्पंज का प्रयोग करें, खासकर आंखों के नीचे इसे अच्छी तरह से फैलायें और इसे अच्छी तरह त्वचा में मिलने के लिए थोड़ी समय दें.

आंखें

'वेडिंग ड्रेस' के अनुसार आइ शैडो लगायें, डबल शेड आजकल काफी पौप्युलर है, लेकिन अगर आपको इसका सही पता नहीं चल रहा है, तो आप यूनिवर्सल रंग, गोल्डन या कापर आइ शैडो का प्रयोग कर सकती हैं, जो किसी भी रंग के परिधान पर सही बैठता है. इसके बाद वाटर प्रूफ आइलाइनर ब्लैक या ब्राउन अपने वेडिंग ड्रेस के अनुसार लगायें, बाद में मस्कारा लगाकर फिनिशिंग टच दें. कुछ अलग करने की इच्छा होने पर ड्रेस में प्रयोग किये गए रंगों के आधार पर भी आइलाइनर का प्रयोग कर सकती हैं. अगर आपके आंखों के नीचे काले घेरे हों, तो काजल का प्रयोग न करें.

होंठ

होठों पर लिपस्टिक वेडिंग परिधान के अनुसार ही लगाना सही होता है, इसमें मरून, पिंक, रेड आदि ट्रेंड में है. लिपस्टिक दो तरह के मिलते है 'ग्लिटर' और 'मैट'. आजकल अधिकतर दुल्हने मैट वाली लिपस्टिक लगाती है, क्योंकि इससे नेचुरल लुक मिलता है और लिपस्टिक काफी समय तक टिका रहता है. अपने स्किन टोन से एक डार्क शेड लगाना सही रहता है. लिपस्टिक लगाने से पहले लिप लाइनर अवश्य लगायें. अगर लिप्स चौड़े हैं, तो उन्हें आप लिप लाइनर की सहायता से पतला बना सकती हैं और अगर पतले हैं, तो उन्हें अपने चेहरे के अनुसार शेप दे सकती हैं.

खुद से मेकअप करना आसान है, पर कुछ बातों पर गौर करें

- खुद से मेकअप करने के लिए तकरीबन एक घंटा एक्स्ट्रा समय अपने पास रखें, ताकि किसी काम में अधिक हड़बड़ी न हो.
- मेकअप में प्रयोग किया जाने वाला कोई भी ब्यूटी प्रोडक्ट हमेशा ब्रांडेड और वाटर प्रूफ ही लें, ताकि उसकी फिनिशिंग अच्छी हो और त्वचा पर किसी प्रकार का प्रभाव बाद में न दिखे.
- अपने रंगत के अनुसार उत्पाद लें और वेडिंग डे से पहले एक बार उसे लगाकर देख लें कि आपके मन मुताबिक रंग है या नहीं.
- वेडिंग डे पर रोशनी की व्यवस्था को अवश्य परख लें, ताकि आप सबसे अलग और शानदार दिखें.

ऐसे चुनें अपना शैंपू

सुंदर बाल व्यक्तित्व को निखारते हैं यही वजह है कि बालों का झड़ना, टूटना, उलझना आदि हर महिला को चिंतित करता है. लेकिन बालों की सही देखभाल कर और संतुलित व पौष्टिक डाइट लेने से इन सब समस्याओं से दूर रहा जा सकता है.

इस संबंध में ओरिफ्लेम इंडिया की हेयर ऐक्सपर्ट पल्लवी कहती हैं कि बालों पर मौसम का भी असर पड़ता है. मौनसून के मौसम में बारबार गीले हो जाने की वजह से बाल उलझ जाते हैं. परिणामस्वरूप वे अधिक झड़ने लगते हैं. 60 से 100 बालों का प्रतिदिन झड़ना कोई खास चिंता की बात नहीं. पर 100 से अधिक संख्या में बालों का प्रतिदिन झड़ना चिंता की बात होती है.

बालों की तरह- तरह की समस्याओं के चलते शैंपू के चुनाव में सावधानी बरतना जरूरी है. इस के लिए कुछ खास टिप्स इस तरह हैं.

- अगर आप के हेयर ग्रीसी हैं तो मार्केट में कई प्रकार के ग्रीसी हेयर शैंपू मिलते हैं, जो ग्रीसी हेयर को ठीक कर सकते हैं. बारबार आम शैंपू लगाने से बालों और स्कैल्प का औयल कम हो जाता है, जिस से बालों में डैंड्रफ हो जाता है और उन का झड़ना भी बढ़ जाता है. अत- इस मौसम में बाहर जाने से पहले सीरम जरूर प्रयोग करें.
- शैंपू हेयर टैक्स्चर के आधार पर प्रयोग करें. कई बार पूरा परिवार एक ही शैंपू का प्रयोग करता है, जो ठीक नहीं. अगर आप ने हेयर कलर किए हैं तो उस शैंपू का प्रयोग करें, जो कलर न उतारे और यदि बालों में डैंड्रफ है, तो डैंड्रफ हटाने वाले शैंपू का प्रयोग करें. इसी तरह अगर बाल डैमेज हो रहे हों तो हेयर रिपेयर करने वाले शैंपू का प्रयोग करें.
- शैंपू खरीदने से पहले बालों का टैक्स्चर अवश्य जान लें. कई बार महिलाएं कर्ली बालों को फ्रीजी बाल समझती हैं.
- मौनसून में हेयर औयलिंग बहुत आवश्यक है. इस से बेजान बालों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है. उन की ग्रोथ बढ़ती है, क्योंकि मसाज से औयल बालों की जड़ों तक पहुंचता है. महीने में 2 बार 2 घंटों तक बालों में औयल लगा कर रखना पर्याप्त होता है. आजकल बाजार में औयल के गुण वाले शैंपू भी उपलब्ध हैं.
- आजकल अधिकतर महिलाएं हेयर कलरिंग करती हैं. अत- बारिश के मौसम में कलर प्रोटैक्ट रेंज का प्रयोग ठीक रहता है. इस में शैंपू, कंडीशनर इत्यादि शामिल हैं.
- एक बार कलर करने के बाद बालों को दोबारा 15 दिनों के बाद ही कलर करें. कलर के बाद शैंपू, कंडीशनर लगाने से बाल ठीक रहते हैं. अगर डैमेज हो रहे हों और पोरस भी हैं, तो रैस्टोर वाला शैंपू या फिर हेयर मास्क लगाना सही रहता है.
- मौनसून में बालों को हमेशा फ्रैश दिखाने के लिए गीले बालों को सुखा कर सीरम लगाएं.
- सुंदर बालों के लिए प्रोटीन और विटामिन युक्त डाइट भी आवश्यक है. अगर आप का लाइफस्टाइल ठीक नहीं है, तो सप्लिमैंट का सहारा लें. मल्टी विटामिन और फ्रूट्स का सेवन अवश्य करें.
- सप्ताह में 2-3 बार बालों में शैंपू जरूर करें. और उन्हें भीगने से बचाएं.

हेल्थ टिप्स

दिमागी शक्ति को बढ़ाते हैं ये आहार

हम जो चीज खाते हैं, उस का सीधा असर हमारे मस्तिष्क के कार्य पर पड़ता है. यह सिद्ध किया जा चुका है कि सही भोजन खाने से हमारा आई.क्यू. बेहतर होता है, मनोदशा (मूड) अच्छी रहती है, हम भावनात्मक रूप से ज्यादा मजबूत बनते हैं, स्मरणशक्ति तेज होती है व हमारा मस्तिष्क जवान रहता है. यही नहीं, यदि मस्तिष्क को सही पोषक तत्त्व दिए जाएं तो हमारी चिंतन करने की क्षमता बढ़ती है, एकाग्रता बेहतर होती है व हम ज्यादा संतुलित व व्यवस्थित व्यवहार करते हैं.

निम्न फलों और खाद्यपदार्थों पोषक तत्त्वों से भरपूर होने की वजह से बहुत लाभकारी हैं-

सेब सेब में विटामिन सी के साथसाथ 'कुएरसीटिन' नामक पदार्थ भी पाया जाता है, जो एक 'फ्लावोनोइड' है (फ्लावोनोइड पौधों में पाए जाने वाले पिगमेंट होते हैं, जो पत्तियों को पीला, लाल, नीला या अन्य रंग देते हैं). विटामिन सी व 'कुएरसीटिन' दोनों ही ऐंटीऔक्सीडेंट की तरह कार्य करते हैं. ये मुक्त मूलकों के द्वारा किए जाने वाले नर्व डैमेज को रोकते हैं. पार्किंसंस व एल्जिमेर्स जैसी न्यूरोडीजनरेटिव डिजीज से सुरक्षा करते हैं. इस बात का ध्यान रखें कि सेब के छिलकों में कीटनाशक के अंश पाए जाते हैं. अत- औगेंनिक तरीके से उगाए गए सेब खरीदें अथवा सेब को अच्छी तरह धो कर प्रयोग में लाएं. छिलके न निकालें, क्योंकि इन में कई सारे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। एप्पल शेक बनाएं व उस में 1/4 चम्मच दालचीनी का पाउडर डालें. इस से न सिर्फ स्वाद में वृद्धि होगी, बल्कि दालचीनी में प्रचुर मात्रा में ऐंटीऔक्सीडेंट तत्त्व होने की वजह से यह बच्चों के लिए लाभकारी भी होगा.

काले अंगूर काले अंगूरों के बीज में 'गामा लिनोलिक ऐसिड' नामक फैटी ऐसिड पाया जाता है, जोकि एक ओमेगा-6 फैटी ऐसिड है. यह स्ट्रैस के दुष्प्रभाव से भी ब्रेन की रक्षा करता है. अन्य फलों की तरह इस में भी विटामिन सी प्रचुर मात्रा में होता है.

हरी पत्तेदार सब्जियां लौह की कमी को कमजोर स्मरणशक्ति से जोड़ा गया है. रक्त में लौह की कमी होगी, तो रक्त कोशिकाएं कम मात्रा में बनेंगी, जिस का अर्थ है मस्तिष्क तक कम मात्रा में औक्सीजन का पहुंचना और अधिक 'औक्सीडेटिव स्ट्रैस' होना. ऐसा न हो, इस के लिए हरी पत्तेदार सब्जियों, जैसे पालक, सरसों, मेथी, शलगम के पत्तों, लेट्स, पत्तागोभी व अन्य मौसमी सब्जियों का प्रयोग करें. इन में प्रचुर मात्रा में 'केरोटीनोइड्स' भी पाए जाते हैं, जोकि 'ऐंटीऔक्सीडेंट्स' हैं.

ग्रीन टी पानी के बाद ग्रीन टी को दुनिया का सब से बेहतरीन पेयपदार्थ माना जाता है. दिन भर में 2 कप ग्रीन टी न सिर्फ आप की स्मरणशक्ति को बढ़ाएगी, बल्कि आप की एकाग्रता को भी बेहतर करेगी. ग्रीन टी में 'पौली फिनौल्स' प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शक्तिशाली 'ऐंटीऔक्सीडेंट्स' हैं और ब्रेन की रक्षा करते हैं.

डार्क चौकलेट डार्क चौकलेट में पाए जाने वाले 'प्रोसायनेडीस' व 'एपीकेटचिन' नामक फ्लावोनोइड्स मस्तिष्क की तरफ रक्त प्रवाह को बेहतर बनाते हैं. मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं.

हैल्दी औयल औलिव औयल, अलसी का तेल, सफेद सरसों का तेल, कच्ची घानी सरसों का तेल व सनफ्लावर औयल में ओमेगा- 3 फैटी ऐसिड पाया जाता है. यह एक प्रकार का आवश्यक 'फैटी ऐसिड' होता है, जो हमारे शरीर में नहीं बनता, इसलिए इसे डाइट के द्वारा लेना आवश्यक है. यह हमारी कोशिकाओं की टूटफूट की रिपेयर, उन के उचित रखरखाव, हमारे शरीर से हानिकारक पदार्थों को निकालने और उचित पोषण प्राप्त करने के लिए जरूरी है. चूंकि इन औयल्स का स्मोकिंग पौइंट कम होता है, इसलिए इन में पाया जाने वाला फैटी ऐसिड उच्च तापमान पर नष्ट हो जाता है. इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि इन्हें डीप फ्राइंग के लिए प्रयोग न करें. इन का प्रयोग सलाद ड्रैसिंग करने के लिए करें या फिर इन्हें कच्चा ही इस्तेमाल करें.

आंखों के नीचे डार्क सर्कल की समस्या से पाएं छुटकारा

सूरज की तेज किरणों, खराब डाइट और नींद पूरी न होने के कारण आंखो के नींचे डार्क सर्कल पड़ जाते है। जिससे चेहरा भद्दा दिखने लग जाता है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कई मंहगें प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से भी आपको इस समस्या से छुटकारा नहीं मिलता। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप 3 दिन में डार्क सर्कल की समस्या से कुछ घरेलू तरीको द्धारा छुटकारा पा सकते है।

1. गुलाब जल

रोजाना कॉटन की मदद से गुलाब जल को आंखो के नीचे 10 मिनट कर लगाए। इससे आंखे भी फ्रैश दिखेंगी और डार्क सर्कल की समस्या भी दूर हो जाएगी।

2. चायपत्ती

चायपत्ती को पानी में अच्छी तरह उबाल कर कॉटन की मदद से आंखों के नींचे लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें। रोजाना ऐसा करने से कुछ ही दिनों में डार्क सर्कल दूर हो जाएंगे।

3. बादाम का तेल

बादाम तेल को आंखो के आस-पास 15-20 मिनट तक लगाकर छोड़ दें। उसके बाद 10 मिनट तक हल्की मसाज करते हुए इसे कॉटन की मदद से साफ कर लें।

4. पुदीना

पुदीने की पत्तियों को पीस कर 10 मिनट तक आंखों के नींचे लगाए। इसमें मौजूद एंटिसेप्टिक और एंटी-माइक्रोबियल के गुम डार्क सर्कल को 3 दिन में दूर कर देंगे।

5. एवोकैडो

फैटी एसिड, विटामिन श्व, च्च और क्क के गुणों से भरपूर इस फल को चेहरे और डार्क सर्कल पर लगाए। इससे चेहरे पर निखार और ग्लो आने के साथ डार्क सर्कल भी दूर हो जाते है।

6. जैतून का तेल

जैतून के तेल में हरसिंगार के पौधें को पीस कर आंखों के नीचे लगा लें। नियमित रूप से इसे लगाने पर कुछ ही दिनों में डार्क सर्कल दूर हो जाएंगे।

सुपर किड बनाने की होड़ में पिसता बचपन

हर मातापिता की ख्वाहिश होती है कि जो मुकाम उन्होंने हासिल नहीं किया उसे उन का बच्चा हासिल करे. कई बार इस के लिए बच्चों पर अतिरिक्त दबाव भी बन जाता है. आजकल टीवी पर तमाम तरह के रिऐलिटी शो बच्चों से रिलेटेड भी हैं. इन्हें ले कर भी मातापिता अपने बच्चों के प्रति कुछ अधिक कौंशस हो रहे हैं. हर कोई अपने बच्चे को सुपर किड बनाना चाहता है. जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है, वह अपने आसपास के माहौल से सीखता जाता है. पहले परिवार से फिर दोस्तों से या फिर टीवी प्रोग्राम्स से।

सृष्टि की उम्र करीब 8 साल है. वह स्कूल जाती है. स्कूल से लौट कर आने तक उस के म्यूजिक टीचर घर आ जाते हैं. उस के बाद उसे ट्यूशन क्लास जाना होता है. वहां से लौटने तक स्विमिंग क्लास जाने का समय हो जाता है. शाम को डांस क्लासेज होती हैं. वहां से लौट कर होमवर्क पूरा करना होता है. तब तक उसे उबासियां आने लगती हैं. वह ऊंघने लगती है तो मां की डांट सुननी पड़ती है.

अब आप ही सोचिए कि नन्ही सी जान और इतना अधिक बोझ. इस भागमभाग के बीच न तो मासूम बचपन को अपनी इच्छा से पंख फैलाने की फुरसत है और न ही थक कर सुस्ताने की. ऐसी दिनचर्या आजकल हर उस बच्चे की है, जिस के मातापिता उसे सब कुछ बनाने की चाह रखते हैं. आजकल पेरैंट्स ने जानेअनजाने अपने अधूरे सपनों और इच्छाओं को मासूम बच्चों की क्षमता और अभिरुचि का आकलन किए बिना उन पर लाद दिया है. हर अभिभावक की बस एक ही इच्छा होती है कि उन का बच्चा हर जगह हर हाल में अव्वल आए. उन का बच्चा आलराउंडर हो. दूसरे बच्चों से अधिक प्रतिभावान हो. सुपर हीरोज की तरह उन का बच्चा भी सुपर किड हो.

दिल्ली के सीनियर ऐडवोकेट, सरफराज ए सिद्दीकी कहते हैं कि अभिभावकों की ऐसी महत्त्वाकांक्षाओं का बोझ मासूमों को अवसाद की ओर ले जा रहा है. अंकों के खेल में अव्वल रहना उन की विवशता बन गया है. यही कारण है कि हर साल जब परीक्षा परिणाम आता है, तो बच्चों की आत्महत्या के दुखद समाचार पढ़ने को मिलते हैं. ऐसा नहीं करना चाहिए. हर मातापिता को यह सोचना चाहिए कि हर बच्चा हर फील्ड में अव्वल नहीं आ सकता. मातापिता बच्चों की खूब देखभाल करते हैं. लेकिन नतीजा कुछ नहीं. तो आखिर कहां है कमी? सच तो यह भी है कि टीवी पर छाए बच्चों के रिऐलिटी शोज ने तो मासूमों की जिंदगी में क्रांति ला दी है. अपनी प्रतिभा को सिद्ध करने के इस संघर्ष के नाम पर मातापिता उन्हें दुनिया भर में अपना नाम रोशन करने का माध्यम समझ बैठे हैं. उन्हें हरफनमौला बनाने के खेल में बचपन की सरलता और सहजता गुम हो चली है. यह बताने की जरूरत नहीं कि बच्चे स्वाभाविक रूप से बड़े कल्पनाशील होते हैं. कुछ नया रचने में रुचि लेते हैं. तभी तो आनंद लेते हुए, खेलते हुए जब किसी कार्य को पूरा करते हैं, तो परिणाम बहुत बेहतर होते हैं.

समाजशास्त्री, डा. कुमार कहते हैं कि बच्चे जिस क्षेत्र में रुचि रखते हैं, उन्हें उस में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है. अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार स्वयं को निखारने का हर प्रयत्न करने के लिए बच्चों का मार्गदर्शन परिवार वाले ही कर सकते हैं. बच्चों के मन को समझते हुए उन्हें साथ एवं सहयोग कुछ इस तरह से दिया जाए कि बड़ों की आशाएं भार नहीं उत्प्रेरक बनें. मातापिता के लिए समझना महत्त्वपूर्ण है कि बच्चे अभिभावकों के कौशल का प्रदर्शन करने वाले यंत्र भर नहीं हैं.

बच्चे की खूबी पहचानें

इस सबंध में एक अभिनेता ने कहा, ''मैं यह कहना चाहता हूं कि हर बच्चा खास है. यह बात मुझे अपने शोध से पता चली है. हर बच्चे में कोई न कोई खूबी होती है. अभिभावक होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम बच्चे की उस खूबी को पहचानें और उसे निखारने में बच्चे की मदद करें. सब में कोई न कोई योग्यता और कमजोरी होती है. मुझ में भी कुछ काबिलीयत है तो कुछ कमजोरी भी. हमें देखना होगा कि बच्चे को क्या अच्छा लगता है. उस का दिल क्या चाहता है. हमें उस की ख्वाहिश को समझना चाहिए. बच्चे में कोई कमजोरी हो सकती है. हमें उस की मदद करनी चाहिए ताकि वह उस कमजोरी को दूर कर सके. हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी है कि हम बचपन से ही बच्चे पर फर्स्ट आने का दबाव डालने लगते हैं.।

रेसिपी

एप्पल रबड़ी

सामग्री

- 3 कप वसा भरपुर दूध
- 2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
- 3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
- 3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम
- 1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें। सुलभ सुझाव- इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

काजू मटर

सामग्री

तेल 1 टेबलस्पून , काजू 60 ग्राम, गर्म दूध 110 मि.ली, टमाटर 25 ग्राम ,अदरक 1 टीस्पून , काजू पाउडर 2 टेबलस्पून ,तेल 1 टेबलस्पून ,जीरा 1 टीस्पून,हींग 1/4 टीस्पून ,धनिया के सूखे पत्ते 1 टीस्पून,लाल मिर्च 1/4 टीस्पून,हल्दी 1/4 टीस्पून ,धनिया पाउडर 1 टीस्पून ,हरे मटर 200 ग्राम,चीनी 1 टेबलस्पून ,नमक1 टीस्पून,पानी 200 मि.ली ,गर्म मसाला 1/2 टीस्पून।

विधि

एक पैन में तेल डालकर इसमें काजू को गोल्डन फ्राई कर लें और एक बाउल में गर्म दूध डालकर इसमें फ्राई किए काजू को 15 मिनट के लिए भिगो कर रखें। अब टमाटर,अदरक,काजू का पाउडर डालकर इसे मिक्सी में डालकर प्यूरी बना लें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर इसमें जीरा और हींग डाल कर भून लीजिए। इसमें अब धनिया पाउडर,लाल मिर्च और हरी मिर्च डालकर मिक्स कर लें और पहले से बना कर रखा हुआ पेस्ट डालकर 3-5 मिनट के लिए भूनें। इस भूने हुए मसाले में अब हल्दी,सूखा धनिया डालकर मिक्स कर लें। अब इसमें मटर,चीनी और नमक को मसाले में डालकर मिला लीजिए। जब मसाले में मटर अच्छी तरह से मिक्स हो जाए तब इसमें पानी डालकर 3-5 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद गर्म मसाला डालकर पहले से दूध में पहले से भिगो कर रखे हुए काजू डालें और 2 मिनट के लिए पकाएं। काजू मटर बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**